दैनिक
आदित्यवर्णं तमसः परस्तात्
नव प्रदेश
प्रदेश के साथ पूरा देश...

बिलासपुर, शुक्रवार, 31 अक्टूबर 2025 | शुक्ल पक्ष- दशमी, | विक्रम संवत -2082 / वर्ष-11 | अंक- 193 | पृष्ठ-12 मूल्य-4 रुपए | रायपुर, बिलासपुर, भोपाल, जबलपुर व रांची से एक साथ प्रकाशित

राष्ट्रीय राजमार्गों के जाल से छत्तीसगढ़ को और मिलेगी गति

- यह एक ग्रीनफील्ड छह-लेन एक्सप्रेसवे है।
- छत्तीसगढ़ से शुरू होकर ओडिशा व आंध्र प्रदेश होते हुए विक्साखापत्तनम तक जायेगा।
- लंबाई लगभग 464 किमी है।

तीन राज्यों के लॉजिस्टिक्स को मिलेगा बढ़ावा

रायपुर-विशाखापत्तनम एक्सप्रेसवे 464 किमी लंबा ग्रीनफील्ड प्रोजेक्ट है जिसका मकसद सेंट्रल इंडिया को पूर्वी तट से जोड़ना है। यह हाई-स्पीड कॉरिडोर लॉजिस्टिक्स को बढ़ावा देने, यात्रा का समय कम करने और तीन राज्यों में आर्थिक अवसर खोलने के लिए बनाया जा रहा है। पूरा होने के बाद, यह इंडस्ट्रियल ज़ोन और तटीय व्यापार मार्गों के बीच एक ज़रूरी लिंक होगा।

एक्सप्रेसवे की मुख्य बातें

भारतमाला परियोजना का हिस्सा, इस एक्सप्रेसवे में कंट्रोल्ड एक्सेस, 6-लेन विस्तार की क्षमता और आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर होगा। यह छत्तीसगढ़ के रायपुर से शुरू होकर आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में खत्म होता है। यह प्रोजेक्ट दूरदराज और औद्योगिक क्षेत्रों से होकर गुजरेगा, जिससे क्षेत्रीय कनेक्टिविटी बढ़ेगी और मौजूदा हाईवे पर भीड़ कम होगी।

एक्सप्रेसवे की लागत

रायपुर-विशाखापत्तनम एक्सप्रेसवे की कुल अनुमानित निर्माण, भूमि अधिग्रहण, पर्यावरण उपाय और इंटरचेंज शामिल हैं। सरकारी और निजी निवेश के मिश्रण से फंडेड, इस एक्सप्रेसवे को एक महत्वपूर्ण आर्थिक कॉरिडोर के रूप में देखा जा रहा है जो सेंट्रल और पूर्वी भारत के बीच माल के प्रवाह को सुव्यवस्थित करने में मदद करेगा।

रायपुर-विशाखापट्टनम आर्थिक गलियारा

नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (NHAI) के छत्तीसगढ़ में कई प्रोजेक्ट चल रहे हैं, जिनमें सबसे प्रमुख है रायपुर-विशाखापट्टनम आर्थिक गलियारा (NH-130CD)। इस परियोजना के तहत, हाल ही में राज्य की पहली 2.79 किलोमीटर लंबी राष्ट्रीय राजमार्ग सुरंग का निर्माण पूरा हुआ है। इसके अलावा, अन्य प्रमुख परियोजनाओं में उर्गा कटघोरा बाईपास, बसना से सारंग फीडर रूट, सारंग से रायगढ़ फीडर रूट और रायपुर-लखनादौन आर्थिक गलियारा शामिल हैं, जिनकी कुल लंबाई 236 किलोमीटर है और जिसके लिए 9208.8 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं।

NH-130CD राज्य का पहला राष्ट्रीय राजमार्ग टनल

इस कॉरिडोर में छत्तीसगढ़ के अंदर एक 2.79 किमी लंबा टनल बनकर पूरा हो चुका है जो राज्य का पहला राष्ट्रीय राजमार्ग टनल है।

समय और दूरी में कमी

इस प्रोजेक्ट से रायपुर–विशाखापत्तनम की दूरी और समय दोनों में बड़ी कमी आने की उम्मीद है।

2026 में पकड़ेगी रफ्तार

- टनल का बायाँ भाग पूरा हो चुका है; दायाँ भाग अभी निर्माणाधीन है, मार्च-अप्रैल 2026 तक ट्रैफिक के लिए खोलने का लक्ष्य है।
- छत्तीसगढ़ को पूर्व एवं दक्षिण-भारत से सीधे छह-लेन हाईवे द्वारा जोड़ने वाला यह प्रोजेक्ट है, जिससे औद्योगिक, लॉजिस्टिक तथा माल व यात्रियों की आवाजाही बेहतर होगी।

NH-149B उरगा-कटघोरा बाईपास

इस सेक्शन को छत्तीसगढ़ में उरगा-कटघोरा बाईपास के रूप में जाना जा रहा है।

- कुल लंबाई लगभग 110 किमी के करीब है (NH-149B के अंतर्गत)।
- इस परियोजना में मौजूदा दो-लेन सड़क को चार-लेन में विस्तार तथा अपग्रेडेशन शामिल है।

स्वीकृति एवं मंजूरीः केंद्र सरकार ने चार बड़े हाईवे प्रोजेक्ट्स की डीपीआर (DPR) स्वीकृति दी है, जिसमें यह प्रोजेक्ट शामिल है — कुल लंबाई 236.1 किमी, स्वीकृत राशि लगभग 9,208 करोड़।

रायपुर-लखनादौन आर्थिक कॉरिडोर

- यह एक आर्थिक कॉरिडोर है जिसमें रायपुर-लखनादौन मार्ग शामिल है, जो राज्य में उद्योग, कृषि तथा लॉजिस्टिक को बढ़ावा देगा।
- लंबाई लगभग 105 किमी, अनुमानित लागत लगभग 6,300 करोड़।
- **स्वीकृतिः** यह भी चार प्रमुख हाईवे प्रोजेक्ट्स में शामिल था, जिनकी DPR स्वीकृति मिली थी।
- राजधानी रायपुर तथा अन्य जिलों के बीच बेहतर कनेक्टिविटी देगा, जिससे आंचलिक विकास को बल मिलेगा।

अन्य सहायक प्रोजेक्ट्स एवं फीडर रूट

- लगभग 33 किमी, लागत 490 करोड़।
- Sarangarh-Raigarh Feeder Route — लगभग 56 किमी, लागत लगभग 825 करोड़।
- अन्य कार्य जैसे केशकल घाट (Keshkal Ghat) चौड़ीकरण, धमतरी-जगदलपुर रोड आदि की भी स्वीकृति मिली है।

12 जिलों को लाभहोगा रायपुर-लखनादौन मार्ग के बन जाने पर

50 हजार वाहनों को राहत मिलेगी रायपुर और बिलासपुर के

20 किमी दूरी घटेगी दुर्ग-रायपुर कॉरिडोर बनने पर

186 किमी चार-लेन बनना है रायपुर-सारंगढ़ प्रोजेक्ट में

राज्य की पहली 2.79 किलोमीटर लंबी राष्ट्रीय राजमार्ग सुरंग का निर्माण पूरा

रायपुर-विशाखापत्तनम एक्सप्रेसवे, रूट और कनेक्टिविटी

राज्य	मुख्य क्षेत्र
छत्तीसगढ़	रायपुर, धमतरी, कांकेर इंडस्ट्रियल ज़ोन को जोड़ता है, स्टेट हाईवे पर दबाव कम करता है, लॉजिस्टिक्स को बेहतर बनाता है
ओडिशा	नबरंगपुर, कोरापुट आदिवासी क्षेत्रों को बढ़ावा देता है, व्यापार के लिए रास्ता खोलता है, दूरदराज के इलाकों में विकास में मदद करता है
आंध्र प्रदेश	अराकु, अनाकापल्ली, विशाखापत्तनम कृषि और पर्यटन क्षेत्रों को विजाग पोर्ट और इंडस्ट्रियल हब से जोड़ता है

मुख्य परियोजनाओं में वृक्षारोपण

- रायपुर-विशाखापट्टनम (NH-130CD): - 97,145 पौधे
- महाराष्ट्र सीमा-दुर्ग- रायपुर-ओडिशा सीमा (NH-53): - 46,141 पौधे
- चांपा-कोरबा-कटघोरा-(NH-149B): 23,020 पौधे
- बिलासपुर-कटघोरा-(NH-130):- 16,847 पौधे
- बिलासपुर-उरगा- पत्थलगांव (NH130A): 14,400 पौधे
- सिमगा-रायपुर-धमतरी (NH-30): 5,406 पौध

प्रमुख प्रोजेक्ट

- रायपुर-विशाखापट्टनम आर्थिक गलियारा (NH-130CD)
- इस परियोजना के तहत छत्तीसगढ़ की पहली राष्ट्रीय राजमार्ग सुरंग (2.79 किमी) का निर्माण पूरा हो गया है।
- इस सुरंग से रायपुर से विशाखापट्टनम के बीच यात्रा का समय कम होगा।

महत्वपूर्ण परियोजनाएं:

- उर्गा कटघोरा बाईपास
- बसना से सारंग फीडर रूट
- सारंग से रायगढ़ फीडर रूट
- रायपुर-लखनादौन आर्थिक गलियारा

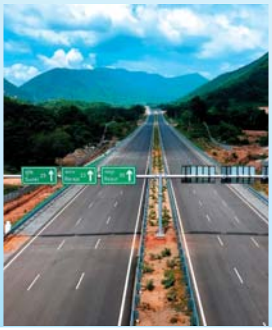

राष्ट्र को समर्पित होने तैयार बहुप्रतीक्षित परियोजना

भारतमाला प्रोजेक्ट के तहत रायपुर-विशाखापट्टनम आर्थिक गलियारा (NH-130CD) छत्तीसगढ़ की विकास की गति को रफ्तार दे रहा है। जिसका निर्माण कार्य सितंबर 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य है। यह परियोजना तीन प्रमुख खंडों में पूरी की जा रही है। जिसमें झांकी-सरगी खंड (42.8 किलोमीटर) का निर्माण कार्य लगभग 96.78% तक पूरा हो चुका है। जिसका निर्माण शालीमार रोड इंफ्रांस्ट्रक्चर प्रा. लिमिटेड द्वारा किया जा रहा है। वहीं सरगी-बसनवाही खंड (56.7 किलोमीटर) का कार्य 86.34 फीसदी पूरा कर लिया गया है। जिसका निर्माण रायपुर-विशाखापट्टनम सीजी-2 दिलीप बिल्डकॉन हाईवे प्राइवेट लिमिटेड ने किया है। वहीं बसनवाही-मरंगपुरी खंड (25.161 किलोमीटर) का कार्य 45.87% पूरा हो चुका है। जिसे के.एम.वी. रायपुर विशाखापट्टनम हाईवे प्रा. लिमिटेड द्वारा पूरा कया जा रहा है। साथ ही 2.79 किलोमीटर लंबी राष्ट्रीय राजमार्ग टनल के लेफ्ट हैंड साइड के खुदाई का कार्य सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है। वहीं, राइट हैंड साइड टनल का निर्माण कार्य जारी है। यह सुरंग छत्तीसगढ़ की पहली नेशनल हाईवे टनल है और रायपुर-विशाखापट्टनम आर्थिक गलियारे का हिस्सा है। वर्ष 2020 से लगातार राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के रायपुर और दिल्ली के अफसरों और कर्मचारियों के अथक परिश्रम का ही प्रतिफल है कि यह परियोजना 2026 तक राष्ट्र को समर्पित करने का लक्ष्य रखा गया है।

छत्तीसगढ़, ओडिशा और आंध्र प्रदेश के बीच सड़क संपर्क और भी मजबूत

इससे छत्तीसगढ़, ओडिशा और आंध्र प्रदेश के बीच सड़क संपर्क और भी मजबूत होगा, खनन क्षेत्रों, औद्योगिक इकाइयों और बंदरगाहों तक पहुंच को सुगम बनाएगा। साथ ही, आसपास के ग्रामीण और जनजातीय क्षेत्रों के सामाजिक-आर्थिक विकास को भी नई दिशा देगी। बेहतर कनेक्टिविटी से शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और स्थानीय व्यापार के अवसरों में उल्लेखनीय वृद्धि होगी, जिससे क्षेत्रीय विकास को गति मिलेगी। रायपुर से विशाखापट्टनम की यात्रा न केवल तेज़ और सुरक्षित होगी, बल्कि ईंधन और समय की भी बचत होगी।

न्यूज गैलरी

पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि कल

रायपुर/ नवप्रदेश। नगर पालिक निगम रायपुर के संस्कृति विभाग के तत्वावधान में भारत गणराज्य की पूर्व प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गाँधी की पुण्यतिथि 31 अक्टूबर 2025 को प्रातः 11 बजे कालीबाड़ी चौक में स्थित उनकी प्रतिमा के समक्ष सादर नमन करने रायपुर नगर पालिक निगम के जोन क्रमांक 4 के सहयोग से पुष्पांजलि कार्यक्रम रखा गया है।

तीन दिवसीय महापौर नेशनल पावर लिफ्टिंग एवं बॉडी बिल्डिंग चैंपियनशिप

रायपुर/ नवप्रदेश। 31 अक्टूबर से 2 नवंबर तक महापौर ट्राफी का आयोजन रायपुर डिस्ट्रिक्ट बॉडी बिल्डिंग एसोसिएशन एवं छग पावर लिफ्टिंग एसोसिएशन के संयुक्त तत्वाधान में बूढ़ेश्वर मंदिर भवन पुरानी बस्ती रायपुर में किया गया है। विजेता खिलड़ी को 151000 रुपए नगद इनाम दिया जाएगा। छग बॉडी बिल्डिंग एसोसिएशन के महासचिव मानिक ताम्रकार एवं छग पावर लिफ्टिंग एसोसिएशन के महासचिव प्रदीप क्षत्रिय ने बताया कि नेशनल पावर लिफ्टिंग एवं बॉडी बिल्डिंग चैंपियनशिप का उदघाटन 31 अक्टूबर को दोपहर 12 बजे स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल एवं रायपुर नगर निगम की महापौर मीनल चौबे करेंगे, विशेष अतिथि पार्षद सुमन अशोक पांडेय एवं समाज सेवी अरुण विश्वकर्मा होंगे। 1 नवंबर को रात्रि 8 बजे नेशनल पावर लिफ्टिंग चैंपियनशिप के विजयी खिलाड़ी को दक्षिण विधानसभा रायपुर के विधायक सुनील सोनी पुरस्कृत करेंगे। साथ में हरि वल्लभ अग्रवाल, जोन अध्यक्ष सचिन मेघानी एवं समाज सेवी कमलेश जैन रहेंगे। 2 नवंबर को बॉडी बिल्डिंग की प्रतियोगिता होगी जिनका उदघाटन संध्या 6 बजे पूर्व महापौर प्रमोद दुबे करेंगे रात्रि 10 बजे पुरस्कार वितरण होगा जिसके मुख्य अतिथि सांसद बृजमोहन अग्रवाल होंगे, विशेष अतिथि अंबर अग्रवाल जोन अध्यक्ष, बॉडी बिल्डिंग के आजीवन अध्यक्ष शिव मोहन शुक्ला एवं जैतू साव मठ व्यायाम शाला के अध्यक्ष रेवा राम यदु होंगे। बॉडी बिल्डिंग प्रतियोगिता विभिन्न वजन वर्गों के आधार पर होगा। इस प्रतियोगिता में रायपुर लोकसभा क्षेत्र के विजयी बॉडी बिल्डर का चयन सांसद खेल महोत्सव के लिए किया जाएगा।

कांट्रेक्टर्स एसोसिएशन ने सीएम साय और डिप्टी सीएम साव का आभार जताया

रायपुर/ नवप्रदेश। निर्माण विभागों में लंबित मांगों और अनेक समस्याओं को लेकर संघर्षरत छत्तीसगढ़ कांट्रेक्टर्स एसोसिएशन को बड़ी राहत मिलने जा रही है। समस्याएं सुलझने की दिशा में राज्य सरकार ने ठोस निर्णय लिया है। एसोसिएशन की मांग पर एक उच्चस्तरीय कमेटी गठित की गई है जो मुख्य रूप से निर्माण विभागों में जीएसटी और खनिज रॉयल्टी की विसंगतियों को दूर करने एक समान प्रक्रिया लागू करने की रिपोर्ट 3 नवंबर तक राज्य शासन को सौंपेगी। इसके लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के आदेश पर वित्त विभाग ने आदेश जारी किया है। अभी निर्माण विभागो में जीएसटी और खनिज रॉयल्टी मामले में अलग अलग नियम प्रक्रिया है, जिससे ठेकेदार परेशान हैं। छत्तीसगढ़ कांट्रेक्टर एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष बीरेश शुक्ला ने जारी बयान में पीडब्ल्यूडी में बिलों के साथ 18 प्रतिशत जीएसटी के साथ बिल भुगतान और खनिज रॉयल्टी में भारी विसंगति सहित अनेक ज्वलंत मुद्दों का समाधान करने का मांगपत्र और ज्ञापन सौंपा था। एसोसिएशन के प्रतिनि?धि मंडल को उपमुख्यमंत्री पीडब्ल्यूडी अरुण साव ने समाधान का भरोसा दिलाया था। वहीं छत्तीसगढ़ कांट्रेक्टर्स एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष बीरेश शुक्ला के नेतृत्व में प्रतिनि?धिमंडल ने राज्य के विकास और निर्माण कार्यों में ठेकेदारों की अहम भूमिका से अवगत कराते हुए समस्याओं के निराकरण से तेजी लाने की बात कही है। साथ ही कमेटी के अफसरों से बिना किसी गुमराह हुए तय समय पर रिपोर्ट राज्य सरकार को देने की उम्मीद की है।

जैतू साव मठ में मनाया गया अक्षय नवमीं का पर्व

रायपुर/ नवप्रदेश। पुरानी बस्ती रायपुर स्थित जैतू साव मठ में अक्षय नवमी का पर्व हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार मठ मंदिर परिसर में स्थित आंवला वृक्ष के नीचे पुरानी बस्ती से आई हुई माताओं ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर पूजा अर्चना संपन्न किया। दोपहर 1:00 बजे राजेश्री महन्त रामसुन्दर दास जी महाराज एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री सतनारायण शर्मा जी कार्यक्रम में उपस्थित हुए। उन्होंने विधिवत पूजा अर्चना किया। माताओं ने मौली धागे की रस्सी आंवला वृक्ष पर लपेटते हुए परिक्रमा की। इस अवसर पर भगवान लक्ष्मी नारायण की विशेष पूजा अर्चना की गई। उन्हें ऋतु फल एवं नैवेद्य अर्पित किया गया।

राजेश्री महन्त जी महाराज ने अपने संदेश में कहा कि -जैतू साव मठ में आंवला नवमी का पर्व प्रत्येक वर्ष मनाया जाता है। इस वर्ष भी यह परंपरागत रूप से मनाया गया, इसे अक्षय नवमी के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन जो भी श्रद्धालु भक्तजन भगवान श्री हरि की पूजा अर्चना मन, वचन, एवं कर्म से सत्य निष्ठा पूर्वक करता है उन्हें भगवान की कृपा प्राप्त होती है, उनके सभी मनोकामना पूर्ण होते हैं। पूर्व कैबिनेट मंत्री शर्मा जी ने कहा कि- आंवला नवमी का त्यौहार पूरे छत्तीसगढ़ में सभी सनातन धर्म प्रेमी मनाते हैं।

इस दिन आंवला वृक्ष के नीचे भगवान श्री हरि की पूजा अर्चना करने का विशेष महत्व है। ट्रस्ट कमेटी के सचिव महेंद्र अग्रवाल एवं सदस्य अजय तिवारी जी ने भी लोगों को आंवला नवमी की शुभकामनाओं सहित बधाई दी है। इस अवसर पर सुरेश शुक्ला, चंद्रकांत यदु, देवाशीष मुखर्जी सहित अनेक गणमान्य नागरिक गण कार्यक्रम में सम्मिलित हुए।

श्रम विभाग अंतर्गत 25 वर्षों की विभागीय उपलब्धियां

सरकार के प्रयासों से श्रमिकों के जीवन में आ रहा है बदलाव

रायपुर/ नवप्रदेश। छत्तीसगढ राज्य स्थापना के समय 16 जिलों में से 09 जिलों में श्रम कार्यालय तथा 04 जिलों में औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा कार्यालय संचालित है। वर्तमान में राज्य के समस्त 33 जिलों में श्रम कार्यालय तथा 10 जिलों में औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा तथा वर्ष 2008 से रायपुर में इंडस्ट्रीयल हाईजिन लैब का राज्य स्तरीय कार्यालय प्रारंभ किया गया है। राज्य स्थापना के बाद से वर्ष 2008 में छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल तथा वर्ष 2011 में छत्तीसगढ़ असंगठित कर्मकार राज्य सामाजिक सुरक्षा मंडल का गठन किया गया है। उक्त मण्डलों में श्रमिकों के पंजीयन, नवीनीकरण तथा विभिन्न योजनाओं में आवेदन विभागीय पोर्टल/श्रमेव जयते मोबाईल ऐप के माध्यम से ऑनलाईन करने की सुविधा दी गयी है तथा विभिन्न योजनाओं में डी0बी0टी के माध्यम से श्रमिकों को लाभान्वित किया जा रहा है।

31 जुलाई, 2025 तक छ0ग0 श्रम कल्याण मंडल अंतर्गत 5लाख 41 हजार 920 संगठित श्रमिक, छ0ग0 भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मण्डल अंतर्गत 30 लाख 21 हजार 624 निर्माण श्रमिक तथा छ0ग0 असंगठित कर्मकार राज्य सामाजिक सुरक्षा मंडल अंतर्गत 17 लाख 12 हजार 074 असंगठित श्रमिक पंजीकृत हैं। इस प्रकार विभाग अंतर्गत संचालित मंडलों में कुल 52 लाख 75 हजार 618 संगठित, निर्माण, असंगठित श्रमिक पंजीकृत हैं। राज्य स्थापना के बाद से 57 लाख 24 हजार 745 श्रमिकों को 23 अरब 70 करोड 24 लाख 56 हजार 757 रूपये से लाभांवित किया गया।

छ.ग. श्रम कल्याण मंडल में 80 लाख 713 संगठित श्रमिक को 31 जुलाई, 2025 तक राशि रूपये 26 करोड 56 लाख 2 हजार 131 से, छ0ग0 भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मण्डल में 51 लाख 72, हजार 579 निर्माण श्रमिकों को राशि रूपये 19 करोड 82 लाख 69 लाख 48 हजार 448 तथा छ0ग0 असंगठित कर्मकार राज्य सामाजिक सुरक्षा मंडल में 4 लाख 71 हजार 453 अंगठित कर्मकारों को राशि रूपये 3अरब 60 करोड 99 लाख 06 हजार 178 से इस प्रकार राज्य स्थापना के बाद से कुल 57 लाख 24 हजार 745 श्रमिकों को राशि रूपये 23 अरब 70 करोड़ 24 लाख 56 हजार 757 (तेईस अरब सत्तर करोड़ चौबीस लाख छप्पन हजार सात सौ सात रूपये) से लाभांवित किया गया है।

श्रमिकों के हितलाभ संरक्षण, सहायता एवं उनके शिकायतों के निराकरण करने के लिए राज्य स्तर पर मुख्यमंत्री श्रमिक सहायता केन्द्र (रायपुर में 24×7 संचालित है। प्रत्येक जिले में जिला स्तरीय तथा समस्त विकासखंडों में मुख्यमंत्री श्रम संसाधन केन्द्र संचालित किया जा रहा है, जिसके माध्यम से 31 जुलाई 2025 तक 84 हजार 810 निर्माण श्रमिकों को पंजीयन एवं योजनाओं के आवेदन में सहयोग प्रदान किया गया है।

ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के अंतर्गत विभिन्न श्रम कानूनों के अंतर्गत कारखानों, दुकान व स्थापनाओं, ठेकेदारों आदि का पंजीयन, नवीनीकरण, संशोधन तथा विभाग अंतर्गत गठित मंडलों में श्रमिकों के पंजीयन, नवीनीकरण, संशोधन तथा योजनाओं हेतु आवेदन/स्वीकृति विभागीय वेब पोर्टल एवं श्रमेव जयते मोबाईल एप के माध्यम से ऑनलाईन की जा रही है। साथ ही विभिन्न श्रम अधिनियमों के अंतर्गत पंजियों/अभिलेखों को ऑनलाईन डिजिटल रूप में संधारित करने तथा एकीकृत वार्षिक विवरणी ऑनलाईन प्रस्तुत करने की सुविधा नियोजकों को प्रदान की गई है।

भारत सरकार कार्मिक, लोक शिकायत मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा छ0ग0 शासन श्रम विभाग को 2020-21 हेतु 'ई-श्रमिक सेवा' सहित सार्वभौमिक पहुंच हेतु 'ई-गवर्नेस के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार' रूपये 02 लाख पुरस्कार राशि के साथ गोल्ड पुरस्कार प्रदान किया गया।

प्रवासी श्रमिकों के हित संरक्षण, कल्याण एवं सामाजिक सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए विभिन्न विभागों के समन्वय से दिनांक 19 जुलाई 2021 से छ0ग0 राज्य प्रवासी श्रमिक नीति, 2020 लागू किया गया है, जिसमें पलायन पंजी के ऑनलाईन संधारण की व्यवस्था की गई है।

मुख्यमंत्री द्वारा की गई घोषणा एवं श्रम मंत्री के निर्देशानुसार पंजीकृत निर्माण श्रमिक परिवारों के बच्चों को उत्कृष्ट निजी शालाओं में निःशुल्क अध्ययन कराये जाने हेतु छ0ग0 भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल द्वारा 'अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना' 08.जनवरी 2025 से प्रारंभ की गई है। योजना के तहत मंडल में 01 वर्ष पूर्व पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के प्रथम 02 बच्चों को कक्षा 6 वीं में प्रवेश दिया जाकर कक्षा 12 वीं तक आवासीय विद्यालयों में वर्तमान में 100 श्रमिकों के बच्चों को विभिन्न विद्यालयों में प्रवेश दिया जाकर गुणवत्तायुक्त निःशुल्क शिक्षा प्रदान किया जा रहा है। निर्माण श्रमिकों के स्वयं के आवास क्रय एवं आवास निर्माण हेतु एक लाख रूपये एकमुश्त अनुदान सहायता राशि प्रदाय किया जा रहा है। 31 जुलाई 2025 तक 2 हजार 278 निर्माण श्रमिकों को नवीन आवास क्रय/आवास निर्माण हेतु अनुदान सहायता राशि प्रदाय किया जा चुका है।

शिकायतों के बाद भी नहीं सुधरी सफाई व्यवस्था मच्छरों का आतंक

रायपुर/ नवप्रदेश। राजधानी के कई वार्डों में नगर निगम की सफाई व्यवस्था पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गई है. वार्डवासियों का कहना है कि पिछले कई दिनों से नियमित रूप से कचरा संग्रहण और सफाई नहीं की जा रही, जिसके कारण गलियों और सड़कों पर गंदगी का अंबार लग गया है.

स्थानीय लोगों ने बताया कि निगम के सफाई कर्मी समय पर नहीं पहुंच रहे हैं. इसके चलते दुर्गंध फैलने के साथ ही मच्छरों का प्रकोप भी तेजी से बढ़ रहा है. लोगों ने शिकायत की कि सुबह और शाम कचरा वाहन कई इलाकों में नहीं आते, जिससे कचरे के डिब्बे दिन-ब-दिन भरते जा रहे हैं.

लोगों का कहना है कि डिब्बे खाली करने कोई नहीं आता, जिससे आसपास मवेशियों और आवारा जानवरों की भीड़ लग जाती है और बदबू से लोगों का जीना मुश्किल हो गया है. वार्डवासियों ने निगम में कई बार शिकायत दर्ज कराई, लेकिन सफाई की स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ.

स्थानीय नागरिकों ने नगर निगम से जल्द ही नियमित सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है ताकि मच्छरजनित बीमारियों और गंदगी से राहत मिल सके।

राज्य में कमिश्नर से लेकर शिक्षक के तबादले पर फरवरी तक लगी रोक

रायपुर/ नवप्रदेश। अब राज्य में कमिश्नर से लेकर शिक्षक तक के अमले पर फरवरी तक के लिए रोक लगा दी गई है। बहुत आवश्यक होने पर राज्य सरकार चुनाव आयोग से अनुमति लेकर तबादले कर सकेगी। ऐसा निर्वाचक नामावलियों का विशेष गहन पुनरीक्षण को देखते हुए प्रतिबंध लगाया गया है। यह निर्देश कार्यालय मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने जारी किया है। जारी निर्देश में जिन अधिकारियों-कर्मचारियों के स्थानांतरण पर रोक लगी हैं, उनमें... संभागायुक्त (रोल आर्जवर), कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी, उप जिला निर्वाचन अधिकारी, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, बूथ लेवल अधिकारी पर्यवेक्षक, बूथ लेवल अधिकारी व कार्य में लगे अन्य अधिकारियों/कर्मचारी शामिल हैं।

पटवारी संभालेंगे राज्योत्सव में पार्किंग की जिम्मेदारी

रायपुर/ नवप्रदेश। रायपुर में एक नवंबर से होने वाले राज्योत्सव में पटवारियों की ड्यूटी लगा दी गई है. 42 पटवारियों को पार्किंग व्यवस्था संभालने का जिम्मा दे दिया गया है. इधर समर्थन मूल्य पर धान खरीदी से पहले एग्रीस्टेक पोर्टल में पंजीयन के लिए अभी भी जूझना पड़ रहा है. दूसरी तरफ गिरदावरी में त्रुटि होने की भी लगातार शिकायतें आ रहीं हैं. ऐसे में किसानों की दिक्कतें बढ़ती जा रहीं हैं.

गिरदावरी में अभी 40 फीसदी से ज्यादा त्रुटि सुधार का काम बाकी है. एग्री स्टेक में 31 अक्टूबर को आवेदन करने की अंतिम बताई जा रही है. आकड़ों की बात करें अब तक एग्री स्टेक

पोर्टल में 1 लाख से ज्यादा किसान पंजीयन नहीं करा पाए हैं. इधर पंजीयन के लिए अब केवल 4 दिन का ही समय बाकी रह गया है. इसमें भी सरकारी छुट्टी और सर्वर की समस्या ने किसानों की समस्या बढ़ा दी है.

एग्री स्टेक पोर्टल में तकनीकी दिक्कतों और विकल्प नहीं होने से किसानों का पंजीयन नहीं हो सकेगा. आकड़ों के हिसाब से अभी गिरदावरी में त्रुटि सुधार का काम बाकी है. आवेदन के बाद मौके का निरीक्षण कर पटवारियों को त्रुटि सुधार का काम भी करना है. लेकिन इधर दो दिनों तक नया रायपुर में जिले के 42 पटवारियों की ड्यूटी पार्किंग में लगा दी गई है।

पीएम मोदी के दौरे पर सियासत

पीसीसी चीफ बैज ने पीएम से पूछे 21 सवाल

रायपुर/ नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ राज्योत्सव के अवसर पर 1 नवंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रायपुर के एकदिवसीय दौरे पर आने वाले हैं। उनके आगमन से पहले कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने प्रधानमंत्री से 21 सवालों की सूची जारी करते हुए कहा कि मोदी सरकार की गारंटी दम तोड़ चुकी है। क्या राज्योत्सव में इसका जवाब देंगे। इसके अलावा कांग्रेस ने रोजगार, किसानों, महिलाओं और कानून-व्यवस्था जैसे मुद्दों पर भी जवाब मांगा है।

कांग्रेस के 21 सवाल पीएम मोदी से, मोदी की गारंटी दम तोड़ चुकी है क्या आप राज्योत्सव में इसका जवाब देंगे? आपने 1 लाख युवाओं को नौकरी देने का वादा था, दो साल में 40 हजार नौकरी भी मिली नहीं। संविदा कर्मचारियों को 100 दिन में नियमितीकरण करने का वादा कब पूरा होगा? हर विवाहित महिला को महतारी वंदन के तहत 1000 रुपये प्रतिमाह देने का वादा था, काफी महिलाओं के नाम काटे गए, आपने 500 रुपये में सिलेंडर देने की बात कही थी? आपके राज में हत्या, लूट, बलात्कार, आगजनी बढ़ी, कानून-व्यवस्था चरमराई? छत्तीसगढ़ में बांग्लादेशी घुसपैठी आ रहे, पाकिस्तान से ड्रग्स आ रहे, इस पर लगाम क्यों नहीं? सेंट्रल पुल में चावल क्यों नहीं खरीदा जा रहा, सोसाइटियों में आज भी धान का उठाव नहीं? आपकी सरकार में साढ़े 18 लाख पीएम आवास दिए जाने की बात कही गई थी। शहरी और ग्रामीण कितने आवास स्वीकृत हुए? डिटेल बताएं?

जेस्ट फार्मा की ऑफ्लॉक्सासिन ऑर्निडाजोल टैबलेट पर सीजीएमएससी ने लगाई रोक

रायपुर/ नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेस कॉर्पोरेशन लिमिटेड (सीजीएमएससी) ने दवाओं की गुणवत्ता को लेकर एक महत्वपूर्ण आदेश जारी किया है। रायपुर स्थित ड्रग वेयरहाउस ने सभी प्रमुख शासकीय स्वास्थ्य संस्थानों को निर्देशित किया गया है कि ऑफ्लॉक्सासिन ऑर्निडाजोल टैबलेट के एक विशेष बैच का उपयोग तत्काल प्रभाव से रोक दिया जाए।

कॉर्पोरेशन ने बताया कि उक्त दवा की गुणवत्ता को लेकर कुछ प्राथमिक शिकायतें विभिन्न स्वास्थ्य संस्थाओं द्वारा संज्ञान में लाई गई थीं। मरीजों की सुरक्षा को सर्वोपरि मानते हुए, दवा के उपयोग पर अस्थायी रोक लगाई गई है। संबंधित बैच का निर्माण ज़ेस्ट फार्मा द्वारा जुलाई 2024 में किया गया था और इसकी अवधि समाप्ति जून 2026 है।

छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेस कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने रायपुर एवं बलौदाबाजार जिलों के अंतर्गत आने वाले सभी सरकारी अस्पतालों, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों, तथा शहरी हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर्स को तत्काल प्रभाव से इस बैच की दवाओं के वितरण और उपयोग पर रोक लगाने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही संबंधित दवाओं को ड्रग वेयरहाउस रायपुर में वापस भेजने के लिए कहा गया है। कॉर्पोरेशन ने स्पष्ट किया है कि रोक के बाद दवा के बैच का गुणवत्ता परीक्षण एवं तकनीकी परीक्षण किया जाएगा।

राजधानी में गौरवपथ-2 समेत कई प्रोजेक्ट्स को मिली मंजूरी

पचपेड़ी नाका से बूढ़ापारा चौक तक मिलेगी कनेक्टिविटी

रायपुर/ नवप्रदेश। राजधानी रायपुर में विकास की रफ्तार को और गति देने के लिए नगर निगम की सामान्य सभा में कई बड़े प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी गई है. इसमें पचपेड़ी नाका से टिकरापारा सिद्धार्थ चौक होते हुए बिजली ऑफिस चौक तक गौरवपथ-2 के निर्माण की स्वीकृति शामिल है. यह गौरवपथ शंकर नगर से कलेक्टोरेट चौक तक बने गौरवपथ की तर्ज पर विकसित किया जाएगा.

इसी के साथ तेलीबांधा चौक के पास एक आधुनिक टेक्निकल

टॉवर बनाया जाएगा, जहां युवाओं को एक ही जगह पर बैठकर काम करने की सुविधा मिलेगी. वहीं, महादेवघाट को कॉरिडोर के रूप में विकसित करने की योजना है, जिससे यह क्षेत्र न सिर्फ धार्मिक बल्कि पर्यटन की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण बन जाएगा.

निगम की सामान्य सभा में इन परियोजनाओं को मंजूरी दी गई, और जानकारी के अनुसार अगले महीने से इन पर कार्य शुरू हो जाएगा. आगामी एक से दो वर्षों में इन योजनाओं के पूरा होने पर रायपुर शहर के स्वरूप में बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा.

सभा के दौरान महापौर मीनल चौबे, सभापति सूर्यकांत राठौर, नेता प्रतिपक्ष आकाश तिवारी सहित सभी एमआईसी सदस्य और पार्षद मौजूद रहे.

पूर्व नेता प्रतिपक्ष संदीप साहू करीब 20 मिनट देरी से बैठक में पहुंचे. तब तक प्रश्नकाल शुरू हो चुका था और उनका नाम पहले ही पुकारा जा चुका था. जब वे पहुंचे तो अपनी बात रखने का मौका देने की मांग पर अड़ गए, जिस पर सभापति सूर्यकांत राठौर ने कहा कि प्रक्रिया आगे बढ़ चुकी है.महापौर मीनल चौबे ने कहा कि सभी प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित हुए हैं।

WWW.NAVPRADESH.COM

दैनिक
नव प्रदेश
आदित्यवर्णं तमसः परस्तात्
प्रदेश के साथ पूरा देश...

अंदर के पृष्ठों पर... 2 | राजधानी 4 | देश-विदेश 6 | अभिव्यक्ति 11 | कारोबार

बिलासपुर, शुक्रवार, 31 अक्टूबर 2025 शुक्ल पक्ष- दशमी, विक्रम संवत -2082 / वर्ष-11 अंक- 193 पृष्ठ-12 मूल्य-4 रुपए रायपुर, बिलासपुर, भोपाल, जबलपुर व रांची से एक साथ प्रकाशित

मेला स्थल में बनेगा पीएमओ कार्यालय,पीएम मोदी वहीं करेंगे लंच, एडीजी दीपांशु काबरा को सुरक्षा की जिम्मेदारी सौंपी गई

राज्योत्सव 2025: छत्तीसगढ़ के रजत जयंती वर्ष को भव्य बनाने की तैयारी पूर्ण

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के रजत जयंती वर्ष में आयोजित होने जा रहे राज्योत्सव 2025 को इस बार बेहद भव्य बनाने की तैयारी चल रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 1 नवंबर को नवा रायपुर में आयोजित मुख्य समारोह में शामिल होंगे। कार्यक्रम स्थल पर इस बार अस्थायी पीएमओ (प्रधानमंत्री कार्यालय) भी बनाया गया है, जहां से पीएम विजिट की मॉनिटरिंग की जाएगी। पीएम इसी अस्थाई कार्यालय में लंच भी लेंगे। बताया जा रहा है कार्यक्रम में करीब 1 लाख लोगों की भीड़ जुटेगी। इसकी जिम्मेदारी भाजपा नेताओं को दी गई है।

1 नवंबर से भारी वाहनों की नो एंट्री : 1 नवंबर को भारी वाहनों और बसों की नो-एंट्री रहेगी। आम लोगों के मार्ग भी बदले जाएंगे। प्रधानमंत्री का रूट एयरपोर्ट से सेक्टर-24, फिर श्रीसत्य साईं अस्पताल, विधानसभा भवन और ट्राइबल म्यूजियम तक रहेगा। एयरपोर्ट का मुख्य द्वार बंद रहेगा और यात्रियों को पुराने टर्मिनल से आवाजाही करनी होगी।

5 से अधिक आईजी, 12 डीआईजी और 2000 पुलिस जवान तैनात रहेंगे

राज्योत्सव स्थल बनेगा छत्तीसगढ़ की उपलब्धियों का दर्पण

मुख्यमंत्री साय ने नवा रायपुर स्थित राज्योत्सव स्थल का भी दौरा किया और तैयारियों की जानकारी ली। उन्होंने मुख्य मंच, पार्किंग क्षेत्र, विभागीय डोम, प्रदर्शनी दीर्घा, वीआईपी दीर्घा और आमजन के लिए बनाए गए मार्गों का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि राज्योत्सव छत्तीसगढ़ की उपलब्धियों, संस्कृति और आत्मविश्वास का उत्सव है, इसलिए यह आयोजन उत्कृष्टता की नई मिसाल बने। मुख्यमंत्री साय ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरे किए जाएं और सुरक्षा, स्वच्छता तथा आमजन की सुविधा से जुड़े सभी बिंदुओं पर विशेष ध्यान दिया जाए। इस अवसर पर वन मंत्री केदार कश्यप, मुख्य सचिव विकास शील, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध सिंह, प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा, पुलिस महानिदेशक अरुण देव गौतम, सचिव राहुल भगत सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे।

ट्राइबल म्यूजियम बनेगा जनजातीय अस्मिता का अमर प्रतीक : मुख्यमंत्री साय ने शहीद वीर नारायण सिंह स्मारक सह जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि यह संग्रहालय जनजातीय समाज की वीरता, बलिदान और अस्मिता का अमर प्रतीक बनेगा। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि संग्रहालय के प्रत्येक अनुभाग को इस प्रकार तैयार किया जाए कि वह आगंतुकों को छत्तीसगढ़ के जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम के गौरवशाली अध्याय से गहराई से परिचित करा सके। उन्होंने प्रदर्शनी दीर्घाओं, मल्टीमीडिया गैलरी, स्मृति कक्ष और बाहरी परिसर की व्यवस्थाओं की भी समीक्षा की। राज्य ■ शेष पृष्ठ 6 पर

मुख्यमंत्री साय ने विभिन्न स्थलों का किया निरीक्षण

मुख्यमंत्री साय ने सबसे पहले नवा रायपुर स्थित श्री सत्य साईं हॉस्पिटल का निरीक्षण किया। उन्होंने कार्यक्रम की रूपरेखा, सभागार व्यवस्था, मंच और आमंत्रित अतिथियों के बैठने की व्यवस्था का जायजा लिया। इसके पश्चात मुख्यमंत्री साय प्रजापिता ब्रह्मकुमारी ध्यान केंद्र पहुंचे, जहां उन्होंने प्रधानमंत्री के प्रस्तावित कार्यक्रम की बिंदुवार समीक्षा की। उन्होंने ध्यान केंद्र के सभागार, मेडिटेशन रूम एवं बाहरी परिसर का निरीक्षण करते हुए सभी व्यवस्थाओं को समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए।

शिल्पग्राम में झलकेगी लोकसंस्कृति की पहचान

राज्योत्सव मेला ग्राउंड के दूसरे हिस्से में शिल्पग्राम और प्रदर्शनी क्षेत्र का निर्माण किया जा रहा है। यहां प्रदेश के कई जिलों से आए शिल्पकार अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे और हस्तशिल्प उत्पादों की बिक्री भी कर सकेंगे। शिल्पग्राम में प्रवेश से लेकर निकास तक आगंतुकों को छत्तीसगढ़ की समृद्ध संस्कृति और परंपरा की झलक देखने मिलेगी। नवा रायपुर की दिशा से आने वाले दर्शक पहले गेट से सीधे शिल्पग्राम में प्रवेश कर पाएंगे।

फन पार्क बनेगा आकर्षण का केंद्र

राज्योत्सव में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ-साथ फन पार्क और मीनाबाजार दर्शकों के लिए मुख्य आकर्षण रहेंगे। फन पार्क में मनोरंजक गेम जोन बनाए गए हैं, जबकि मीनाबाजार में पारंपरिक झूले और खेलों का आनंद लिया जा सकेगा। दर्शकों की सुविधा के लिए इनके समीप फूड कोर्ट तैयार किया गया है, जहां लोग स्थानीय और पारंपरिक व्यंजनों का स्वाद ले सकेंगे।

पीएम मोदी का मिनट-टू-मिनट कार्यक्रम (1 नवंबर 2025)

- सुबह 9:40 बजे रायपुर एयरपोर्ट पहुंचेंगे
- 10:00 – 10:35 बजे श्री सत्य साईं हॉस्पिटल में चिल्ड्रन की बातचीत
- 10:45 – 11:30 बजे ब्रह्माकुमारी शांति शिखर भवन का उद्घाटन
- 11:45 – 12:10 बजे अटल बिहारी वाजपेयी प्रतिमा का अनावरण
- 12:15 – 1:15 बजे विधानसभा भवन का लोकार्पण
- 1:30 – 2:15 बजे आदिवासी म्यूजियम का उद्घाटन
- 2:30 – 4:00 बजे राज्योत्सव 2025 का शुभारंभ
- शाम 4:25 बजे नई दिल्ली के लिए प्रस्थान

पीएम साढ़े तीन लाख परिवारों को देंगे घर की चाबी

इस बार राज्योत्सव में पीएम मोदी प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत साढ़े तीन लाख परिवारों को घर की चाबी सौंपेंगे। साथ ही करीब 1250 करोड़ रुपए हितग्राहियों के खातों में अंतरित करेंगे। बस्तर, सरगुजा और अन्य जिलों के 5 से 10 हितग्राहियों को प्रधानमंत्री मंच से खुद चाबी प्रदान करेंगे।

सुरक्षा और यातायात व्यवस्था सख्त

प्रधानमंत्री की सुरक्षा के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं। एडीजी दीपांशु काबरा को सुरक्षा की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उनके साथ 5 से अधिक आईजी, 12 डीआईजी, और करीब 2000 पुलिस जवान तैनात रहेंगे। 29 अक्टूबर से फोर्स नवा रायपुर में तैनाती कर दी गई है।

30 स्टॉलों में सरकारी योजनाओं की झलक

राज्योत्सव के दौरान छत्तीसगढ़ शासन की अलग-अलग योजनाओं और उपलब्धियों को दर्शाने के लिए 30 आकर्षक स्टॉलों की प्रदर्शनी लगाई जा रही है। इनमें सभी प्रमुख विभागों की योजनाएं प्रदर्शित होंगी। कार्यक्रम स्थल पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और संबंधित विभागीय मंत्रियों के बड़े कटआउट्स भी लगाए जाएंगे। सरकारी विभागों के साथ-साथ निजी व व्यवसायिक संस्थानों के स्टॉल भी आम जनता के लिए जानकारी का केंद्र बनेंगे, जहां लोग राज्य सरकार की योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी ले सकेंगे।

आज बेबाक

कहते हैं न कि चोर चोरी से जा सकता है लेकिन हेरा फेरी करने से बाज नहीं आ सकता। पाकिस्तान के सिर पर भारत ने आपरेशन सिंदूर पार्ट-2 की तलवार लटका रखी है इसलिए उसने अब बांग्लादेश के कंधे पर बंदूक रखकर भारत पर निशाना साधने की कवायद तेज कर दी है। मुंबई हमले का मास्टर माइंड कुख्यात आतंकवादी हाफिज सईद जो पाकिस्तान में कहीं दुम दबाकर बैठा हैं। उसने बांग्लादेश में आतंकी संगठन को खड़ा करने की तैयारी शुरू कर दी है। ऐसा लगता है कि अब पाकिस्तान की तरह बांग्लादेश की भी शामत आने वाली है।

प्राथमिक रिपोर्ट में एयर इंडिया के ऑपरेशन में नहीं मिला कोई फॉल्ट

नई दिल्ली (आईएएनएस)। एयर इंडिया के प्रबंधक निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) कैंपबल विल्सन ने कहा कि एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो (एएआईबी) की प्राथमिक रिपोर्ट में एआई-171 क्रैश में एयरलाइन के परिचालन करने के तरीके में कोई खराबी नहीं मिली है। एविएशन इंडिया 2025 समिट में बोलते हुए विल्सन ने कहा कि जुलाई

गरमा-गरम

माओवादियों में फूट: चंद्रन्ना के बयान को ओएससी ने किया खारिज

पत्र जारी कर कहा- देवजी नहीं बना है महासचिव

जगदलपुर /नवप्रदेश । नक्सल संगठन के महासचिव रहे बसवराजू की मौत के बाद महासचिव के पद को लेकर कोई भी बैठक आयोजित नहीं की गई है, जिस कारण यह पद किसी को नहीं दिया जा सका है। देवजी के नाम की कोई चर्चा ही नहीं हुई और ना ही उसे महासचिव बनाया गया है, यह पूरी तरह से गलत है। ओडिशा राज्य कमेटी (ओएससी) के अधिकार प्रतिनिधि, गणेश ने पत्र जारी कर यह बात कही है।

बता दें कि फोर्स के एंटी नक्सल ऑपरेशन को लेकर नक्सलियों की ओर से बौखलाहट देखी जा रही है। बसवराजू की मौत के बाद केंद्रीय कमेटी की बैठक आयोजित करने के लिए कोई परिस्थिति ही नहीं बन पाई है। कामरेड चंद्रन्ना ने बयान में कहा था कि कामरेड देवजी को महासचिव चुना गया है, जिसे अब ओडिशा राज्य कमेटी ने गलत करार दिया है। साथ ही आत्मसमर्पण कर चुके चंद्रन्ना पर नक्सलियों के द्वारा झूठा प्रचार और कपटपूर्ण बयान देने का आरोप भी लगाया है। केंद्रीय कमेटी सदस्य और तेलंगाना राज्य कमेटी के सचिव ■ शेष पृष्ठ 6 पर

ओडिशा राज्य कमेटी ने कही यह बात

ओडिशा राज्य कमेटी की ओर से जारी पत्र में कहा गया है कि पिछले दो वर्षों में उनकी पार्टी को गंभीर भौतिक नुकसान हुआ है। इससे उबरने के लिए, आंदोलन को आगे बढ़ाने के लिए वह आगे भी कोशिश जारी रखेंगे।

बिरसा मुंडा की जयंती पर मनाएंगे जनजातीय गौरव दिवस: सीएम साय

कार्यक्रम में राष्ट्रपति हो सकती हैं शामिल

रायपुर/नवप्रदेश । भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित कार्यशाला में सीएम विष्णुदेव साय ने कहा, 15 नवंबर को भगवान बिरसा मुंडा की जयंती है। इस अवसर पर जनजातीय गौरव दिवस मनाएंगे। इस दिन भव्य कार्यक्रम का आयोजन होगा। हमने राष्ट्रपति को भी आमंत्रित किया है। मुझे विश्वास है कि राष्ट्रपति राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू कार्यक्रम में शामिल होंगी।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा है कि मार्च 2026 में नक्सलवाद खत्म होगा। इस पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा, हमारी सरकार बनने के बाद लगातार सफलता मिली है। लगातार नक्सली न्यूट्रलाइज किए जा रहे हैं। बड़े पैमाने पर नक्सलियों ने सरेंडर भी किया है। मुझे विश्वास है कि प्रधानमंत्री, गृहमंत्री का लक्ष्य जरूर पूरा होगा।

नालंदा में बोले राहुल गांधी, सीएम नीतीश का रिमोट कंट्रोल पीएम मोदी के पास है

बिहारशरीफ, (आईएएनएस)। बिहार विधानसभा चुनाव प्रचार में गुरुवार को लगातार दूसरे दिन लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी उतरे। यहां उन्होंने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के गृह जिले नालंदा में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए एनडीए सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का रिमोट कंट्रोल पीएम नरेंद्र मोदी के पास है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि आज बिहार की सरकार पीएम मोदी, गृहमंत्री अमित शाह और नागपुर से चल रही है। ■ शेष पृष्ठ 6 पर

हमारे पास ब्लू इकोनॉमी ग्रोथ के लिए एक एंबिशियस विजन : पीएम मोदी

नई दिल्ली (आईएएनएस)। पीएम मोदी ने मैरीटाइम लीडर्स कॉन्क्लेव को संबोधित करने के बाद गुरुवार को निवेशकों को भारत में निवेश करने के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने कहा कि वे पूरे विश्वास के साथ कह सकते हैं कि भारत निवेश के लिए एक सही स्थान है।

उन्होंने अपनी बात पर जोर देते हुए कहा, हमारे पास वर्ल्ड-क्लास पोर्ट्स, एक लंबी कोस्टलाइन, स्ट्रेटेजिक ग्लोबल ट्रेड रूट्स और इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ इनोवेशन और इरादा है। हमारे युवाओं की वजह से हमारा इकोसिस्टम इनोवेशन के लिए पूरी तरह तैयार है। आइए, हमारे साथ जुड़िए! पीएम मोदी ने कहा कि हमारे पास ब्लू इकोनॉमी ग्रोथ के लिए एक एंबिशियस विजन है।

उन्होंने सोशल नेटवर्किंग सर्विस प्लेटफॉर्म लिंक्डइन पर एक पोस्ट में इंडिया मैरीटाइम वीक 2025 को लेकर जानकारी देते हुए बताया कि वे इस कार्यक्रम का हिस्सा बने। उन्होंने बताया कि वे कई बड़े सीईओ से मिले और इस सेक्टर के बड़े स्टेकहोल्डर्स से बात की। देश के मैरीटाइम सेक्टर को लेकर उन्होंने कहा कि पिछले 11 वर्षों में इंफ्रास्ट्रक्चर, ■ शेष पृष्ठ 6 पर

एक्शन में एसीबी-ईओडब्ल्यू

बुधराम धीवर ने बिलासपुर एसीबी इकाई में 16 अक्टूबर को की थी शिकायत

एसीबी का एसडीएस कार्यालय में छापा

■ रिश्वत लेते अमीन पटवारी और कंप्यूटर ऑपरेटर पकड़ाए

जांजगीर /नवप्रदेश । एसीबी / ईओडब्ल्यू ने आज चांपा एसडीएम कार्यालय में छापा मारकर भू-अर्जन शाखा के अमीन पटवारी और एक कंप्यूटर ऑपरेटर को किसान से रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़ा। भू-अर्जन की राशि भुगतान के एवज में किसान से रिश्वत के तौर पर 1 लाख 80 हजार रुपए ले रहे थे।

जानकारी के अनुसार, जिला सक्ती के ग्राम रायपुरा निवासी बुधराम धीवर ने बिलासपुर एसीबी इकाई में 16 अक्टूबर को शिकायत की थी। उसने बताया कि उसकी तथा उसके बहन के नाम की ग्राम कोसमंदा, जिला जांजगीर स्थित जमीन का नेशनल हाइवे निर्माण के लिए अधिगृहण किया गया था. उन्हें कुल 35 लाख 64 हजार 099 रुपए मुआवजा के रूप में चांपा एसडीएम कार्यालय से भू-अर्जन अधिकारी द्वारा उसके तथा उसके बहन के संयुक्त बैंक खाते में अगस्त 2025 में भुगतान किया गया था।

राशि भुगतान के बाद एसडीएम कार्यालय चांपा के भू-अर्जन शाखा के अमीन पटवारी बाबू बिहारी सिंह और ऑपरेटर राजकुमार उससे मुआवजा राशि निकलवाने में मदद के नाम पर 1 लाख 80 हजार रुपए रिश्वत की मांग की जा रही है, जो वह उन लोगों को नहीं देना चाहता, बल्कि उन्हें रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़वाना चाहता है। शिकायत सही पाए जाने ■ शेष पृष्ठ 6 पर पर एसीबी

ठेकेदार से बिल पास कराने मांगी थी घूस

मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर / नवप्रदेश । लोक निर्माण विभाग के सब इंजीनियर सी.पी. बंजारे को एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम ने रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है. आरोप है कि बंजारे ठेकेदार अंकित मिश्रा से बिल पास करने के एवज में 21,000 की रिश्वत मांग रहे थे। अंबिकापुर एसीबी की टीम ने बुधवार को यह कार्रवाई की, जिसके बाद आरोपी के घर पर भी तलाशी जारी है।

ठेकेदार की शिकायत पर बिछाया गया जाल : जानकारी के मुताबिक, ठेकेदार अंकित मिश्रा ने विभाग का कार्य ■ शेष पृष्ठ 6 पर

जो लोग आस्था का सम्मान नहीं कर सकते वे आस्था स्थलों का विकास नहीं कर सकते: पीएम

छपरा (आईएएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को अयोध्या में भव्य राम मंदिर निर्माण की चर्चा करते हुए राजद और कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि राजद और कांग्रेस वालों को विदेश जाने की फुर्सत है, लेकिन इन्हें राम मंदिर दर्शन जाने के लिए फुर्सत नहीं है। छपरा में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि जो लोग आपकी आस्था का सम्मान नहीं कर सकते, वे लोग आस्था स्थलों का विकास नहीं कर सकते। राजद और कांग्रेस ने छठी मैया का अपमान किया है। उन्होंने कहा कि 500 साल के इंतजार और अविरत संघर्ष के बाद जब अयोध्या में भव्य राम मंदिर बना, तब प्रभु श्रीराम के दर्शन के लिए लाखों लाख लोग अयोध्या चल पड़े, लेकिन कांग्रेस और राजद के नेताओं को राम मंदिर के निर्माण से भी परेशानी है। कांग्रेस और राजद वालों को अयोध्या जाते नहीं देखा। पीएम मोदी ने कहा, उन्हें (कांग्रेस-राजद) डर है ■ शेष पृष्ठ 6 पर

मैथिली ठाकुर के लिए शॉर्टकट में 'इमोशन गेम'

पटना/ए.। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में भावनात्मक कनेक्शन का बोलबाला है। मिथिलांचल में पाग, पान, माछ और मखाना के जरिए सम्मान के अनेक रूप दिखते हैं तो भोजपुरिया इलाके में गमछे से सम्मानित कर खुद को लोगों के करीब लाने का प्रतीक बन गया है। यह ऐसा चुनावी हथकंडा है जहां अपना दायरा बढ़ाने का खेल चुनावी आचारसंहिता के उल्लंघन बगैर खेला जाता है। चुनाव के वक्त या दलों के शीर्ष नेताओं के द्वारा चादरपोशी कर अपने संपर्क का विस्तार करना ही है। और जिस दल का जितना विस्तार है वह उतना ही मजबूत है।

समस्त मिथिलांचल की संस्कृति से जुड़ कर पीएम मोदी अपना राजनीतिक दायरा भी बढ़ा गए। इस दायरे को तब और विस्तार मिला जब इन मिथिलांचल के प्रतीकों को वैश्विक बनाने में केंद्रीय योजना का जिक्र किया गया। मखाना को जीआई टैग मिलने का जिक्र उपलब्धि के रूप में पीएम मोदी अपनी हर जनसभा में करते भी हैं। ऐसा नहीं कि मिथिलांचल के इन प्रतीकों का इस्तेमाल केवल चुनाव के दौरान ही होता है। सम्मान के ये सारे प्रतीक अन्य आयोजनों में भी इस्तेमाल किए जाते हैं। चुनाव में भावनात्मक टच कोई नया खेल नहीं है। हां,समय के साथ इसमें बहुत जोड़-घटाव हो गए हैं। यह मिथिलांचल हो या भोजपुरिया या फिर कोई अन्य इलाका, जहां सम्मान दे कर अपनी गोटी सेट करनी हो तो उसके अलग अलग तरीके हैं और अलग अलग अंदाज भी। मिथिलांचल में इस सम्मान के साथ जोड़ने का चलन कुछ ज्यादा ही है। यह चुनाव के दौरान वोट को जोड़ने का साधन जरूर बनता है पर सामान्य दिनों में ये व्यक्ति से व्यक्ति को जोड़ने के भी काम आते हैं। यह दीगर कि चुनाव में ये प्रचलन कुछ ज्यादा ही बढ़ जाता है। चुनावों में भावनात्मक टच का उपयोग मतदाताओं के साथ व्यक्तिगत संबंध बनाने और उन्हें मतदान के लिए प्रेरित करने के लिए किया जाता है, जिसमें लोकलुभावन और भावनात्मक अपीलें शामिल होती हैं।

पहली बार चुनाव लड़ रही हैं मैथिली ठाकुर

मैथिली कुछ दिनों पहले भाजपा में शामिल हुई और चुनाव के लिए पार्टी ने 71 उम्मीदवारों की जो पहली सूची जारी की, उसमें उनका नाम था। मैथिली का यह पहला चुनाव है। राजनीति और चुनाव से उनका अब तक कोई नाता नहीं रहा है लेकिन टिकट मिलने के बाद उन्होंने अलीनगर का विकास करने और इसका नाम बदलकर सीतानगर करने की बात कही है। हालांकि, अलीनगर का नाम बदलने वाले उनके बयान पर विवाद भी हुआ।

कभी-कभी दांव उल्टा भी पड़ जाता है

सांस्कृतिक प्रतीकों का बेजा इस्तेमाल कभी-कभी गले की फांस भी बन जाता है। अलीनगर विधानसभा की भाजपा उम्मीदवार और लोकगायिका मैथिली ठाकुर के साथ भी कुछ ऐसा ही हुआ। मैथिली ठाकुर के समर्थन में आयोजित कार्यक्रम में उत्तरप्रदेश के बलिया की बीजेपी विधायक केतकी सिंह ने यह कह कर हंगामा खड़ा कर दिया कि मिथिला की पहचान और सम्मान ये पाग नहीं मैथिली ठाकुर है। यह कहते हुए भाजपा की महिला विधायक ने पाग को सामने टेबल पर फेंक दिया। इस घटना से वहां उपस्थित कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों में भी नाराजगी फैल गई। बात यहीं तक नहीं रही, इसके बाद एक वीडियो वायरल हुआ कि बीजेपी प्रत्याशी मैथिली ठाकुर वोटरों से बातचीत करते वक्त मिथिला के सम्मान पाग को कटोरा बनाकर उसमें मखाना खाते दिखी। इस से मिथिला प्रेमियों की नाराजगी और बढ़ गई।

समस्तीपुर में पीएम मोदी को मखाने की माला

समस्तीपुर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जब आगमन हुआ तो उनके सम्मान में उन्हें पाग ,मखाने की माला, सूर्य की मूर्ति और मिथिला पेंटिंग से सम्मानित कर उन्हें मिथिलांचल संस्कृति से जोड़ा गया। इसके बाद पीएम मोदी ने अपने भाषण के दौरान पाग,मखाना और माछ का जिक्र कर मिथिलावासियों का आभार प्रकट किया।

गांधी जी के परपोते ने किया कम्युनिस्ट पार्टी का समर्थन

पटना/ए.। महात्मा गांधी के परपोते तुषार गांधी ने बिहार में बदलाव का आह्वान किया है और आगामी विधानसभा चुनावों में सीपीआई के उम्मीदवार गौरेंद्र गुप्ता का समर्थन करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि यह बदलाव चंपारण से शुरू होना चाहिए, जो वह भूमि है जहां से महात्मा गांधी ने ऐतिहासिक सत्याग्रह की शुरुआत की थी। तुषार गांधी ने राज्य सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि पिछले 20 सालों से 'डबल-इंजन' सरकार सिर्फ बातें कर रही है और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सत्ता में बने रहने के लिए दल बदलते रहते हैं। उन्होंने तेजस्वी यादव के हर घर में एक नौकरी देने के वादे को विश्वसनीय बताया और महागठबंधन की जीत पर जोर दिया। तुषार गांधी ने कहा कि सिर्फ 'वोट चोर, गद्दी छोड़' जैसे नारे काफी नहीं हैं। उन्होंने कहा कि जिस भूमि ने उनके परदादाओं को प्रेरित किया, उसे अब भगत सिंह की भावना से क्रांति लानी चाहिए।

अमित शाह पर निशाना

तुषार गांधी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधते हुए उनके उस बयान को 'विभाजनकारी' बताया, जिसमें उन्होंने कथित तौर पर मुसलमानों को 'गद्दार' कहा था। उन्होंने कहा कि अमित शाह कहते हैं कि उन्हें 'गद्दारों' का वोट नहीं चाहिए, लेकिन नीतीश कुमार मुसलमानों से वोट तो मांगते हैं, पर जब उनके अधिकारों का हनन होता है तो चुप रहते हैं। उन्होंने वक्फबोर्ड जैसे मुद्दों और एसआईआर में महिलाओं के नाम मतदाता सूची से हटाए जाने पर भी नीतीश कुमार की चुप्पी की आलोचना की।

आरजेडी-कांग्रेस की 5 पहचान कट्टा, क्रूरता, कटुता, कुशासन और करप्शन : पीएम मोदी

पटना/ए.। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुजफ्फरपुर की जनसभा में कहा कि आपकी इतनी भीड़ बता रही है कि इस बार फिर से एनडीए सरकार आने वाली है। बिहार में फिर से सुशासन सरकार आएगी। छठ महापर्व के बाद यह मेरी पहली जनसभा है। छठ महापर्व बिहार और देश का गौरव है। देश और दुनिया में छठ महापर्व मनाया जाता है। हमलोग छठ की गीत सुनकर भावविभोर हो जाते हैं। छठी मैया में मां की भक्ति, समता, ममता और सामाजिक समरसता है। छठ महापर्व को मानवता के महापर्व के रूप में मनाते हैं। हमलोग कोशिश कर रहे हैं कि यूनेस्को की विश्व विरासत की सूची में छठ महापर्व शामिल हो। यह सूची बड़ी जांच पड़ताल और लंबी प्रकिया के बाद यह सूची बनती है। हमारी सरकार कोशिश कर रही है कि यूनेस्को की इस सूची में छठ महापर्व का नाम शामिल हो। अगर ऐसा होता तो हर बिहारियों को गर्व होगा।

'राजद के नेता अपने साथियों के साथ मिलकर शोरूम ही लूट लेते थे'

राजद और कांग्रेस की जा रही हार होने

पीएम मोदी ने कहा कि राजद और कांग्रेस का झगड़ा आज की असली खबर है। अब इनका रिश्ता तेल और पानी की तरह हो चुका है। बिहार में हर तरफसे खबरें आ रही हैं कि कैसे राजद और कांग्रेस के कार्यकर्ता एक-दूसरे से दुश्मनी निकाल रहे हैं। जमानत पर चल रहे दोनों युवराजों ने बुधवार को यह दिखाने की कोशिश की कि उनके बीच मनमुटाव नहीं है। इन्हें जो चीज एक साथ ले आई है, वो है सत्ता का लालच। इन्हें किसी भी तरह बिहार की सरकार पर कब्जा करना है। ताकि यह लोग फिर से बिहार को लूट सकें। फिर से जंगलराज वापस ला सकते हैं। आप बताइए क्या आप जमानत पर निकले इन दो युवराजों को बिहार लूटने देंगे क्या? साथियों आज हर सर्वे में एक बात खुलकर सामने आ रही है कि इस चुनाव में राजद और कांग्रेस की सबसे बड़ी हार होने जा रही है। सारे सर्वे बता रहे हैं कि एनडीए की सबसे बड़ी जीत होने जा रही है।

'राजद और कांग्रेस वाले बहन-बेटियां को उठाने की धमकियां दे रहे हैं'

पीएम मोदी ने कहा कि राजद के शासनकाल में करीब 40 हजार अपहरण हुए। राजद को न तब फर्क पड़ता था और न आज आपके सुख दुख से लेना देना है। राजद-कांग्रेस के ताजा प्रचार से ही उनकी नीयत का पता चलता है। चुनाव प्रचार में इनकी बेशर्मी और इनकी हिम्मत देखिए कि यह लोग जनसभा में कैसे बज रहे हैं? इनके गानों में कट्टा, दोनाली, छुरा का जिक्र रहता है। मैं तो ऐसा सोच भी नहीं सकता। इनकी सोच का यह सब प्रतिबिंब है। राजद और कांग्रेस वाले बहन-बेटियों को उठाने की धमकियां दे रहे हैं। यह खेल चल रहा है। यह लोग बिहार की जनता को डरा धमका रहे हैं। इसलिए बिहार की धरती से इन्हें उखाड़ फेंक देना चाहिए।

पीएम मोदी ने कहा कि आजकल पूरा बिहार जीएसटी बचत उत्सव मना रहा है। पूरे देश भर लोग खुश हैं। लेकिन, जंगलराज में यह संभव नहीं था। जंगलराज में गाड़ियों की दुकानें बंद हो गई थीं। यह इसलिए बंद हो गए थे क्योंकि राजद के नेता अपने साथियों के साथ मिलकर शोरूम ही लूट लेते थे। अगर किसी ने नई गाड़ी खरीदी हो तो उसके पीछे राजद के गुंडे लग जाते थे। ऐसे जंगलराज में कोई अपनी पूंजी नहीं लगाता। राजद और कांग्रेस के ऐसे ही कुकर्मों ने लाखों नौजवानों को बेरोजगार कर दिया। पलायन करने पर मजबूर कर दिया। मुजफ्फरपुर के लोग राजद सरकार में हुए गोलू अपहरण कांड को कभी नहीं भूल सकते हैं। इसी शहर में साल 2001 में स्कूल जाते एक बच्चे का अपराधियों ने दिनदहाड़े अपहरण कर लिया। बदले में लाखों रुपये मांगे। जब उन्हें रुपये नहीं मिले तो गोलू के टूकड़े कर दिए। बेरहमी से उन्हें मार दिया गया। पूरे बिहार में जंगल राज में आए दिन ऐसी घटनाएं होती थी।

पीएम मोदी ने कहा कि हमारा बिहार स्वाभिमान की धरती है। जिन लोगों ने छठ पूजा को गाली देने का काम किया है। बिहार ऐसे लोगों को कभी माफ नहीं करेगा।

कांग्रेस और राजद के लोग छठी मैया का अपमान कर रहे हैं

पीएम मोदी ने कहा कि आपने देखा है कि आपका बेटा तो छठी मैया का जय जयकार पूरी दुनिया में कराने में लगा है। वहीं दूसरी तरफ कांग्रेस और राजद के लोग छठी मैया का अपमान कर रहे हैं। आप मुझे बताइए क्या कोई कभी चुनाव में वोट के लिए छठी मैया का अपमान कर सकता है? क्या बिहार यह अपमान सहन करेगा? राजद और कांग्रेस वाले कैसी बेशर्मी से बोल रहे हैं? उनके लिए छठी मैया की पूजा नौटंकी और ड्रामा है। वह छठी मैया का अपमान कर रहे हैं। सैकड़ों वर्षों तक इस अपमान को छठी मैया का पूजा करने वाला नहीं भूलेगा।

'छठ मईया और मोदी का अपमान, भुगतोगे': शाह

पटना/ए.। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने बुधवार को कहा कि राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की छठ मईया के प्रति भक्ति को नाटक बताकर छठी मईया के सभी भक्तों का अपमान किया है और कांग्रेस नेता राहुल गांधी के साथ महागठबंधन को बिहार चुनाव 2025 में इसका बड़ा खामियाजा भुगतना होगा। अमित शाह ने समाचार चैनल के साथ एक इंटरव्यू में कहा कि पूरा देश छठ मईया की आराधना करता है, श्रद्धापूर्वक अर्घ्य देता है और छठ पर्व के दिन प्रसाद भी ग्रहण करता है। उन्होंने कहा, 'राहुल जी ने चुनावों में मोदी जी का विरोध करते हुए और उनका अपमान करते हुए, अंततः छठी मईया का ही अपमान कर दिया। उन्हें इसकी जानकारी नहीं है।' क्या कहा था राहुल गांधी ने मोदी पर तीखा हमला बोलते हुए गांधी ने बुधवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री वोट के लिए कुछ भी कर सकते हैं, यहां तक मतदाताओं द्वारा कहने पर नाच भी सकते हैं। बिहार में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा, 'अगर मोदी जी ड्रामा करना चाहते हैं, छठ पूजा का ड्रामा करना चाहते हैं, तो पानी आएगा,।

चुनाव में भुगतना होगा खामियाजा

राहुल गांधी की टिप्पणी पर एक सवाल का जवाब देते हुए शाह ने कहा, 'अगर मोदी जी छठ के त्योहार का सम्मान करते हैं और उन्हें (राहुल गांधी) यह नौटंकी लगता है, तो राहुल जी मोदी जी का अपमान नहीं कर रहे हैं। राहुल जी ने छठ मईया के सभी भक्तों, बिहार और पूर्वांचलियों का अपमान किया है। और मेरा मानना है कि बिहार चुनाव में उन्हें इसका बड़ा खामियाजा भुगतना होगा।' शाह ने कहा कि जब भी कांग्रेस मोदी का अपमान करने के लिए निम्न स्तर पर उतरी है, उस कीचड़ से कमल बहुत अच्छी तरह खिला है।

'सभ्य समाज में अमर्यादित भाषा अस्वीकार्य', राहुल के बयान पर रिजिजू ने किया पलटवार

नई दिल्ली (आईएएनएस)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और छठ पूजा को लेकर दिए गए बयान पर केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने पलटवार किया है। रिजिजू ने कहा कि सभ्य समाज में गंदी भाषा कभी स्वीकार नहीं की जा सकती है।

आईएएनएस से बातचीत में उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने एक बार फिर प्रधानमंत्री के बारे में ऐसी टिप्पणी की है, जिससे कांग्रेस के सदस्य भी शर्मिंदा हैं। उनके द्वारा इस्तेमाल किए गए शब्दों से उनकी अपनी पार्टी को बहुत नुकसान हुआ है। कांग्रेस में अच्छे लोग भी शर्मिंदा हैं, क्योंकि किसी भी जिम्मेदार नेता को ऐसी भाषा का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी राहुल गांधी से परेशान हो चुकी है। कांग्रेस में कुछ अच्छे लोग भी हैं, जो यह जानते हैं कि राहुल गांधी जब भी मुंह खोलते हैं, कांग्रेस पार्टी को नुकसान कराते हैं। देश तो प्रगति के पथ पर आगे बढ़ रहा है, लेकिन राहुल गांधी अपने बयानों से कांग्रेस को धूमिल करने का लगातार काम कर रहे हैं।

शिवसेना प्रवक्ता शाइना एनसी ने भी राहुल गांधी के बयान पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी एक बच्चे हैं और नाचने-गाने से ऊपर उनकी सोच नहीं है।

जनता उन्हें दोबारा सत्ता में आने का मौका नहीं देगी

मीडिया से बातचीत के दौरान केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कांग्रेस नेता इस तरह की बातें करते हैं कि देश की जनता उन्हें दोबारा सत्ता में आने का मौका नहीं देगी। कांग्रेस पार्टी एक विचारधारा विहीन पार्टी और ऐसी गंदी भाषा का इस्तेमाल करने वाले नेताओं को सभ्य समाज में स्वीकार नहीं किया जा सकता। भारत की जनता इस तरह के व्यवहार को कभी स्वीकार नहीं करेगी।

लालू-नीतीश ने बिहार को बना दिया मजदूरों की फैक्टरी

दरभंगा/ए.। जन सुराज अभियान के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने गुरुवार को दरभंगा जिले के गौड़ाबौराम विधानसभा क्षेत्र के बिरौल स्थित खौराघाट स्टेडियम में आयोजित बिहार बदलाव सभा में लोगों को संबोधित किया। बिहार बदलाव यात्रा के तहत यह सभा उनके चुनाव प्रचार के अंतिम चरणों में से एक रही। इस दौरान मैदान में भारी भीड़ उमड़ी और भाषण के दौरान बदलाव चाहिए के नारे गूंजते रहे।

सभा में प्रशांत किशोर ने जन सुराज के स्थानीय प्रत्याशी डॉ इफ्तेखार आलम के समर्थन में वोट की अपील की। उन्होंने कहा कि अब बिहार को नीतीश, लालू और मोदी जैसे नेताओं से छुटकारा दिलाने का समय आ गया है। प्रशांत किशोर ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर निशाना साधते हुए कहा कि उनके राज में हर विभाग में भ्रष्टाचार और लूट मची हुई है। पांच साल तक जनता को लूटने के बाद अब 5-10 हजार रुपये देकर वोट मांगे जा रहे हैं। अगर जनता ने इस बार समझदारी नहीं दिखाई तो अगले पांच साल भी यही खेल चलता रहेगा।

सभा के दौरान प्रशांत किशोर ने बिरौल के मुस्लिम मतदाताओं से भी भावनात्मक अपील की। उन्होंने कहा कि दूसरी पार्टियां आपसे कहती हैं कि हमें वोट दो ताकि भाजपा हार जाए, लेकिन हम कहते हैं कि इस बार अपने बच्चों के भविष्य के लिए वोट दीजिए।

पिछड़ेपन और बेरोजगारी के लिए राज्य और केंद्र जिम्मेदार

पीके ने बिहार के पिछड़ेपन और बेरोजगारी के लिए राज्य और केंद्र सरकार दोनों को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि आपने 20-25 साल तक भाजपा और जेडीयू को जिताया, लेकिन न तो रोजगार आया और न फैक्टरी लगी। मोदीजी ने बिहार से वोट लिया लेकिन फैक्टरी गुजरात में लगाई। लालू और नीतीश ने मिलकर बिहार को मजदूरों की फैक्टरी बना दिया।

'लालू जी आडवाणी से नहीं डरे तो मैं अमित शाह से क्यों डरूं'

दरभंगा। दरभंगा जिले के गौड़ाबौराम विधानसभा क्षेत्र के कोठराम में आयोजित एक जनसभा में राजद नेता तेजस्वी यादव और वीआईपी सुप्रीमो मुकेश सहनी ने संयुक्त रूप से सभा को संबोधित किया। इस दौरान दोनों नेताओं का कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया। सभा में तेजस्वी यादव ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि अमित शाह हमें धमकी देते हैं कि ऐसा सबक सिखाएंगे कि चुनाव लड़ने से पहले सोचना पड़ेगा। लेकिन याद रखिए, बिहारी किसी से डरने वाला नहीं है। जब मेरे पिता लालू प्रसाद यादव ने उनके गुरु लालकृष्ण आडवाणी का रथ रोककर उन्हें गिरफ्तार किया था, तब भी वे नहीं डरे थे। तो मैं अमित शाह से क्यों डरूं?

तेजस्वी यादव ने आगे कहा कि उनकी असली लड़ाई बेरोजगारी और पलायन के खिलाफ है। उन्होंने जनता से वादा किया कि अगर उनकी सरकार बनी, तो हर घर के एक सदस्य को सरकारी नौकरी दी जाएगी।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने नीतीश कुमार को बताया 'रिमोट कंट्रोल सीएम'

प्रधानमंत्री मोदी पर तंज

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की डिजिटल इंडिया की पॉलिसी पर तंज कसते हुए राहुल ने कहा कि मोदी जी कहते हैं कि उन्होंने डेटा सस्ता कर दिया ताकि युवा रील बना सकें। भला रील देखने से किसी के जेब में पैसा आता है? पैसा तो जियो के मालिक अंबानी की जेब में जाता है। उन्होंने युवाओं से कहा कि आपका भविष्य फेसबुक-इंस्टाग्राम देखने से नहीं, बल्कि 'मेड इन बिहार' फोन बनाने से बदलेगा।

नालंदा/ए.। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने गुरुवार को बिहार की नीतीश-नरेंद्र मोदी सरकार पर जमकर निशाना साधा। नालंदा के नूरसराय के सरदार पटेल स्टेडियम में आयोजित विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने बिहार की स्वास्थ्य व्यवस्था, पेपर लीक और बेरोजगारी जैसे मुद्दों पर एनडीए सरकार को कटघरे में खड़ा किया।

अस्पताल बने मौत के ठिकाने

राहुल गांधी ने अपने संबोधन में कहा कि बिहार के अस्पतालों में लोग जीने नहीं, बल्कि मरने जाते हैं। यही है आपकी सरकार की असली तस्वीर। उन्होंने कहा कि इलाज के लिए बिहार के मरीजों को आज भी दिल्ली एम्स जाना पड़ता है और वहां मेट्रो स्टेशनों पर रातें गुजारनी पड़ती हैं।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को निशाना बनाते हुए राहुल ने कहा कि यह मत सोचिए कि नीतीश जी सरकार चलाते हैं। असल में सरकार नरेंद्र मोदी, अमित शाह और नागपुर (आरएसएस) से चलती है। नीतीश जी तो बस रिमोट कंट्रोल सीएम हैं। मोदी जी जो बटन दबाते हैं, वही चैनल चालू हो जाता है। उन्होंने व्यंग्य करते हुए कहा कि एक तरफ नीतीश कुमार 20 साल में बिहार बदलने का दावा करते हैं, लेकिन हकीकत जमीन पर कुछ और ही है।

वोट चोरी और संविधान की रक्षा की अपील

राहुल गांधी ने भाजपा और आरएसएस पर संविधान को खत्म करने की साजिश रचने का गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि ये लोग वोट चोर हैं। जैसे इन्होंने हरियाणा और महाराष्ट्र में वोट चोरी की, वैसे ही यहां भी कोशिश करेंगे। आपको और हमको मिलकर इसे रोकना है। उन्होंने जोर देकर कहा कि इंडिया गठबंधन की सरकार हर जाति, हर धर्म की सरकार होगी जो नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान खोलेगी।

पेपर लीक: युवाओं के सपनों की हत्या

पेपर लीक के मुद्दे पर राहुल गांधी ने भावुक अंदाज में कहा कि बिहार का युवा डॉक्टर-इंजीनियर बनने का सपना देखता है। माता-पिता मजदूरी करके उसे पढ़ाते हैं। लेकिन परीक्षा से एक दिन पहले पेपर लीक हो जाता है। ईमानदार युवा देखता रह जाता है और पेपर चोर मौका मार लेता है। यही है आपकी सच्चाई।

राहुल गांधी ने नालंदा के लिए बड़ा ऐलान किया नालंदा में बनेगी विश्व स्तरीय यूनिवर्सिटी।

तानाशाह मुंगेली डीएफओ से परेशान लिपिक संघ ने खोला मोर्चा

पीड़ित लिपिक को डीएफओ ने वेतन ना देने, पदोन्नति और पेंशन रोकने की धमकी वाली रिकार्डिंग के साथ संघ से आत्मदाह की दी चेतावनी

बिलासपुर/मुंगेली/नवप्रदेश। छग प्रदेश लिपिक वर्गीय शासकीय कर्मचारी संघ ने वन विभाग मुंगेली के डीएफओ अभिनव कुमार के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए मुंगेली से स्थानांतरित करते हुए मुख्यालय संलग्न की मांग की। संघ के प्रदेश अध्यक्ष रोहित तिवारी ने बताया मुंगेली डीएफओ अभिनव कुमार के तानाशाही रवैए एवं दुर्व्यवहार से सभी कर्मचारी त्रस्त है जिसमें कार्यालयीन स्टाफ के साथ साथ फील्ड स्टाफ भी शामिल है।

रोहित तिवारी ने बताया कि डीएफओ अभिनव कुमार द्वारा बदतमीज लहजे में बात करने की शिकायत पूर्व में पदस्थ सामाजिक वानिकी, बिलासपुर कार्यालय सहित अन्य कार्यालयों के कर्मचारीयों द्वारा बताई गई है कर्मचारियों को मानसिक रूप से प्रताड़ित करते हुए अपना प्रशासनिक आतंक बताना इनके स्वभाव में शामिल है। लिपिक संघ के पास इनके विरुद्ध कार्यालय के लिपिक बी एल पात्रे द्वारा की गई लिखित शिकायत प्राप्त हुई है जिसमे डिवीजन कार्यालय में सबसे सीनियर कर्मचारी होने के बाद भी उनको भ्रष्टाचार मे सहयोग ना करने पर उन्हें आवक जावक शाखा में कार्य करने के लिए दबाव बनाने की शिकायतप्राप्त हुई है साथ ही अनुसूचित जाति वर्ग के कर्मचारी श्री पात्रे को पेंशन रोकने की धमकी देते रिकार्डिंग भी संघ को प्राप्त हुई है पीड़ित लिपिक पात्रे द्वारा संघ को लिखे पत्र में न्याय नहीं मिलने पर 25 नवंबर को आत्मदाह करने की बात उल्लेखित की है। इस संबंध ने मामले को संज्ञान में आने पर संघ के प्रदेश अध्यक्ष रोहित तिवारी द्वारा मोबाईल पर बात करने पर भी बदतमीज लहजे में बात करते हुए आधी अधूरी बात करके मोबाइल कट कर दिया गया। श्री तिवारी ने कहा कि यदि वन विभाग के मंत्री एवं आला अधिकारी गण कर्मचारियों से बदतमीजी करने वाले डीएफओ को नहीं हटाते तो संघ प्रदेश स्तरीय उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होगा।

प्रदेश स्तरीय आंदोलन की चेतावनी

श्री तिवारी ने बताया कि डीएफओ अभिनव कुमार पूर्व में भी जहां जहां पदस्थ रहे है उनके द्वारा कर्मचारीयों को प्रताड़ित किया गया है। उक्त सभी कृत्यों की शिकायत संघ को लिखित ओर मौखिक दोनों रूप से प्राप्त हुई। संघ ने उक्त कृत्यों को संज्ञान में लेते हुए डीएफओ अभिनव कुमार को मुंगेली से हटाने की मांग की है। संघ की मांग है ऐसे अनुभव हीन, कर्मचारियों को प्रताड़ित करने वाले डीएफओ की विभागीय जांच करते भविष्य में इनको किसी मंडल में पदस्थ ना किया जाए इन्हें मुख्यालय में ही संलग्न रखा जाए, पीड़ित लिपिक बी एल पात्रे को उनके पद अनुरूप शाखा में दायित्व दिया जाय। उक्त सभी मांगों को लेकर लिपिक संघ मुंगेली वन मंडल का घेराव सहित प्रदेश स्तरीय चरणबद्ध आंदोलन की घोषणा की है, जिसके प्रथम चरण में मुंगेली वन मंडल का घेराव 4 नवंबर मंगलवार को किया जायेगा, द्वितीय चरण में प्रदेश के सभी जिलों प्रदर्शन कर ज्ञापन, तृतीय चरण में रायपुर मुख्यालय एवं वन मंत्री निवास में प्रदर्शन शामिल है।

न्यूज गैलरी

एलपीजी डीलर एसोसिएशन कमीशन वृद्धि के समर्थन में प्रदर्शन

करगीरोड (कोटा)/नवप्रदेश। एलपीजी डीलर एसोसिएशन (इंडिया) के तत्वावधान में बिलासपुर जिले के सभी एलपीजी वितरकों ने अपने-अपने कर्मचारियों सहित उपस्थिति दर्ज कराई। सभी ने काली पट्टी बांधकर एवं मोमबत्ती जलाकर अपनी एक सूत्रीय मांग कमीशन वृद्धि के समर्थन में शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया। प्रदर्शन, पेट्रोलियम मंत्रालय, नई दिल्ली का ध्यान इस महत्वपूर्ण मुद्दे की ओर आकर्षित करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया। बिलासपुर जिले में इस प्रकार का शांतिपूर्ण आंदोलन पहली बार करगी रोड, कोटा में संपन्न हुआ। कार्यक्रम एलपीजी डीलर एसोसिएशन (इंडिया) की राष्ट्रीय कार्यकारिणी द्वारा पूर्व निर्धारित समयानुसार सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। आज के आयोजन में लक्ष्मी इंडेन गैस एजेंसी कोटा के सहयोगी कर्मचारी भी सक्रिय रूप से उपस्थित रहे और कार्यक्रम को सफल बनाने में योगदान दिया।

बंगाल की खाड़ी से उठा यह चक्रवात आंध्रप्रदेश के करीब पहुंचा

चक्रवात मोंथा का असर, दो दिनों तक जिले में हल्की बारिश की संभावना

बिलासपुर/नवप्रदेश। चक्रवात मोंथा के प्रभाव से छत्तीसगढ़ में मौसम बिगड़ने लगा है। 31 अक्टूबर और 1 नवंबर को कई जिलों में भारी से अति भारी वर्षा की संभावना जताई गई है। मध्य और दक्षिण छत्तीसगढ़ में बारिश शुरू हो गई हैं। मौसम विभाग ने बिलासपुर, रायपुर और सरगुजा संभाग में सतर्क रहने की अपील की है।

गंभीर चक्रवाती तूफान मोंथा का असर अब छत्तीसगढ़ में स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। बंगाल की खाड़ी से उठा यह चक्रवात अब आंध्र प्रदेश तट के करीब पहुँच चुका है और इसके प्रभाव से प्रदेश के कई जिलों में अगले 24 घंटों के भीतर भारी से अति भारी वर्षा की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग ने चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि मध्य और दक्षिण छत्तीसगढ़ के कुछ हिस्सों में 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं, जिससे जनजीवन प्रभावित होने की आशंका है। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि 29 अक्टूबर को मध्य और दक्षिण छत्तीसगढ़ में 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से हवाएं चल सकती हैं। दक्षिण छत्तीसगढ़ के तटीय इलाकों और खुले क्षेत्रों में पेड़ों के गिरने और बिजली आपूर्ति प्रभावित होने की संभावना है। छत्तीसगढ़ से मानसून 15 अक्टूबर तक लौट गया। मानसून सीजन 30 सितंबर को ही खत्म माना जाता है। इसलिए अक्टूबर में होने वाली बारिश मौसम विभाग सालाना वर्षा के रूप में रिकॉर्ड करता है। इस साल अब तक 1 से 26 अक्टूबर तक 89.4 मिमी पानी गिर चुका है। 26 दिन की औसत वर्षा 56.2 मिमी है। यानी औसत से 59 फीसदी ज्यादा पानी अब तक गिर चुका है। मौसम केंद्र ने राहत की खबर देते हुए बताया कि चक्रवात के पश्चिम की ओर खिसकने और कमजोर पड़ने के बाद, 31 अक्टूबर से पूरे प्रदेश में बारिश में कमी आएगी और मौसम धीरे-धीरे शुष्क होने लगेगा।

बारिश का फसलों पर असर

अगले कुछ दिनों में होने वाली बारिश और तेज हवा का असर फसलों पर पड़ेगा। खेतों में खड़ी फसल तेज हवा और बारिश के कारण खराब हो सकती है। जिन किसानों की फसल की कटाई हो चुकी है और उन्हें सुरक्षित भंडारण नहीं किया होगा तो फसल के भी भीगने की आशंका है। कृषि मौसम विभाग ने इस संबंध में किसानों को फसलों को बारिश से बचाने की सलाह दी।

डॉ. सूर्यांश नेमा कंसल्टेंट ऑर्थोपेडिक्स की सेवाएं अब अपोलो हॉस्पिटल में उपलब्ध

बिलासपुर/नवप्रदेश। डॉ. सूर्यांश नेमा एक कुशल आर्थोपेडिक सर्जन, जो हिप प्रतिस्थापन, घुटने (एसीएल, पीसीएल, पीएलसी) और कंधे (रोटेटर कफ, हिल-सैक्स, लेब्रल आंसू, और लैटार्जेट प्रक्रियाओं) की आर्थ्रोस्कोपिक सर्जरी में विशेषज्ञता रखते हैं। उनके पास सरल और जटिल ट्रामा मामलों के प्रबंधन में व्यापक अनुभव है, जो उन्नत तकनीकों को एक रोगी-केंद्रित दृष्टिकोण के साथ जोड़ते हैं ताकि तेजी से रिकवरी हो सके। डॉ. नेमा ने जॉइंट रिप्लेसमेंट और स्पोर्ट्स मेडिसिन में फेलोशिप पूरी की है (रोबोटिक और पारंपरिक आर्थ्रोप्लास्टी में प्रशिक्षित) और उन्होंने आर्थ्रोस्कोपी और जॉइंट पुनर्निर्माण पर कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय कार्यशालाओं में सक्रिय रूप से भाग लिया है। पारंपरिक टोटल घुटने और हिप आर्थ्रोप्लास्टी, जॉइंट रिसर्फेसिंग सर्जरी, कंधे और घुटने आर्थ्रोस्कोपी (डायग्नोस्टिक और थेरेप्यूटिक), खेल की चोट प्रबंधन, हाई टिबियल ऑस्टियोटॉमी, जटिल और बुनियादी ट्रामा प्रबंधन व आपातकालीन आर्थोपेडिक देखभाल। एमएस आर्थोपेडिक्स (2023), रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, बरेली, एमबीबीएस (2015), एनकेपी साल्वे मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, नागपुर, जॉइंट रिप्लेसमेंट और स्पोर्ट्स मेडिसिन में फेलोशिप (जुलाई 24 - सितंबर 25), एएमआई केयर अस्पताल, दिल्ली एनसीआर, मैक्स अस्पताल, वैशाली एनसीआर में काम किया (2023-24), डॉ. सूर्यांश नेमा अपोलो सिटी सेंटर सीएमडी चौक में भी प्रतिदिन शाम 4:30 से 6 तक उपलब्ध रहेंगे।

कर्मचारियों का विश्वास ही सबसे बड़ी ताकत: सलीम

■ **इंटक यूनियन ने नामांकन पर किया शक्ति प्रदर्शन**

सीपत/नवप्रदेश। एनटीपीसी सीपत में मंगलवार को इंटक यूनियन ने नामांकन के अवसर पर शक्ति प्रदर्शन करते हुए एक विशाल रैली निकाली। भारी संख्या में कर्मचारियों और मजदूरों की उपस्थिति ने यह साफ कर दिया कि इंटक यूनियन अब भी कर्मियों की पहली पसंद बनी हुई है। रैली के दौरान कार्यकर्ताओं ने नारे लगाकर कर्मचारी एकता और अधिकारों की रक्षा का संदेश दिया। इस मौके पर यूनियन पदाधिकारियों ने कहा कि इंटक हमेशा से कर्मचारियों की समस्याओं को सुनने, समझने और उनके निराकरण के लिए संघर्ष करती रही है। यही कारण है कि आज इतनी बड़ी संख्या में कर्मचारी इस रैली में शामिल हुए हैं। कार्यक्रम में मुख्य रूप से इंटक यूनियन के अध्यक्ष सलीम विरानी, महासचिव ललित पगारे, कार्यकारी अध्यक्ष सुरेश घृतलहरे, ऑल इंडिया एनटीपीसी एम्प्लॉयी फेडरेशन के उपाध्यक्ष प्रताप खरे, कोषाध्यक्ष नवीन कुर्रे, उपाध्यक्ष विनोद श्रीवास, संदीप वर्मा, राधेश्याम डहरिया, छत्रपाल पटेल, ओंकार परिहार, सुनील भोई, शिवपूजन यादव, मुकेश लहरे, आशीष गुप्ता, पीताम्बर सिंह, प्यारे लाल बघेल, शैलेन्द्र रॉय, कांशीराम कांत, बलदाऊ बर्मन, अश्वनी सूर्यवंशी, सुनील सूर्यवंशी, शितेन्द्र अंचल, जय अंचल, लखनलाल गुप्ता, अरुण शर्मा, परमानंद श्रीवास, गौतम यादव, कृष्णा पटेल, मनोज पटेल, ओमप्रकाश पटेल, लखेश्वर भारद्वाज, संतोष निर्मलकर और कमल साहू सहित राष्ट्रीय विद्युत कर्मचारी संघ (इंटक) के सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष रहेगी जारी

रैली के समापन अवसर पर अध्यक्ष सलीम विरानी ने सभी कार्यकर्ताओं और कर्मचारियों के प्रति आभार जताते हुए कहा कि आप सभी का जोश और विश्वास हमारे लिए सबसे बड़ी ताकत है। इंटक यूनियन सदैव कर्मचारियों की आवाज बनेगी और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष करती रहेगी। उन्होंने आगे कहा कि आने वाले समय में कर्मचारी हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी और यूनियन हर स्तर पर आपकी उम्मीदों पर खरी उतरेगी।

दिव्यांजनों को उपकरण वितरित करने गांवों में शिविर 6 से

बिलासपुर/नवप्रदेश। ग्राम पंचायतों में दिव्यांगजनों के लिए 6 नवम्बर से 26 नवम्बर तक सवेरे 10 बजे से शाम 5 बजे तक शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर में दिव्यांगजनों का दिव्यांगता प्रमाण पत्र बनाये जाएंगे और सहायक उपकरण देंगे। मस्तुरी ब्लॉक के हिण्डाडीह में 6 नवम्बर, बिल्हा के धौराभाठा में 10 नवम्बर, तखतपुर के दैजा में 12 नवम्बर, कोटा के चपोरा में 13 नवम्बर, मस्तुरी के चिल्हाटी में 17 नवम्बर, बिल्हा के टेकर में 19 नवम्बर, तखतपुर के घुटकू में 24 नवम्बर एवं कोटा के करगीकला में 26 नवम्बर को शिविर लगेंगे।

कृषि उपज मंडी परिसर से बिना अनुमति 3 सागौन के पेड़ काटे

बिलासपुर/नवप्रदेश। पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए राज्य सरकार प्रतिवर्ष करोड़ों रुपए खर्च कर नए पौधे लगवाती हैं बचे हुए इमारती पेड़ों की सुरक्षा के लिए भारी भरकम राशि खर्च किया जा रहा है। वहीं दूसरी ओर शासकीय विभाग कृषि उपज मंडी समिति बिलासपुर के परिसर में लगे वर्षो पुराने 3 सागौन का का विशालकाय वृक्ष को बेदर्दी से काटा गया है। बताया जाता है कि इस अवैध कटाई को कृषि उपज मंडी समिति बिलासपुर के जिम्मेदार अधिकारियों के द्वारा अंजाम दिया गया है। शहर में स्थित तोरवा क्षेत्र अंतर्गत कृषि उपज मंडी समिति बिलासपुर कार्यालय स्थित है। बताया जाता है कि उक्त कार्यालय में प्राकृतिक रूप से उपजे 3 सागौन के हरे भरे वृक्ष कि अवैध तरीके से कटाई कराया गया है। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार माह जुलाई 2025 में इन पेड़ों की अवैध कटाई होना बताया जा रहा है, जिसकी शिकायत वन विभाग के समक्ष किया गया है। मामले की जानकारी लेने के लिए विभाग के उच्च अधिकारियों से संपर्क किया गया तब उनका कहना था कि मामले की जांच करने हेतु जांच अधिकारी नियुक्त किया गया है. जांच रिपोर्ट आने के बाद कार्यवाही किया जाएगा। वन विभाग के अधिकारी ने चर्चा के दौरान दवे स्वर में यह बात भी कहा कि उक्त जमीन राजस्व से संबंधित है नियमतः राजस्व विभाग के अधिकारी को कार्यवाही किया जाना था।

एसईसीएल ने स्पेशल कैम्पेन 5.0 के तहत लगाए 43 बायो टॉयलेट

समावेशिता, स्वच्छता और सतत विकास की दिशा में सार्थक पहल

बिलासपुर/नवप्रदेश। साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) ने अपने खनन क्षेत्रों में कार्यस्थलों पर स्वच्छता, समावेशिता और सतत विकास को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। कंपनी ने भारत सरकार के स्पेशल कैम्पेन 5.0 के अंतर्गत कुल 43 बायो टॉयलेट्स स्थापित किए हैं। इस पहल के तहत सोहागपुर क्षेत्र में 16 और भटगाँव क्षेत्र में 27 बायो टॉयलेट्स का लोकार्पण किया गया। इन आधुनिक शौचालयों की स्थापना से खनन क्षेत्रों में स्वच्छता अवसंरचना को सुदृढ़ करने के साथ ही पर्यावरण संरक्षण को भी बल मिला है। बायो टॉयलेट्स अपशिष्ट प्रबंधन की आधुनिक तकनीक पर आधारित हैं, जिनमें अपशिष्ट को सूक्ष्मजीव क्रिया के माध्यम से जल एवं गैस में परिवर्तित किया जाता है। इससे प्रदूषण में कमी आती है और जल संरक्षण को बढ़ावा मिलता है। एसईसीएल की यह पहल स्वच्छ भारत अभियान की भावना से प्रेरित है और कार्यस्थलों पर स्वच्छ, सुरक्षित एवं सम्मानजनक वातावरण सृजित करने की दिशा में कंपनी के संकल्प को दर्शाती है। विशेष रूप से महिला कर्मियों के लिए यह कदम कार्यस्थल पर गरिमा और सुविधा सुनिश्चित करने में मील का पत्थर साबित होगा। खनन क्षेत्रों में समावेशी और स्वच्छ कार्य परिवेश की दिशा में यह प्रयास एसईसीएल की जिम्मेदार खनन नीति और सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। स्पेशल कैम्पेन 5.0 भारत सरकार के प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग की देशव्यापी पहल है, जो 2 से 31 अक्टूबर 2025 तक आयोजित की जा रही है। इसके अंतर्गत मंत्रालयों और सार्वजनिक उपक्रमों में स्वच्छता, रिकॉर्ड प्रबंधन और लंबित प्रकरणों के निस्तारण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

विनोबा नगर गायत्री मंदिर में आंवला नवमीं मनाया गया

बिलासपुर/नवप्रदेश। विनोबा नगर स्थित गायत्री मंदिर में आज आंवला नवमी का कार्यक्रम स्थानीय निवासियों के द्वारा मनाया गया, जिसमें आवाला वृक्ष व भगवान विष्णु लक्ष्मी के पूजन आरती पश्चात भोजन बना कर प्रसाद ग्रहण किया गया। पूजन कार्यक्रम में सीमा सिंह ठाकुर, स्मृति मोइत्रा, सीमा अग्रवाल, मधु ठाकुर, ममता पांडे, कोमल बर्थडे, सरिता पांडेय, ममता अग्रवाल, पदमा साहू, सविता महेश्वरी, विमल टोप्पो, खुशबू सोनी, रिंकी सहित सैकड़ों के तादाद में श्रद्धालु महिलाएं उपस्थित थी।

जागरुकता

एनएसएस , थाना सीपत और स्वामी आत्मानंद विद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजन

साइबर ठगों से रहें सतर्क, जागरूकता ही असली सुरक्षा कवच: टीआई मिश्रा

सीपत/नवप्रदेश। शासकीय मदनलाल शुक्ल महाविद्यालय सीपत में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई, थाना सीपत एवं स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय सीपत के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय एकता दिवस की संध्या पूर्व सरदार वल्लभभाई पटेल की स्मृति में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रीय एकता 2025 और साइबर सुरक्षा संकल्प विषय पर स्लोगन प्रतियोगिता से हुई, जिसमें 50 से अधिक स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित थाना प्रभारी राजेश कुमार मिश्रा ने साइबर सुरक्षा–आज की सबसे बड़ी जिम्मेदारी विषय पर प्रेरक एवं ज्ञानवर्धक संबोधन दिया। उन्होंने कहा कि आज ठगी सिर्फ अनपढ़ों तक सीमित नहीं, बल्कि पढ़े-लिखे और नौकरीपेशा लोग भी ऑनलाइन जाल में फंस रहे हैं। डिजिटल दुनिया में जागरूकता ही हमारी सबसे बड़ी सुरक्षा ढाल है। किसी भी कॉल या लिंक पर आंख मूंदकर भरोसा न करें, क्योंकि ठग अब मोबाइल और इंटरनेट के जरिए हमारे घर तक पहुंच चुके हैं। टीआई मिश्रा ने डिजिटल अरेस्ट, बैंक धोखाधड़ी, ओटीपी फ्रॉड, गेमिंग फ्रॉड सहित साइबर अपराध के अनेक स्वरूपों की विस्तार से जानकारी देते हुए उनसे बचाव के व्यावहारिक उपाय भी बताए। उनके प्रेरक संबोधन को विद्यार्थियों ने ध्यानपूर्वक सुना और बार-बार तालियों की गूंज से सभागार गूंज उठा। स्लोगन प्रतियोगिता में आरती राठौर (प्रथम), अजित बंजारे (द्वितीय), अर्चना साहू (तृतीय) तथा निर्जला और सत्यवान (सांत्वना) स्थान पर रहे। निर्णायक के रूप में डा. पूजा यादव (सहायक प्राध्यापक हिंदी) और दीपेश जोशी ने भूमिका निभाई। इस अवसर पर थाना प्रभारी राजेश कुमार मिश्रा, सहायक उपनिरीक्षक कमल कूल, प्रधान आरक्षक मनहरन ठाकुर, आरक्षक लक्ष्मण चंद्रा, महिला आरक्षक प्रीति दास, ज्योति जगत, महाविद्यालय से डा. पूजा यादव, दीपेश जोशी, विमल तिवारी, धनंजय टंडन तथा एनएसएस स्वयंसेवक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संयोजन एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी शत्रुघ्न घृतलहरे तथा संचालन प्रशांत यादव ने किया।

मानव श्रृंखला बनाई

प्रतियोगिता के उपरांत भव्य एकता रैली का आयोजन किया गया, जो महाविद्यालय परिसर से निकलकर स्वामी आत्मानंद विद्यालय तक पहुंची। वहां विद्यालय और कॉलेज के छात्रों व शिक्षकों ने मिलकर एक भारत, श्रेष्ठ भारत का सशक्त संदेश देते हुए मानव श्रृंखला बनाई। इसके बाद राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने साइबर सुरक्षा और राष्ट्रीय एकता पर आधारित नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया, जिसे दर्शकों ने खूब सराहा। नाटक में प्रशांत यादव, मिथिलेश श्रीवास, सुबीर डहरिया, दीपक राठौर, विकास पटेल, रश्मि सिंह और नीलम साहू ने उत्कृष्ट अभिनय किया।

सुविचार

मूर्ख से बहस करना गाल पर बैठे मच्छर को मारने जैसा है। मच्छर मरे न मरे आपको थप्पड़ जरूर लगेगा। - अज्ञात

तीसरे विश्वयुद्ध का मंडराता खतरा

रूस और यूक्रेन के बीच पिछले दो सालों से जंग जारी है और इसके खत्म होने के दूर-दूर तक कोई आसार नजर नहीं आ रहे हैं। खुद को सीजफायर स्पेशलिस्ट बताने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस और यूक्रेन के बीच संघर्ष विराम कराने की कोशिश की जो असफल रही। इसी तरह इजरायल और हमास के बीच जंग भी पिछले दो साल से जारी है और इजरायल के हमले में अब तक 65 हजार से अधिक लोग मारे जा चुके हैं। इन दोनों के बीच भी डोनाल्ड ट्रंप ने समझौता कराया और संघर्ष विराम हो गया किन्तु इजरायल ने इस सीजफायर का उल्लंघन कर एक बार फिर गाजापट्टी में बमबारी कर दी है जिससे 100 लोगों की मौत हो गई और ढाई सौ से अधिक लोग घायल हो गये हैं। गाजापट्टी पर बमबारी करने के बाद इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने फिर से सीजफायर बहाल करने की घोषणा की है। यह कैसा सीजफायर है जो कभी भी तोड़ा जा सकता है और फिर से लागू किया जाता है। इसी तरह पाकिस्तान में अफगानिस्तान के खिलाफ एयर स्ट्राइक करके दोनों देशों के बीच जंग के हालात निर्मित कर दिये हैं हालांकि मुस्लिम देशों के दबाव में पाकिस्तान और अफगानिस्तान के भी सीजफायर की घोषणा हो गई है। लेकिन अब इस सीजफायर के भी टूटने का खतरा पैदा हो गया है। दोनों देशों के बीच शांति वार्ता कराने के लिए तुर्की और कतर ने पहल की जहां देशों के विदेश मंत्रियों के बीच बातचीत हुई लेकिन शांति प्रस्ताव पर दोनों ही सहमत नहीं हुए। अब तो अफगानिस्तान ने दो टूक शब्दों में पाकिस्तान को चेतावनी दे दी है कि यदि उसने अफगानिस्तान के खिलाफ सैन्य कार्यवाही करने का दुस्साहस दिखाया तो अफगानिस्तान मुंहतोड़ जवाब देने के लिए तैयार है। दरअसल अफगानिस्तान और भारत के बीच रिश्तों में सुधार आने से पाकिस्तान खीजा हुआ है और उसने अफगानिस्तान के खिलाफ मोर्चा खोल रखा है ऐसे में दोनों देशों के बीच कभी भी जंग की नौबत आ सकती है। कुल मिलाकर दुनिया में तीन जगह युद्ध के बादल मंडरा रहे हैं और इसे लेकर दुनिया दो भागों में बंटती जा रही है। यदि इन देशों के बीच जंग तेज होती है तो दुनिया तीसरे विश्व युद्ध के मुहाने पर पहुंच सकती है।

राहुल के बयान को लेकर मचा बवाल

बिहार विधानसभा चुनाव में प्रचार करने पहुंचे लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने महागठबंधन के चुनावी मंच से एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और छठ पर्व को लेकर विवादास्पद बयान देकर नया बवाल खड़ा कर दिया है। चुनावी सभा को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधा और कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यमुना में नहाने की जगह स्वीमिंग पूल में स्नान की, छठ पर्व के नाम पर ड्रामा किया है। उनके इस बयान को अब भाजपा ने करोड़ों बिहारियों की आस्था का अपमान बताते हुए राहुल गांधी पर निशाना साधना शुरू कर दिया है। खुद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी छठ पर्व के बाद बिहार में आयोजित अपनी पहली चुनावी सभा में राहुल गांधी के इस बयान पर तीखी प्रतिक्रिया दी और कहा कि कांग्रेस तथा राष्ट्रीय जनता दल ने छठ पर्व को ड्रामा बताकर बिहार वासियों का अपमान किया है और उन्होंने कहा कि इस अपमान को बिहार की जनता कभी माफ नहीं करेगी। गौरतलब है कि राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नई दिल्ली में छठ पर्व के दौरान यमुना नदी के पास आयोजित छठ पूजा में शिरकत करने की बात को लेकर जो टिप्पणी की है वह गलत है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वहां जाने का कार्यक्रम जरूर था लेकिन अपरिहार्य कारणों से वे छठ पूजा कार्यक्रम में शामिल ही नहीं हो पाये थे लेकिन राहुल गांधी ने सुनी सुनाई बातों को लेकर यह बयान दे डाला कि नरेन्द्र मोदी यमुना में नहीं स्वीमिंग पुल में नहाकर आये थे। कुल मिलाकर राहुल गांधी का यह झूठा आरोप और विवादास्पद बयान अब बिहार विधानसभा चुनाव में महागठबंधन के लिए मुसीबत का कारण बन सकता है क्योंकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के टिप्पणी के बाद अब एनडीए के नेताओं ने राहुल गांधी के इस बयान को बिहार की अस्मिता से जोड़ इसे चुनावी मुद्दा बनाना शुरू कर दिया है जो महागठबंधन पर भारी पड़ सकता है।

सदगुरू बोधामृतम

सदगुरू ऋतेश्वर जी

❖ किसी भी परिस्थिति में बस मुस्कुराने की कला सीख लो, जीवन आनंद से परिपूर्ण हो जाएगा।

❖ प्रेम में त्याग की भावना होनी चाहिए।

❖ क्रोध से अत्यंत मूढ़ भाव उत्पन्न हो जाता है, मूढ़ भाव से स्मर्शत में भ्रम हो जाता है, स्मति में भ्रम हो जाने से बुद्धि अर्थात् ज्ञान शक्ति का नाश हो जाता है और ज्ञान शक्ति अथवा बुद्धि का नाश हो जाने से पुरुष अपनी सहज सुख राशि की स्थिति से गिरकर दुखों में पड़ जाता है।

आज का इतिहास

नई दिल्ली(वार्ता)। 1759 फिलीस्तीन के साफेद में भूकंप से 100 लोग मारे गये। 1759 सफेद, फिलिस्तीन में भूकंप आने की वजह से सौ की मौत। 1817 सम्राट निंको ने जापान के सिंहासन को स्वीकार किया। 1871 नीदरलैंड के डॉककुम में प्रोटेस्टेंट यूनियन की स्थापना की गयी। 1914 ब्रिटेन तथा फ्रांस ने तुर्की के खिलाफयुद्ध की घोषणा की। 1953 बेल्जियम में टेलीविजन का प्रसारण शुरू हुआ। 1956 स्वेज नहर के राष्ट्रीयकरण के मिस्र के फैसले के बाद ब्रिटेन और फ्रांस ने स्वेज नहर को फिर से खोलने के लिए मिस्र पर बमबारी शुरू कर दी। 1971 लंदन के पोस्ट ऑफिस टॉवर के शीर्ष पर एक बम विस्फोट हुआ। 1973 तीन प्रोविजनल आयरिश रिपब्लिकन आर्मी के सदस्य डबलिन में अपोजिट हेलिकॉप्टर से जेल के एक्सरसाइज यार्ड में उतरने के बाद मौमोजा जेल से फरार हो गए। 1982 पोप जॉन पॉल द्वितीय स्पेन जाने वाले पहले बिशप बने। 1989 तुर्गत ओजल तुर्की के राष्ट्रपति चुने गये। 1996 रासायनिक अस्त्र प्रतिबंध संधि को लागू करने के लिए आवश्यक 65 देशों की मंजूरी मिली।

लौह पुरुष के संकल्प की लौ से प्रज्ज्वलित हुआ अखंड भारत का स्वाभिमान

नीलेश वर्मा

इनमें अनुच्छेद 370 का हटाया जाना, जम्मू-कश्मीर का पुनर्गठन तथा पूर्वोत्तर राज्यों के तीव्र विकास जैसे कदम विशेष रूप से उल्लेखनीय हैं। ये निर्णय न केवल भारत को भौगोलिक रूप से, बल्कि विचारों और भावनाओं के स्तर पर भी एक सूत्र में बांधते हुए सरदार वल्लभभाई पटेल के उस अधूरे स्वप्न को साकार कर रहे हैं, जिसमें एक एकजुट और सशक्त भारत की परिकल्पना थी। आज आवश्यकता है कि विशेषकर देश के युवा उनके विचारों को अपने जीवन में उतारें। भारत में जब भी विभाजन या वैमनस्य की आवाज उठे, तब हमें लौह पुरुष की दृढ़ता याद रखनी चाहिए, जिन्होंने असंभव को संभव किया। वास्तव में देखें तो लौह पुरुष के संकल्प की लौ आज भी हमारे सैनिकों की शौर्यगाथाओं में, किसानों के परिश्रम में और युवाओं के नवाचार में प्रज्वलित है और यही लौ, यही चेतना, यही स्वाभिमान मेरे अखंड भारत की अमर आत्मा है।

भारत की एकता और अखंडता का दीप आज गर्व से प्रज्वलित है, जिसकी ज्योति लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल के अटूट संकल्प और अदम्य साहस से प्रकट हुई। स्वतंत्रता प्राप्ति के समय भारत सैकड़ों रियासतों में विभक्त था, किन्तु सरदार पटेल की दूरदृष्टि, दृढ़ इच्छाशक्ति और राजनीतिक कौशल ने इन रियासतों को एक सूत्र में पिरोकर भारत को विखंडन से बचाया। यह केवल राजनीतिक एकीकरण नहीं था, बल्कि सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और राष्ट्रीय चेतना के पुनर्जागरण का भी प्रतीक था, जिसने "अखंड भारत" के स्वाभिमान को नई ऊर्जा प्रदान की। प्रतिवर्ष 31 अक्टूबर को सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया जाता है। इस दिवस की घोषणा वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा की गई थी। राष्ट्रीय एकता दिवस का उद्देश्य देश की एकता, अखंडता और सुरक्षा के प्रति जनजागरण फैलाना तथा स्वतंत्र भारत के निर्माण में सरदार पटेल के अमूल्य योगदान को श्रद्धापूर्वक स्मरण करना है। उनके अद्वितीय प्रयासों से भारत आज एक सशक्त, संगठित और एकतामय राष्ट्र के रूप में विश्व मंच पर गौरव से खड़ा है।

एक राष्ट्र होते हुए भी जब भारत लगभग 562 रियासतों में बंटा हुआ था, जिनमें से अनेक ब्रिटिश शासन के अधीन न होकर अर्ध-स्वायत्त थीं, तब देश को अखंड रूप देने की ऐतिहासिक जिम्मेदारी लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल ने निभाई। सरदार वल्लभभाई पटेल ने भारत के प्रथम गृह मंत्री के रूप में अपने कुशल नेतृत्व, कूटनीति और अडिग इच्छाशक्ति से जूनागढ़, हैदराबाद, भोपाल, कच्छ, जोधपुर, त्रावणकोर, और मणिपुर जैसी प्रमुख रियासतों को भारत में मिलाने का कार्य किया। उनके अथक प्रयासों से अधिकांश रियासतों ने 1947 से 1949 के बीच स्वेच्छा से ÷भारत संघ÷ में विलय पत्र पर हस्ताक्षर किए। जोधपुर व भोपाल को उन्होंने राजनीतिक संवाद से और जूनागढ़ व हैदराबाद को उन्होंने दृढ़ प्रशासनिक व सैन्य नीति के माध्यम से भारत में जोड़ा। विशेष रूप से 1948 में ÷ऑपरेशन पोलो÷ के माध्यम से हैदराबाद राज्य का भारत में विलय, उनकी दृढ़ता और दूरदर्शिता का प्रमाण है। वास्तव में, यह कार्य किसी

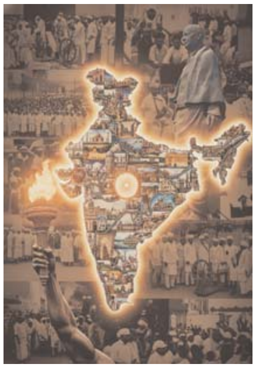

चमत्कार से कम नहीं था, क्योंकि जिस समय अन्य देश विभाजन की पीड़ा से गुजर रहे थे, उस समय पटेल ने भारत को टूटने से बचाया और एक राष्ट्र के रूप में खड़ा किया।

सरदार वल्लभभाई पटेल कुर्मी समाज के गौरव हैं, गुजरात के एक साधारण कृषक परिवार में उनका जन्मे हुआ। अपने परिश्रम, ईमानदारी और दृढ़ संकल्प से उन्होंएने दिखाया कि किसान का बेटा भी राष्ट्र निर्माता बन सकता है। 1918 के खेड़ा सत्याग्रह और 1928 के बारडोली आंदोलन में उन्होंने किसानों को संगठित कर अंग्रेजों के अन्याय के खिलाफ विजय पाई, जिससे उन्हें "सरदार" की उपाधि मिली। कुर्मी समाज उन्हें अपना आदर्श इसलिए मानता है क्योंकि उन्होंने किसान और श्रमिक वर्ग के सम्मान को राष्ट्रीय पहचान दी। उनका जीवन संदेश देता है कि एकता, संगठन और कर्मठता से कोई भी समाज उन्नति कर सकता है। यही कारण है कि सरदार पटेल आज भी कुर्मी समाज के स्वाभिमान और राष्ट्रनिष्ठा के प्रतीक बने हुए हैं।

हम सरदार पटेल की जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय एकता दिवस मना रहे हैं, यह केवल इतिहास की स्मृति नहीं, बल्कि राष्ट्रीय चेतना का पुनर्जागरण है। भारत के वर्तमान राजनीतिक और सामाजिक परिवेश में उनके विचार पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक हैं। विश्व राजनीति में भारत का उदय, रक्षा और तकनीक के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के साथ ही राष्ट्रीय एकता की सुदृढ़ भावना के साथ आगे बढ़ रहा है, यह सब लौह पुरुष के संकल्प का ही परिणाम है।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा गुजरात के केवड़िया में "स्टैच्यू ऑफयूनिटी" की स्थापना उसी अमर भावना का प्रतीक है, जो बताती है कि भारत की आत्मा तभी प्रफुल्लित होती है, जब उसकी एकता अटूट हो। आज भारत ÷एक भारत-श्रेष्ठ भारत÷ के मंत्र के साथ आगे बढ़ रहा है, जहाँ उत्तर से दक्षिण, पूरब से पश्चिम तक विकास, संस्कृति और राष्ट्रीय गौरव की एक ही धारा बह रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा बीते वर्षों में लिए गए अनेक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय निर्णयों ने देश की एकता और अखंडता को नई दिशा दी है। इनमें अनुच्छेद 370 का हटाया जाना, जम्मू-कश्मीर का पुनर्गठन तथा पूर्वोत्तर राज्यों के तीव्र विकास जैसे कदम विशेष रूप से उल्लेखनीय हैं। ये निर्णय न केवल भारत को भौगोलिक रूप से, बल्कि विचारों और भावनाओं के स्तर पर भी एक सूत्र में बांधते हुए सरदार वल्लभभाई पटेल के उस अधूरे स्वप्न को साकार कर रहे हैं, जिसमें एक एकजुट और सशक्त भारत की परिकल्पना थी। आज आवश्यकता है कि विशेषकर देश के युवा उनके विचारों को अपने जीवन में उतारें। भारत में जब भी विभाजन या वैमनस्य की आवाज उठे, तब हमें लौह पुरुष की दृढ़ता याद रखनी चाहिए, जिन्होंने असंभव को संभव किया। वास्तव में देखें तो लौह पुरुष के संकल्प की लौ आज भी हमारे सैनिकों की शौर्यगाथाओं में, किसानों के परिश्रम में और युवाओं के नवाचार में प्रज्वलित है और यही लौ, यही चेतना, यही स्वाभिमान मेरे अखंड भारत की अमर आत्मा है।

जो झुका नहीं, जो टूटा नहीं, वही कहलाया 'लौहपुरुष' सरदार पटेल

श्वेता गोयल

हमें सदैव ईश्वर और सत्य में विश्वास रखकर प्रसन्न रहना चाहिए। यहां तक कि अगर हम हजारों की दौलत भी गंवा दें और हमारा जीवन बलिदान हो जाए तो भी हमें मुस्कुराते रहना चाहिए। बहुत बोलने से कोई लाभ नहीं होता बल्कि हानि ही होती है। हमें गम खाना सीखना चाहिए और मान-अपमान सहन करने की आदत डालनी चाहिए। सरदार पटेल को देश के छोटे से छोटे स्तर के व्यक्ति की भी कितनी चिंता थी, उसी को व्यक्त करते हुए उन्होंने एक बार कहा था कि उनकी एक ही इच्छा है कि भारत एक अच्छा उत्पादक हो और इस देश में कोई भी व्यक्ति अन्न के लिए आंसू बहाता हुआ भूखा न रहे। वह कहते थे कि हर इंसान सम्मान के योग्य है, जितना उसे ऊपर सम्मान चाहिए, उतना ही उसे नीचे गिरने का डर नहीं होना चाहिए। लौहपुरूष का कहना था कि आम का फल समय से पहले तोड़ोगे तो वह खट्टा ही लगेगा और दांत खट्टे हो जाएंगे लेकिन अगर उसे पकने देंगे तो वह अपने आप टूट जाएगा और अमृत के सामान लगेगा।

राष्ट्रीय एकता की मिसाल रहे सरदार पटेल ने सदैव देशवासियों के लिए अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किए। समय-समय पर उन्होंने अपने वक्तव्यों द्वारा लोगों को आलस्य त्यागने, मेहनत करने, ईश्वर तथा सत्य में विश्वास रखने, अन्याय का डटकर मुकाबला करने जैसे प्रेरक संदेश दिए और देश के लिए कुछ अलग हटकर कार्य करने को प्रेरित किया। वे कहा करते थे कि जो काम कल करना है, उसकी बातों में ही आज का काम बिगड़ जाएगा और आज के काम के बिना कल का काम नहीं होगा, इसलिए आज का काम कीजिए तो कल का काम अपने आप हो जाएगा। कल हमें कोई मदद देने वाला है, सही सोचकर अगर आज बैठे रहे तो आज भी बिगड़ जाएगा और कल तो बिगड़ेगा ही। कोशिश करना हमारा फर्ज है और अगर हम अपने फर्ज को ही पूरा न करें तो हम ईश्वर के गुनाहगार बनते हैं। कर्म पूजा है लेकिन हास्य जीवन है और जो कोई भी अपना जीवन बहुत गंभीरता से लेता है, उसे एक तुच्छ जीवन के लिए तैयार रहना चाहिए। पिछला दुखड़ा रोना कायरों का काम है और हिसाब लगाकर मुकाबले की तैयारी करना बहादुरों का काम है। कठिन समय में कायर लोग बहाना ढूंढ़ते हैं जबकि बहादुर व्यक्ति रास्ता खोज लेते हैं। उतावले उत्साह से बड़ा परिणाम निकलने की आशा नहीं रखनी चाहिए। सरदार पटेल कहते थे कि बेकार मत बैठिये क्योंकि बेकार बैठने वाला अपना ही सत्यानाश कर डालता है। रात-दिन कार्य करने वाला अपनी इन्द्रियों को आसानी से वश में कर लेता है, इसलिए आलस्य छोड़िये। उनका कहना था कि अगर कोई चीज मुफ्त मिलती है तो उसकी कीमत कम हो जाती है जबकि परिश्रम से पाई हुई चीज की कीमत ठीक तरीके से लगाई जाती है। लोगों को मेहनत और कर्म करने के लिए प्रेरित करते हुए वह कहते थे कि यह सच है कि पानी में तैरने वाले ही डूबते हैं, किनारे पर खड़े रहने वाले नहीं लेकिन इससे भी बड़ा सच यह है कि किनारे पर ही खड़े रहने वाले लोग तैरना भी नहीं सीखते। अहिंसा का समर्थन करते हुए सरदार पटेल का कहना था कि कायरों की अहिंसा का कोई मूल्य नहीं है। जो तलवार चलाना जानते हुए भी तलवार को म्यान में रखता है, उसी की अहिंसा सच्ची अहिंसा होती है। वह कहते थे कि आपकी अच्छाई आपके मार्ग में बाधक है, इसलिए अपनी आंखों को क्रोध से लाल होने दीजिए और अपने मजबूत हाथों से अन्याय का डटकर सामना कीजिए।लौहपुरूष सरदार वल्लभ भाई पटेल सदैव कहते थे कि गरीबों की सेवा ही ईश्वर की सेवा है। उनका कहना था कि हमारा सिर कभी न झुकने वाला होना चाहिए। हमें केवल भगवान के आगे झुकना चाहिए, दूसरों के आगे नहीं। जो कोई भी सुख और दुःख का समान रूप से स्वागत करता है, वास्तव में वही सबसे अच्छी तरह से जीवन जीता है। हमें सदैव ईश्वर और सत्य में विश्वास रखकर प्रसन्न रहना चाहिए। यहां तक कि अगर हम हजारों की दौलत भी गंवा दें और हमारा जीवन बलिदान हो जाए तो भी हमें मुस्कुराते रहना चाहिए। बहुत बोलने से कोई लाभ नहीं होता बल्कि हानि ही होती है। हमें गम खाना सीखना चाहिए और मान-अपमान सहन करने की आदत डालनी चाहिए। सरदार पटेल को देश के छोटे से छोटे स्तर के व्यक्ति की भी कितनी चिंता थी, उसी को व्यक्त करते हुए उन्होंने एक बार कहा था कि उनकी एक ही इच्छा है कि भारत एक अच्छा उत्पादक हो और इस देश में कोई भी व्यक्ति अन्न के लिए आंसू बहाता हुआ भूखा न रहे। वह कहते थे कि हर इंसान सम्मान के योग्य है, जितना उसे ऊपर सम्मान चाहिए, उतना ही उसे नीचे गिरने का डर नहीं होना चाहिए। लौहपुरूष का कहना था कि आम का फल समय से पहले तोड़ोगे तो वह खट्टा ही लगेगा और दांत खट्टे हो जाएंगे लेकिन अगर उसे पकने देंगे तो वह अपने आप टूट जाएगा और अमृत के सामान लगेगा।

पाठकों की बात — पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

फिजाएं यहां की

फिजाएं यहां की बड़ी ठंडी ठंडी नज़ारे भी तो, दूर तक गा रहे हैं गुलाबी छटा है, सुहानी सुहानी हम भी बहारों में, लहरा रहे हैं। चंचल हवाओं में, शोखी घुली है चमकती नई चांदनी भी खिली है कितने सुहाने ये मधुबन सजीले हमारे भी मन को, महका रहे हैं हम भी बहारों में.. आतीं गुलों को छू छू के हवा जो देतीं ज़माने को नेहिल दुआ वो चंपा की भीनी, खुशबू के डोले बावरे मन को तो बहका रहे है हम भी बहारों में - **अजय कुमार सिंह भदौरिया**

अनुपम पूनम-सा

अनुपम पूनम-सा सवेरा स्वरूप श्रमफल अज्ञान आज ये दौर में स्फूर्ति का अपना सेकेण्ड़ रफ़्तार से हम लक्ष्य में भटक रहें अपनों का भविष्य छिन रहा आज ये दौर में एक चित-मन सुन्दर वाणी, वीणा सरस्वती ओ लक पाते हैं जो ध्यान जिनका गुण-गुना स्वर से हृदय से तप पढ़ अध्ययन आज ये दौर में भूल जाते वे आद्युनिक ये दौर में मन भटकते रूचि बढ़ती और अपना दौर घटता।

- गौरी पटले

मान लिजिए कि कहीं पर बालु का ढेर

मान लिजिए कि कहीं पर बालु का ढेर है।कोई बच्चा उस पर खेलना पसंद ना करे।कही पानी मिल जाए और कोई बच्चा उसमें छपाक छपाक ना करे, कहीं कोई कुत्ता या बिल्ली का बच्चा दिख जाए और कोई बच्चा उससे खेलने के लिए मचल ना उठे तो समझ लिजिए बच्चे का बचपना छीन लिया गया है। शायद अनुशासन या हाइजीन के नाम पर। - **प्रीति श्रीवास्तव**

दास्तान जब हम सुनाते क्यों

दास्तान जब हम सुनाते क्यों मुस्कुराते हो गीत मेरे भावों के तुम क्यों चुराते हो... समझ के मेरे दर्द भी रहते हो अनजान और मेरे ही दर्द को महफिल में गाते हो! - **सीमा मधुरिमा**

उसके कोमल हृदय के अंदर मेरा

उसके कोमल हृदय के अंदर मेरा हृदय बसा हुआ है। आँखों की गहराई में उसकी प्रेम का सार भरा हुआ है। नये प्रेम की परिभाषा देती। मीलों का फासला तय करके मेरे हृदय द्वार पे दस्तक वो देती है। पुलिकत करती मेरा उपवन अभिसार करूँ श्रृंगार करू बस जाऊँ मैं उसके चितवन। - **सरिता सैल**

जीवन का आधार है, पंच

जीवन का आधार है, पंच तत्व का मेल। एक हुआ कमजोर तो, चलती धीमी रेल। चलती धीमी रेल, रोग तन को झुलसाए। दवा और परहेज, देख मन कुढ़ता जाए। जरा काल अति कष्ट, जीभ से होती अनबन। धन सेहत हो साथ,मजे से कटता जीवन।। - **अंजलि यादव**

चाह कर भी मैं चल नहीं

चाह कर भी मैं चल नहीं पाता वापस खुद में सिमट जाता हूं संबंधों रिस्तों के आंकलन में खुद को बहुत निरीह पाता हूं चाहता हूं मैं सब जग को जीना किन्तु पीछे बस पीछे छूट जाता हूं क्या करूं क्या ना करूं मैं इस भंवर में ही रीत जाता हूं सब खोकर कुछ तो पा सकूं मैं इस उम्मीद पर मैं जीता जाता हूं। - **ललित उपाध्याय**

राशि फल

पं. देवव्रत शर्मा

मेष : आज का दिन कार्य सफलता वाला रहेगा लेकिन आज आपको लक्ष्य बनाए कर कार्य करना पडेगा तभी सफलता निश्चित होगी।

वृषः आज का दिन भाग्योन्नति वाला रहेगा। दिन का प्रथम भाग आलस्य की भेंट चढेगा परन्तु मध्यान से कार्यो में पूरी निष्ठा से जुट जाएंगे।

मिथुनः आज का दिन आपके लिये प्रतिकूल रहेगा। कार्य क्षेत्र पर धीमी गति से कार्य करने पर लोगो की आलोचना सुन्नी पड़ेगी।

कर्कः आज भी परिस्थिति आपके लिए सहायक बन रही है। दिन के आरम्भ से लेकर अंत तक आपकी दिनचार्य अन्य दिनों से अलग रहेगी।

सिंहः आज का दिन बीते कुछ दिनों की अपेक्षा में राहत प्रदान करेगा। दिन का आरम्भ घर मे धार्मिक कार्यो से होगा।

कन्याः आज आपका स्वभाव संपर्क में आने वालों को आश्चर्य चकित करेगा।

तुलाः आज के दिन आप मानसिक रूप से दुविधा में रहेंगे जिस भी कार्य को करने का प्रयास करेंगे उसमे कोई ना कोई व्यवधान आने से मन खिन्न होगा।

वृश्चिकः आज का दिन आपके लिये धन और ज्ञान वृद्धिकारक रहेगा। आज आप जिस भी कार्य को करेंगे उसमे अपनी कार्य कुशलता का परिचय देंगे।

धनुः आपके लिये आज का दिन शुभ रहेगा दिन के आरंभ में स्वास्थ्य चुस्त रहेगा मन मे धन संबंधित उलझन रहेगी लेकिन अकस्मात लाभ के समाचार मिलने से उत्साह बढ़ेगा।

मकरः आज के दिन आपके साथ आकस्मिक घटनाएं घटित होंगी इनका फल मिला जुला रहेगा।

कुंभः आज का दिन विषम परिस्थितियों वाला रहेगा मन मे बड़ी बड़ी योजनाए बनती रहेंगी।

मीनः आज आपका विवेकी व्यवहार कार्य क्षेत्र पर सम्मान दिलाएगा लेकिन घर के सदस्यों के प्रति सनकी मिजाज रहने के कारण आपसी मतभेद रहेंगे।

सूर्योदय : 06:39, सूर्यास्त : 05:42, चन्द्रोदय : 13:40, चन्द्रास्त :24:35, अयन : दक्षिणायणे (दक्षिण गोले), ऋतु : हेमन्त, शक सम्वत : 1947 (विश्वावसु), विक्रम सम्वत : 2082 (सिद्धार्थी), मास : कार्तिक, पक्ष : शुक्ल, तिथि : नवमी, नक्षत्र : धनिष्ठा, योग : गण्ड, प्रथम करण : बव (10:06 तक), द्वितीय करण : बालव (22:10 तक)।

॥ गोचर ग्रहाः ॥

सूर्य : तुला, चंद्र : मकर, मंगल : वृश्चिक (उदित, पूर्व, मार्गी), बुध : वृश्चिक (उदय, पूर्व, मार्गी), गुरु : कर्क (उदित, पूर्व, मार्गी), शुक्र : कन्या (उदित, पश्चिम, मार्गी), शनि : मीन (उदय, पूर्व, वक्री), राहु : कुम्भ, केतु : सिंह।

QUIZ TIME

1) सीमा शुल्क किस प्रकार का कर है?

2) भारत का पहला वाणिज्यिक बैंक कौन सा था?

3) हाल ही में मंगल ग्रह के लाल रंग का संबंध किस लौह-युक्त खनिज से पाया गया है?

4) हाल ही में खबरों में रही ऋषिकुल्या नदी किस राज्य से होकर बहती है?

5) हाल ही में किस राज्य में एक दुर्लभ पेट्रीफाइड जीवाश्म पाया गया है?

Ramaquiz

उत्तरमाला- (1) अप्रत्यक्ष कर (2) बैंक ऑफ हिंदुस्तान (3) फेरीहाइड्राइट (4) ओडिशा (5) झारखंड

शब्द सागर

शब्द सामर्थ्य - 213

विकसित बस्तर की परिकल्पना को साकार करने हेतु कृषि एवं आनुशांगिक सेक्टरों की अहम भूमिका

■ बीज उत्पादन के लिए महिला कृषकों को जोड़ने पर बल

दंतेवाड़ा / नवप्रदेश। विकसित बस्तर की परिकल्पना को साकार करने के लिए कृषि क्षेत्र सहित आनुशांगिक सेक्टरों की अहम भूमिका है। यह बस्तर के समग्र विकास की धुरी है। इसे मद्देनजर रखते हुए मक्का एवं मिलेट्स फसलों, दलहन-तिलहन फसल क्षेत्र विस्तार, मसाला फसलों के रकबा विस्तार के लक्ष्य को हासिल करने पर ध्यान केंद्रीत करें। साथ ही बस्तर में जैविक खेती की अपार संभावनाओं को देखते हुए जैविक खेती को ज्यादा प्रोत्साहित करने सहित यहां की अनुकूल वातावरण के मद्देनजर कॉफी एवं ऑयल पाम की खेती को बढ़ावा दिया जाए। वहीं पशुपालन और मत्स्यपालन एवं झींगापालन के लिए व्यापक स्तर पर पहल किया जाए। उक्त निर्देश कृषि उत्पादन आयुक्त शहला निगार ने दंतेवाड़ा में आयोजित संभाग स्तरीय खरीफ समीक्षा सहित रबी 2025 की तैयारी की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को दिए। उन्होंने रबी 2024 की तुलना में रबी 2025 के कार्ययोजना का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित कर क्षेत्राच्छादन में वृद्धि करने पर बल देते हुए नियमित तौर पर समीक्षा किए जाने के निर्देश कलेक्टर्स तथा अन्य अधिकारियों को दिए।

जैविक खेती को प्रोत्साहन देने पर बल

कृषि उत्पादन आयुक्त ने बस्तर में जैविक खेती की अपार संभावनाओं को रेखांकित करते हुए कहा कि यहां की भूमि की उर्वरता और वातावरण जैविक खेती के लिए काफी अनुकूल है। इसलिए अधिकाधिक किसानों को जैविक खेती करने के लिए प्रोत्साहित करें और उन्हें हरसंभव मदद सुलभ कराया जाए। उन्होंने नेशनल मिशन आन नेचुरल फार्मिंग के लिए भी बस्तर को उपयुक्त निरूपित करते हुए इस दिशा में तैयार कार्ययोजना का कारगर कार्यान्वयन किए जाने के निर्देश दिए। साथ ही कलस्टर के आधार पर सम्पूर्ण चयनित क्षेत्र के मृदा परीक्षण करने सहित मृदा स्वास्थ्य कार्ड प्रदाय किए जाने कहा। कृषि उत्पादन आयुक्त ने पांच वर्ष के भीतर की विभिन्न किस्मों के रकबा विस्तार के लिए भी प्राथमिकता के साथ क्रियान्वयन सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए।

सिंध समाज के ईष्टदेव पर आपत्तिजनक टिप्पणी....

■ सिंध समाज ने अमित बघेल के खिलाफ़ कड़ी कार्यवाही की मांग लेकर कोतवाली पुलिस को सौंपा ज्ञापन

कांकेर/ नवप्रदेश। पूज्य सिंधी पंचायत कांकेर ने छत्तीसगढ़ क्रांति सेना के अध्यक्ष अमित बघेल द्वारा सिंधी समाज एवं सिंध समाज के आराध्य इष्टदेव भगवान झूलेलाल जी को लेकर अभद्र आपत्तिजनक टिप्पणी किए जाने के विरोध में कांकेर सिंध समाज सिंधु महिला विंग (सुनहरे कदम)

सिंधु युवा विंग ने कोतवाली पुलिस को ज्ञापन सौंपकर आरोपी पर कड़ी कार्यवाही मांग किया गया है। ज्ञापन सौंपने पश्चात सिंध समाज संरक्षक ध्यानचंद केवलरमानी डॉक्टर लालवानी अशोक वलेचा कांकेर सिंध समाज अध्यक्ष राकेश आहूजा राधाकृष्ण मोटवानी अजय पप्पू मोटवानी दिलीप खटवानी मुकेश खटवानी शंकर आहूजा ने बताया कि विगत दिनों राजधानी रायपुर में छत्तीसगढ़ महतारी की मूर्ति खंडित होने की घटना के दौरान अमित बघेल नामक व्यक्ति द्वारा सोशल मीडिया एवं सार्वजनिक मंचों पर हमारे सिंथी समाज के आराध्य ईष्टदेव भगवान झूलेलाल जी तथा अन्य समाजो के प्रति अत्यंत अभद्र अमयर्यादित एवं आपत्तिजनक टिप्पणियां की गई जो पूर्णतः निंदनीय, अस्वीकार्य एवं दंडनीय हैं।

संक्षिप्त खबरें...

ग्राम चैनपुर भूमि मद परिवर्तन पर आम जनता से आपत्तियां आमंत्रित

एमसीबी/ नवप्रदेश। तहसील मनेन्द्रगढ़ अंतर्गत ग्राम चैनपुर के खसरा नंबर 19/1 रकबा 0.19 हेक्टेयर भूमि के मद परिवर्तन की प्रक्रिया प्रारंभ की गई है। अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) मनेन्द्रगढ़ द्वारा जारी पत्र के माध्यम से इस भूमि को ÷पानी के नीचे मद÷ से ÷काबिल काश्त मद÷ में परिवर्तित करने के संबंध में प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया है। तहसीलदार मनेन्द्रगढ़ एवं संबंधित हल्का पटवारी द्वारा किए गए स्थल निरीक्षण के अनुसार उक्त भूमि बंदोबस्त वर्ष 1944-45 में पानी के नीचे मद के रूप में दर्ज थी, परंतु वर्तमान में भूमि पर किसी प्रकार की प्राकृतिक जल संरचना नहीं पाई गई है और ग्रामवासियों द्वारा निस्तार प्रयोजन हेतु भी इसका उपयोग नहीं किया जा रहा है। वर्तमान स्थिति में इस भूमि पर कृषि कार्य किया जा रहा है। ग्राम पंचायत चैनपुर ने भी ग्रामसभा में प्रस्ताव पारित कर मद परिवर्तन के समर्थन में अपना मत प्रकट किया है। छत्तीसगढ़ भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 237 (4) के अंतर्गत इस भूमि को ÷पानी के नीचे मद÷ से ÷काबिल काश्त मद÷ में परिवर्तित किए जाने की अनुशंसा की गई है। अतः इस संबंध में यदि किसी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वह स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से 13 नवंबर 2025 तक न्यायालय में दावा या आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। नियत तिथि के बाद प्राप्त आपत्तियों पर किसी प्रकार का विचार नहीं किया जाएगा। यह सूचना विगत 28 अक्टूबर 2025 को जारी की गई थी ।

अंतागढ़ क्षेत्र में अति बारिश से फसलों को भारी नुक़सान

अंतागढ़ / नवप्रदेश। फसलों की मुवाजा व फसल बीमा का लाभ किसानों को मिले - राकेश गुप्ता नेता प्रतिपक्ष नगर पंचायत अंतागढ़, नगर पंचायत अंतागढ़ के नेता प्रतिपक्ष राकेश गुप्ता द्वारा प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि , अंतागढ़ ब्लॉक क्षेत्र में लगातार बेमौसम बारिश से फसलों को भारी नुक़सान हो रहा है जिससे किसानों को भारी मुसीबतों का सामना करना पड़ रहा है मुख्य फसल धान का संग्रहण नहीं कर पा रहे हैं धान का फसल बहुत खराब हो रहे हैं सरकार को धान व अन्य फसलों का सर्वे कर किसानों को फसल क्षतिपूर्ति राशि व फसल बीमा देना चाहिए किसान बारिश के फसलों के लिए बैंकों से लोन लेकर बडी मेहनत से फसलों का पालन पोषण कर फ़सल तैयार किया है लेकिन अंत में बेमौसम अति बारीश ने मेहनत पर पानी फेर दिया जिससे मेहनतकश किसानों कि मांथे पर चिंता की लकिर छा गई है सरकार से मांग कर है कि किसानों को फसल क्षतिपूर्ति राशि व फसल बीमा राशि का लाभ दिलाकर किसानों कि मांथे की चिंता को दुर करें।

राकेश गुप्ता नेता प्रतिपक्ष नगर पंचायत अंतागढ़

अखिल भारतीय कुमी क्षत्रिय महासभा का आयोजन आज

कांकेर / नवप्रदेश। अखिल भारतीय कुमी क्षत्रिय महासभा कानपुर से सम्बद्ध कांकेर ज़िला अध्यक्ष सुनील परेल ने बताया कि सरदार वल्लभभाई पटेल जी लौह पुरूष का जयंती कार्यक्रम समारोह बस्तर संभागीय स्तर पर 31 अक्टूबर 2025 स्थान पुराना कम्यूनिटी हॉल कांकेर में रखा गया है। जिसमें कार्यक्रम विवरण सांस्कृतिक कार्यक्रम मेधावी छात्राओं का सम्मान वरिष्ठो का सम्मान महिलाओं का गठन किया जाएगा। इस अवसर पर अखिल भारतीय कुमी क्षत्रिय महासभा कांकेर जिले के समस्त लोगो से कार्यक्रम में शामिल होकर कार्यक्रम को सफल बनाने का आग्रह किया है।

पैतृक जमीन की लूट पर कांग्रेस का बड़ा आरोप

■ विस्थापित हुए पांच परिवारों की 127 एकड़ पैतृक भूमि पर उद्योगपति का कब्जा!

बीजापुर / नवप्रदेश। सलवा जुडुम के दौरान विस्थापितों की पैतृक जमीनें अब उद्योगपतियों की लालच का शिकार बन रहे हैं। बीजापुर के विधायक विक्रम मंडावी ने जिला मुख्यालय बीजापुर में आयोजित प्रेस वार्ता में गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि भैरमगढ़ राहत शिविरों में रह रहे पांच ग्रामीणों की कुल 127 एकड़ पैतृक भूमि को रायपुर निवासी उद्योगपति महेन्द्र गोयनका ने भूस्वामियों को बहला-फुसलाकर खरीद लिया, जबकि भूस्वामियों को इसकी कोई जानकारी तक नहीं थी। विधायक ने इसे सुनियोजित धोखाधड़ी करार देते हुए उच्च स्तरीय जांच करने और जमीनों की तत्काल वापसी की मांग डबल इंजन की सरकार से की है। उन्होंने प्रेस वार्ता में कहा कि प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की डबल इंजन की सरकार बने दो वर्ष होने को है तब से लगातार हम इस बात को कहते रहे हैं कि भारतीय जनता पार्टी की डबल इंजन की सरकार बनने के बाद भारतीय जनता पार्टी के संरक्षण में बस्तर के जल, जंगल और जमीनों को लूटने का काम हो रहा है। भारतीय जनता पार्टी के संरक्षण उद्योगपतियों की नजर बस्तर के बहुमूल्य खनिज संसाधनों और बस्तर के जल, जंगल और जमीनों पर है, वर्तमान में इन सभी बातों को लेकर बस्तर की जनता और हम सब चिंतित हैं।

प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए विधायक विक्रम मंडावी ने कहा कि अबूझमाड़ क्षेत्र से सटे बीजापुर जिले के ग्राम धर्मा, बैल, छोटेपल्ली और मरकापाल के निवासी सलवा जुडुम के दौरान अपने घर-गांव छोड़कर भैरमगढ़ राहत शिविरों में आकर रह रहे थे। इंद्रावती नदी के उस पार बसे इन गांवों की पैतृक जमीनें ही इनकी आजीविका का एकमात्र आधार थीं। लेकिन शिविरों में रहते हुए इन ग्रामीणों को यह भी पता नहीं चला कि उनकी बेशकीमती उपजाऊ भूमि को चोरी-छिपे बेच दिया गया।

विक्रम मंडावी ने आगे कहा जब भूस्वामियों को इसकी जानकारी मिली तो वे पूछताछ करने लगे तो पता चला कि रायपुर का उद्योगपति महेन्द्र गोयनका ने भूस्वामियों को बहला-फुसलाकर अपनी बातों में फंसाया और सारी जमीन खरीद ली। इनसे न कोई सहमति ली गई और ना ही किसी ने कोई जानकारी दी इन्हें धोखे में रखकर ग्रामीणों की जमीनों की ख़रीदी बिक्री की गई !

विधायक विक्रम मंडावी ने प्रेस वार्ता में प्रभावित भूस्वामियों के नाम और उनकी जमीन का पूरा ब्यौरा दिया जो इस प्रकार है- चेतन नाग पिता संपत नाग ग्राम- धर्मा कुल भूमि- 12 एकड़, घस्सू राम पिता लक्षिन्दर ग्राम- बैल कुल भूमि- 29 एकड़, पीला राम, पिता गेटू- ग्राम- बैल कुल भूमि- 18 एकड़, लेदरी सेठिया ग्राम- छोटेपली कुल भूमि- 40 एकड़ और बीरबल पिता बेदे ग्राम- मरकापाल, कुल भूमि-10 एकड़ इस तरह कुल 127 एकड़ भूमि है।

मंडावी ने आरोप लगाते हुए आगे कहा, ये सभी ग्रामीण अशिक्षित हैं। इन्हें न कानून की जानकारी है, न दस्तावेजों की समझ। कोई भी व्यक्ति अपनी जीवन भर की पूंजी को एक झटके में नहीं बेचता। पारिवारिक जरूरतों के लिए थोड़ी जमीन बेची जा सकती है, लेकिन पूरी पैतृक संपत्ति का सौदा? यह असंभव है, यह स्पष्ट धोखाधड़ी है।

बस्तर ओलंपिक में पैराडाइज स्कूल का उत्कृष्ट प्रदर्शन..

■ छात्र-छात्राओं ने जीते विभिन्न मेडल एवं शील्ड

कांकेर / नवप्रदेश। पैराडाइज हायर सेकेण्डरी स्कूल सी.बी.एस.ई. स्कूल के लगभग 100 छात्र-छात्राओं ने बस्तर ओलंपिक 2025 में विभिन्न एकल एवं सामूहिक खेलकूद में भाग लेकर उत्कृष्ठ प्रदर्शन कर विभिन्न पुरस्कार एवं मेडल तथा शील्ड प्राप्त किया। पैराडाइज स्कूल के 14 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के छात्र-छात्राओं ने वॉलीबॉल, फुटबॉल, खो-खो, कबड्डी, दौड़, लम्बी कूद, ऊची कूद, भाला फेंक आदि विभिन्न खेलों मे भाग लेकर अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुये निम्न स्थान बनाकर अच्छा खेल प्रदर्शन किया। एकल खेल में कुनाल यादव ऊँची कूद में प्रथम व लम्बी कूद मे तृतीय स्थान प्राप्त किया। मानसी साहू बास्केटबॉल में द्वितीय स्थान प्राप्त की। पायल दिवाकर 100 किलोमीटर दौड़ में तृतीय स्थान प्राप्त की। शॉटपुट में मंयक गावड़े ने तृतीय स्थान प्राप्त किया तथा सामूहित खेलकूद सीनियर बालिका वर्ग बालीबॉल में सोनम नाग, युक्ता यादव, आकांक्षा नरेटी, अनिशा भास्कर, मसर्रत फातिमाह, आयुषी रजक, दीप्ती मण्डावी, झरना यादव, अनुष्का मेश्राम, पायल दिवाकर ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। सीनियर वर्ग कबड्डी में रेणुका नेताम, अनोखी पवार, साक्षी रमानी, खुशबू नेताम, लीचि जैन, पायल दिवाकर, ने तृतीय स्थान प्राप्त किये। सामूहित खेलकूद सिनियर वर्ग बालक ने खो-खो में डिकेश साहू, कुनाल यादव, मंयक गावड़े, देवाशीष मरकाम, खुशाल कांगे, दानेश्वर नेताम, दक्ष रजक, देवेश यादव, नोमेश कुमार साहू, प्रजंल नेताम, लक्ष्य उइके, बलराम सलाम ने द्वितीय स्थान प्राप्त कर उत्कृष्ठ प्रदर्शन कर अपना एवं पैराडाइज स्कूल का नाम रोशन किया।

खेलेगा बस्तर बढ़ेगा बस्तर की भावना के साथ शुरू हुआ विकासखंड स्तरीय खेल महोत्सव

■ सांसद भोजराज नाग ने किया फीता काटकर शुभारंभ

■ अंतागढ़ में उन्मुक्त खेल मैदान बना खेल भावना और सांस्कृतिक एकता का केंद्र

अंतागढ़ / नवप्रदेश। 30 से 31 अक्टूबर दो दिवसीय विकासखंड स्तरीय बस्तर ओलंपिक खेलकूद महोत्सव 2025 का भव्य आयोजन अंतागढ़ के उन्मुक्त खेल मैदान में किया जा रहा है इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कांकेर लोकसभा सांसद भोजराज नाग रहे वही विशिष्ट अतिथि के रूप में मनोरमा मंडावी जनपद पंचायत अध्यक्ष, कुबल भूसाखरे उपाध्यक्ष जनपद पंचायत अंतागढ़ जनपद सदस्य धरम सिंह बघेल,शारदा उसेंडी,मंगलू राम हिड़को,राजेश्वरी जैन,सुमनलता आंचला, ज्योति उयके,प्रमिला मरापी,शांति ध्रुव, धन्तेश्वरी वट्टी,हेमलता गावड़े,धनु ध्रुव,जिला पंचायत सदस्य गुप्तेश उसेंडी, नगर पंचायत अध्यक्ष राधेलाल नाग उपाध्यक्ष अमल नरवास सहित भाजपा के वरिष्ठ व कनिष्ठ कार्यकर्ता सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। प्रशासनिक रूप से कार्यक्रम में जनपद सीईओ सुश्री श्वेता साहू अपर कलेक्टर अंजोर सिंह पैकरा तहसीलदार बीरेंद्र नेताम, खंड शिक्षा अधिकारी संजय ठाकुर सभी हायर सेकेण्डरी स्कूल प्राचार्य ,एवं अन्य विभागों के कर्मचारी मौजूद रहे।इस बस्तर ओलंपिक में कबड्डी, खो-खो, फुटबॉल, वॉलीबॉल, 100-200-400 मीटर दौड़, लम्बी कूद, ऊँची कूद, भाला फेंक, गोला फेंक, रस्साकशी, पारंपरिक तीरंदाजी, फुगड़ी, गेंड़ी दौड़ सहित अनेक स्थानीय एवं एथलेटिक खेलों का आयोजन किया जा रहा है सबसे पहले भारत माता धरती माता की पूजा-अर्चना कर परंपरागत विधि-विधान के साथ खेल का शुभारंभ किया गया। इसके पश्चात 100 मीटर दौड़ का सांसद भोजराज नाग के द्वारा फीता काटकर एवं हरी झंडी दिखाते हुए प्रतियोगिताओं की औपचारिक शुरुआत की गई।

सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर निकलेगी 'यूनिटी मार्च'

कोरिया / नवप्रदेश। लौह पुरुष एवं देश के प्रथम उप प्रधानमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर कोरिया जिले में यूनिटी मार्च सहित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस संबंध में आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित प्रेस वार्ता में अपर कलेक्टर श्री सुरेन्द्र प्रसाद वैद्य, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री मोहित पैकरा एवं उपाध्यक्ष श्रीमती वंदना राजवाड़े में जानकारी साझा की।

प्रेस वार्ता में बताया गया कि भारत सरकार के निर्देशानुसार 31 अक्टूबर 2025 से 25 नवम्बर 2025 तक जिला स्तरीय पद यात्रा कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसी क्रम में कोरिया जिले में 12 नवम्बर 2025 को यूनिटी मार्च निकाला जाएगा। यह मार्च लगभग 7 किलोमीटर लंबा होगा, जो शासकीय आदर्श रामानुज उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बैकुंठपुर से प्रारंभ होकर जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय, कलेक्टोरेट परिसर होते हुए सेजेस खरवत परिसर में समापन होगा। इस मार्च में लगभग एक हजार प्रतिभागियों के शामिल होने की संभावना है, जिनमें जनप्रतिनिधि, अधिकारी, गणमान्य नागरिक एवं छात्र-छात्राएं शामिल होंगे।

खेल एवं युवा कल्याण विभाग के जिला अधिकारी श्री जितेंद्र गुप्ता ने बताया कि 31 अक्टूबर को सुबह 7 से बैकुंठपुर के कुमार चौक से यूनिटी मार्च निकाली जाएगी। मार्च में मुख्य रूप से छात्र-छात्राओं, युवाओं, जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहेंगे।

मार्च के दौरान स्वच्छता पर विशेष ध्यान देते हुए मार्ग में साफ-सफाई कराई जाएगी। साथ ही, छात्रों द्वारा सरदार पटेल के जीवन पर आधारित नुक्कड़ नाटक एवं राष्ट्रीय एकता पर विशेष नृत्य कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे।

सेजेस खरवत परिसर में स्वास्थ्य विभाग द्वारा स्वास्थ्य शिविर, राष्ट्रीय एकता शपथ, माल्यार्पण, सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे।

इसके अतिरिक्त, कार्यक्रम श्रृंखला के तहत 31 अक्टूबर 2025 को विद्यालयों/महाविद्यालयों में निबंध एवं वाद-विवाद प्रतियोगिता, 06 नवम्बर 2025 को स्वच्छता अभियान, 07 नवम्बर 2025 को रंगोली एवं चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी।

प्रथम पेज का शेष

राज्योत्सव 2025: छत्तीसगढ़ के ...

स्थापना दिवस समारोह को सफल और ऐतिहासिक बनाने के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय लगातार समीक्षा बैठकें कर रहे हैं। कार्यक्रम की निगरानी की जिम्मेदारी डिप्टी सीएम अरुण साव, वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी और वन मंत्री केदार कश्यप को दी गई है।

वहीं पार्टी संगठन की ओर से प्रदेश महामंत्री अखिलेश सोनी और क्रेडा चेयरमैन भूपेंद्र सिंह सवन्नी को कार्यकर्ताओं की व्यापक उपस्थिति सुनिश्चित करने का दायित्व सौंपा गया है। अनुमान है कि इस आयोजन में करीब एक लाख लोग शामिल होंगे।

16 पार्किंग स्थल बनाए गए

भीड़ और जाम से बचने के लिए प्रशासन ने 16 पार्किंग स्थल बनाए हैं, जो मेला स्थल से लगभग एक किलोमीटर की दूरी पर होंगे। यहां 10 हजार बाइक, 5 हजार बसें और 3 हजार कारें पार्क की जा सकेंगी।

पार्किंग से लोगों को लाने-ले जाने 100 ई-रिक्शे लगेंगे

राज्योत्सव समारोह में आने वाले लोग कहीं भी ट्रैफिक जाम न फंसे और आने-जाने वालों को कोई दिक्कत न हो। इसलिए नवा रायपुर में 16 जगहों पर पार्किंग स्थल बनाए गए हैं।

ये सभी पार्किंग मेला स्थल से एक से सवा किमी दूरी पर हैं। पार्किंग से मेला स्थल पहुंचने के लिए लोगों को किसी भी तरह की तकलीफ न हो इसलिए वहां हर दिन 100 ई-रिक्शों के साथ ही बसें भी तैनात की जाएंगी। लोग इन पर निशुल्क यात्रा कर मेला स्थल में पहुंच सकेंगे।

माओवादियों में फूट: चंद्रन्ना ...

चंद्रन्ना ने 28 अक्तूबर को हैदराबाद में जाकर आत्मसमर्पण करते हुए लाल सलाम का नारा लगाया था, जिसे नक्सलियों ने आत्मसमर्पण करने से पूर्व उसे ढकोसला करार दिया है, नक्सली संगठन ने कहा है कि चंद्रन्ना खुद को क्रांतिकारी कहने का अधिकार खो चुका है।

नालंदा में बोले राहुल गांधी...

उन्होंने बिहार के लोगों को मेहनती बताते हुए कहा कि यहां के लोग सभी प्रदेशों में दिखाई देते हैं। बिहार के लोगों ने दुबई, बेंगलुरु, मुंबई जैसे कई शहरों में इंफ्रास्ट्रक्चर को अपने खून-पसीने से बनाया है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल है कि आखिर बिहार में क्या कमी है कि बिहार के लोगों की यही ऊर्जा और क्षमता बिहार को बनाने में नहीं लग पा रही है? उन्होंने बिहार में पेपर लीक को लेकर सरकार को घेरते हुए कहा कि यहां के युवा सपना देखते हैं और उन सपनों को पूरा करने के लिए प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी भी करते हैं, लेकिन परीक्षा के पहले ही पेपर लीक हो जाता है। कुछ खास लोगों को परीक्षा के पहले पेपर मिल जाते हैं।

हमारे पास ब्लू इकोनॉमी ...

सुधारों और लोगों की भागीदारी के साथ इस सेक्टर में कई बड़े बदलाव हुए हैं। इन बदलावों के साथ मैरीटाइम सेक्टर मॉडर्न इंफ्रास्ट्रक्चर, ग्लोबल ट्रस्ट और राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक बन गया है।

जो लोग आस्था का सम्मान...

कि अयोध्या जाकर अगर वे श्रीराम के दर्शन करेंगे, तो उनका वोट बैंक नाराज हो जाएगा, तुष्टिकरण का गणित बिगड़ जाएगा, और ये घुसपैठिए उनके माथे पर चढ़ जाएंगे। उन्होंने राजद और कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि लालटेन वाले, पंजे वाले या उनके इंडी गठबंधन के साथी ये लोग बिहार और बिहारियों का अपमान करते हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के पंजाब के एक मुख्यमंत्री थे, जिन्होंने एक रैली में खुला ऐलान किया कि बिहार के लोगों को वे अपने राज्य पंजाब में घुसने नहीं देंगे। उन्होंने बिना किसी का नाम लिए कहा कि उस समय मंच पर गांधी परिवार की एक बेटी, जो आजकल पार्लियामेंट में बैठती हैं, वह इस पर खुश होकर तालियां बजा रही थीं। उन्होंने कहा कि कर्नाटक में कांग्रेस के नेता बिहार को गाली देते रहते हैं। तमिलनाडु में डीएमके के लोग बिहार के मेहनतकश लोगों को प्रताड़ित करते हैं। इतना सब कुछ हो रहा है और बिहार में राजद को सांप सूंघ जाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आए लोगों से संकल्प करवाते हुए कहा कि जंगल राज से बिहार दूर रहेगा। उन्होंने युवाओं का आह्वान करते हुए कहा, पहली बार वोट देने जा रहे हैं। मैं उन सभी युवाओं से कहना चाहता हूं, मैं सभी मतदाताओं से कहना चाहता हूं कि आपको अपने वोट की कीमत पहचाननी है। मैं आपको बताना चाहता हूं कि आपके माता-पिता के एक वोट ने बिहार को जंगलराज से मुक्ति दिलाई और बिहार को सुशासन की ओर ले गए। यह आपके पिताजी और माताजी के वोट की ताकत थी, अब बारी आपकी है। अब आपके एक वोट से सुशासन को समृद्धि में बदलने का समय है।

उन्होंने रोजगार योजना की चर्चा करते हुए कहा कि जिसे कोई नहीं पूछता है, उसे मोदी पूजता है। उन्होंने कहा कि बिहार अब रुकेगा नहीं, बिहार तेज रफ्तार से आगे बढ़ेगा। इससे पहले उन्होंने मुजफ्फरपुर में एक रैली को संबोधित किया।

एसीबी का एसडीएस...

पर एसीबी ट्रैप की योजना तैयार की, जिसके बाद आज प्रार्थी को रिश्वती रकम 180000 रुपए आरोपीगण को देने भेजा गया. रिश्वत राशि हाथ में लेते ही बिलासपुर एसीबी डीएसपी अजितेश सिंह के नेतृत्व में आसपास तैनात एसीबी बिलासपुर की टीम द्वारा अमीन पटवारी बिहारी सिंह और ऑपरेटर राजकुमार देवांगन को पकड़ लिया गया। अचानक हुई कार्यवाही से आसपास हड़कंप सा मच गया. पकड़े गए आरोपी से रिश्वत की रकम 1लाख 80 हजार रुपए जप्त कर एसीबी ने दोनों आरोपी के विरुद्ध धारा 7, 12 भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 के तहत कार्रवाई की जा रही है. एसीबी इकाई बिलासपुर की पिछले 1.5 साल में यह लगातार 36 वीं ट्रैप की कार्रवाई है।

ठेकेदार से बिल पास ...

पूरा करने के बाद बिल पास कराने के लिए कई बार कार्यालय के चक्कर लगाए। इस दौरान सब इंजीनियर बंजारे ने भुगतान के लिए 21,000 की मांग की। रिश्वत मांग से परेशान ठेकेदार ने अंबिकापुर एसीबी कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई।

शिकायत की पुष्टि के बाद एसीबी ने जाल बिछाया और तय समय पर जैसे ही बंजारे ने रिश्वत की राशि ली, टीम ने उन्हें केमिकल लगे नोटों के साथ रंगे हाथों पकड़ लिया।

घर पर भी रेड, संपत्ति की जांच जारी

गिरफ्तारी के बाद एसीबी की टीम ने सब इंजीनियर के मनेंद्रगढ़ स्थित घर में छापा मारा. सूत्रों के अनुसार, जांच के दौरान बेहिसाब संपत्ति और अवैध लेनदेन से जुड़े दस्तावेज मिलने की संभावना है. तलाशी कार्रवाई देर रात तक जारी रहने की उम्मीद है।

अमर्यादित टिप्पणी पर अग्रवाल समाज में भड़का आक्रोश

❒ कड़ी चेतावनी: दो दिन में गिरफ्तारी नहीं तो 'नगर बंद' और 'चक्का जाम'

अग्रवाल समाज हुआ लामबंद: सड़क से थाने तक गूंजी विरोध की आवाज

पिथौरा/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ क्रांति सेना के प्रमुख अमित बघेल द्वारा भाजपा के संस्थापक पं. दीनदयाल उपाध्याय, सिंधी समाज, और युग प्रवर्तक, अग्रवाल समाज के आराध्य महाराजा अग्रसेन जी महाराज के विरुद्ध सार्वजनिक रूप से की गई अत्यंत आपत्तिजनक और अमर्यादित टिप्पणी ने समूचे छत्तीसगढ़ और देश के अग्रवाल समाज को उग्र कर दिया है। बघेल के इस कृत्य को समाज ने अपनी आस्था और मर्यादा पर सीधा हमला माना है, जिसके कारण प्रदेशभर में जबरदस्त आक्रोश व्याप्त है और विरोध प्रदर्शनों की लहर उठ खड़ी हुई है।

अमित बघेल के खिलाफ विरोध की चिंगारी राजधानी रायपुर से शुरू होकर अब पूरे प्रदेश में फैल चुकी है, जिससे विभिन्न शहरों में अग्रवाल समाज लामबंद हो गया है। इसी तारतम्य में, पिथौरा नगर में आज, बुधवार, दिनांक 29.10.2025 को, अग्रवाल समाज के लोग कड़े शब्दों में अपना विरोध दर्ज कराने के लिए सड़कों पर उतरे।

सुबह से ही सांकरा, झलप, तेंदुकोना और बया जैसे आसपास के क्षेत्रों समेत पिथौरा नगर के हज़ारों अग्रवाल बंधु एकजुट हुए। समाज के लोगों ने प्रचंड आक्रोश व्यक्त करते हुए, अमित बघेल के खिलाफजोरदार नारेबाजी की और एक विशाल रैली की शक्ल में पिथौरा थाना की ओर कूच किया। यह प्रदर्शन समाज के सहनशीलता की सीमा पार होने का स्पष्ट संकेत था। पिथौरा थाना पहुंचकर, अग्रवाल समाज के प्रतिनिधिमंडल ने थाना प्रभारी उमेश वर्मा को तत्काल गिरफ्तारी और उचित धाराओं में कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग करते हुए एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन सौंपते समय, अग्रवाल समाज ने प्रशासन को दो टूक चेतावनी दी है। पिथौरा अग्रवाल समाज के अध्यक्ष अनूप अग्रवाल ने अमित बघेल के बयान पर घोर निंदा व्यक्त करते हुए कहाः हमारे इष्ट देव, हमारे आराध्य, महाराजा अग्रसेन जी महाराज के प्रति वैमनस्यता (कटुता/घृणा) की भावना अमित बघेल द्वारा फैलाई जा रही है, जो कि अत्यंत निंदनीय है। छत्तीसगढ़ जैसे शांत प्रदेश की फिज़ा में यह व्यक्ति जानबूझकर जहर घोल रहा है। यह कृत्य कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। हम प्रशासन को स्पष्ट कर देना चाहते हैं कि यदि दो दिन के भीतर अमित बघेल की गिरफ्तारी नहीं होती है, तो समूचा अग्रवाल समाज उग्र आंदोलन करने, नगर बंद करने और सड़क पर उतरकर चक्का जाम करने के लिए बाध्य होगा। समाज ने यह स्पष्ट कर दिया है कि अपनी आस्था और सम्मान की रक्षा के लिए वे किसी भी हद तक जाने को तैयार हैं।

पौधे काटने के आरोप में 23 गिरफ्तार

महासमुंद/नवप्रदेश। सिरपुर परिक्षेत्र के कक्ष क्रमांक 80 पेड़ पौधे को काटे के आरोप वन विकास निगम अमला ने मांझी सेना के 23 लोगों के खिलाफ भारतीय वन संरक्षण अधिनियम के तहत गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया है। छत्तीसगढ़ राज्य वन विकास निगम बारनवापारा परियोजना मंडल रायपुर के सिरपुर परिक्षेत्र के कक्ष क्रमांक 80 में 159 अवैध पेड, पौधे की कटाई एवं साफ- सफाई कर मेड़ बनाने के आरोप में वन विकास निगम ने मांझी सेना के 23 लोगों को भारतीय वन अधिनियम 1927 की धारा 26(1)(क),(च),(ज) के तहत गिरफ्तार कर आज न्यायालय में पेश किया। सहायक वन परिक्षेत्र अधिकारी चंद्रहास साहू ने बताया कि वन विकास निगम के कक्ष क्रमांक 80, जो कि आरक्षित क्षेत्र में आता है, जिसमें लगे 159 मिश्रित पौधों को रायकेरा के कुछ लोगों के द्वारा अवैध रुप से जंगल में कटाई कर फावडा से लगभग 2.33 हेक्टेयर में साफ- सफाई कर मेड़ बना लिया गया है। जिसे लेकर इन्हे समझा गया था, लेकिन लोग नही माने। आज 20 महिला व 03 पुरुष को गिरफ्तार कर प्रकरण बनाकर न्यायालय में पेश किया है, वही गिरफ्तार मांझी सेना के लोगों का कहना है कि हमने पेड़ नही काटे है, अपने बच्चों के लिए छोटे- छोटे झाड़ को साफकर खेती के लिए मेड बनाये है और फलदार पौधे लगाये है । गौरतलब है कि वन विकास निगम के अनुसार अवैध कटाई से शासन को 23 हजार 562 रुपये का नुकसान हुआ है। वन विकास निगम के प्रकरण में गिरफ्तार महिलाओं में कुछ महिलाएं पंच, मितानिन, आंगनबाडी सहायिका है।

न्यूज गैलरी

गुजराती समाज ने जलाराम जयंती पर निकाली शोभायात्रा

महासमुंद/नवप्रदेश। जलाराम जयंती के अवसर पर बुधवार को गुजराती समाज ने शहर में भव्य शोभायात्रा निकाली। शोभायात्रा स्टेशन मार्ग स्थित गुजराती समाज भवन से निकलकर शहर के प्रमुख चौक-चौराहों पर पहुंची। शोभायात्रा का जगह-जगह विभिन्न समाजजनों, राजनैतिक दलों ने स्वागत किया। शाम पांच बजे शोभायात्रा प्रारंभ हुई, जो नेहरू चौक, स्वामी चौक होकर गंजपारा गुजराती पारा होते हुए सामाजिक भवन पहुंची। शोभायात्रा के दौरान विभिन्न समाज और व्यापारिक संगठन की ओर से जगह-जगह स्वागत किया गया। शोभायात्रा में शामिल लोगों को जलपान कराया गया। इस दौरान प्रसाद वितरण किया जाता रहा। प्रमुख चौक-चौराहों पर लोगों ने शोभायात्रा का स्वागत किया और जलाराम बापा के चित्र पर माल्यार्पण किया। समाज के युवक-युवतियां भजनों की धुन पर थिरकते रहे।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बैज से मिले नपाध्यक्ष साहू

महासमुंद/नवप्रदेश। नगर पालिका अध्यक्ष निखिलकांत साहू ने रायपुर में प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष दीपक बैज से सौजन्य भेंट किया। इस दौरान श्री साहू ने प्रदेश अध्यक्ष को नगर पालिका क्षेत्र में हो रहे विकास कार्यों व अन्य विषयों की जानकारी दी। इस अवसर पर शाहबाज राजवानी, रत्नेश साहू, आर्यन गिलहरे आदि उपस्थित थे।

पूर्व नपा उपाध्यक्ष ने की जलाराम बाप्पा की शोभायात्रा का स्वागत

महासमुंद/नवप्रदेश। नगर में गुजराती समाज द्वारा संत शिरोमणि जलाराम बाप्पा की जयंती पर निकाली गई भव्य शोभायात्रा का स्वागत पूर्व नपा उपाध्यक्ष मनोजकांत साहू के नेतृत्व में किया गया। श्री साहू के नेतृत्व में सभी ने बाप्पा की पूजा कर समाज जनों को पर्व की बधाई दी। जलाराम बाप्पा ने सर्व समाज को निस्वार्थ सेवा व करुणा का संदेश दिया था।

स्वास्थ्य विभाग के नाक के नीचे जन स्वास्थ्य से होता रहा खिलवाड़

लाइसेंस के बिना चल रहे क्लीनिक को किया सील

महासमुंद/नवप्रदेश। राजस्व व स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त चार सदस्यीय टीम ने बुधवार को वार्ड 24 कुम्हारपारा स्थित श्रीराम केयर क्लीनिक को सील कर दिया। बता दें श्रीराम केयर क्लीनक वर्षों से यहाँ संचालित हो रहा था। यहां नाड़ी जांच कर मरीजों का आयुर्वेदिक व एलोपैथिक पद्धति से उपचार किया जा रहा था। कलेक्टर द्वारा जिले में अवैध रूप से संचालित क्लीनिक व नर्सिंग होम पर कार्रवाई के निर्देश के बाद बुधवार को राजस्व व स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त चार सदस्यीय टीम यहाँ पहुंची। निरीक्षण के दौरान उक्त क्लीनिक के संचालक एसएन गुप्ता ने नर्सिंग होम एक्ट अंतर्गत क्लीनिक संचालन के लिए लाइसेंस प्रस्तुत नहीं किया, जो नर्सिंग होम एक्ट का उल्लंघन पाया गया। क्लीनिक में जांच टीम को एलोपैथिक दवाइयां मिली और क्रय रिकॉर्ड नहीं मिला। जांच टीम ने नर्सिंग होम एक्ट के अंतर्गत बिना लाइसेंस के क्लीनिक संचालित करने पर क्लीनिक को सील कर दिया। जांच टीम में तहसीलदार जुगलकिशोर पटेल, बीएमओ डॉ. विकास चंद्राकर, नोडल अधिकारी डॉ छत्रपाल चंद्राकर व चिकित्सा अधिकारी डॉ घनश्याम साहू शामिल थे।

झोलाछाप डाक्टरों पर कार्यवाई जरूरी

बता दें कि पिछले कुछ वर्षों में जिले में झोलाछाप डॉक्टरों की भरमार हो गई है। ये सभी तीन से पांच साल किसी निजी अस्पतालों में कार्य करते हैं और काम सीख जाने के बाद ग्रामीण क्षेत्रों में अपनी दुकान खोलकर ईलाज करते हैं। कई तो घर पहुँच सेवा भी दे रहे हैं। इतना ही नहीं, इनके पास कोई वैध मेडिकल डिग्री भी नहीं होती न तो इंडियन मेडिकल काउंसिल से रजिस्टर्ड रहते और न ही आयुर्वेदिक या किसी अन्य चिकित्सा प्रणाली के प्रमाणित विशेषज्ञ। फिर भी, वे एलोपैथिक, आयुर्वेदिक और यहां तक कि इंजेक्शन वाली दवाओं का इस्तेमाल तक करते हैं। इनकी क्लीनिकों में दवाओं के साथ ही सिरिंज, टैबलेट्स, और तरह-तरह की दवाएं रहती है जिसके गलत इस्तेमाल से किसी की जान भी जा सकती। ऐसे छाला छाप डॉक्टरों के अलावा भी शहर में भी कई ऐसे क्लीनिक व छोटे अस्पताल हैं, जो नर्सिंग होम एक्ट का पालन नहीं कर रहे हैं। ऐसे लोगों पर भी प्रशासनिक कार्रवाई की जरूरत है।

अवैध शराब बिक्री के खिलाफ महिलाएं पहुंची कलेक्टोरेट

महासमुंद/नवप्रदेश। ग्राम पंचायत जंघोरा की महिलाओं ने क्षेत्र में हो रही अवैध शराब की बिक्री के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। कलेक्टोरेट कार्यालय पहुँच यहाँ कि महिलाओं ने आक्रोश व्यक करत हुए प्रशासन को चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही मुख्य मार्ग पर संचालित ढाबों में अवैध शराब की बिक्री और वहाँ बैठाकर पिलाने की व्यवस्था बंद नहीं की गई तो उग्र आंदोलन किया जाएगा। कलेक्टर के नाम सौंपे ज्ञापन में महिलाओं ने कहा कि ग्राम जंघोरा के मुख्य मार्ग पर संचालित पीएस ढाबा और ग्राम की सीमा से लगे मुख्य मार्ग पर संचालित मंगवारी ढाबा में दिन-रात शराब की अवैध बिक्री हो रही है। इन ढाबों पर बैठकर शराब पीने की खुली छूट है, जिससे शराब आसानी से उपलब्ध हो जाती है। अवैध शराब की बिक्री के कारण उन्हें और उनके छोटे बच्चों को प्रतिदिन घरेलू हिंसा का सामना करना पड़ रहा है। वे शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ना झेल रही हैं। घरों में झगड़े हो रहे हैं इन ढाबों पर छोटे-छोटे बच्चों को भी शराब बेची जा रही है। वर्षों से खुलेआम चल रहे इस अवैध कारोबार पर कोई कार्रवाई न होना, अधिकारियों की मंशा पर संदेह पैदा करता है। उन्होंने कहा कि यदि प्रशासन ने उनकी मांग अनसुनी की तो वे उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होंगी।

'फिट युवा फॉर विकसित भारत' थीम पर जोन स्तरीय सांसद खेल महोत्सव की शुरुआत

छुरा/नवप्रदेश। भारत सरकार द्वारा खेलों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से देश भर में सांसद खेल महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में छिपी हुई प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने के उद्देश्य से खेल प्रतियोगिता रखा गया है। जोन स्तरीय सांसद खेल महोत्सव की शुरुआत नगर पंचायत अध्यक्ष लुकेश्वरी निषाद,सभापति बलराज पटेल, पार्षद गरिमा ध्रुव, पूर्व सभापति थानसिंग निषाद, वरिष्ठ जनपद सदस्य अवध राम साहू, पार्षद प्रतिनिधि अजय दीक्षित, संवाददाता मेशनंदन पांडे के आतिथ्य में हुआ। एसडीएम ऋचा ठाकुर, विकासखंड शिक्षा अधिकारी के.एल. मतावले, मुख्य नगर पालिका अधिकारी यमन देवांगन, प्राचार्य सुरेश वर्मा, प्रेमलाल ध्रुव, पाल सिंह ध्रुव, आशारानी चतुर्वेदी, सनद कुमार लांजेवार, समन्वयक शंकर लाल यदु, प्रेमनारायण ध्रुव, रामलाल टांडे, पंकज कुमार साहू, विनोद चंद्राकर, माधो ध्रुव, रोहित नेताम, खोरबाहरा निषाद, वीरेन्द्र ठाकुर उपस्थित रहे। अतिथियों द्वारा खो-खो मुकाबले के साथ महोत्सव का उद्घाटन किया गया। मुख्य अतिथि लुकेश्वरी निषाद ने कहा कि खेल विद्यार्थी जीवन का महत्वपूर्ण अंग है। जो खेलेगा वही खिलेगा, सर्वांगीण विकास का मार्ग प्रशस्त करेगा। लुकेश्वरी निषाद द्वारा स्वच्छता का शपथ दिलाया गया। संचालन शिक्षक अर्जुन धनंजय सिन्हा ने किया। सामूहिक खेल कबड्डी, खो-खो, वॉलीबॉल की प्रतियोगिता संपन्न हुआ। टंकेश्वर मरकाम, वीरेन्द्र ठाकुर, जितेंद्र पाटकर, रामाधार यादव, शंकर लाल यदु, रेखा प्रधान, हीरालाल साहू, डोमेश्वर ध्रुव, लीलाराम सिन्हा ने विशेष सहयोग प्रदान किया।

मणिकंचन केंद्र पहुंची छात्राओं को कचरे से खाद बनाने के गुर सिखाए

महासमुंद/नवप्रदेश। ठोस अपशिष्ठ प्रबंधन के अध्ययन सह प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत मंगलवार को नगर पालिका महासमुंद अंतर्गत तुमाडबरी मणिकंचन केन्द्र में स्कूली बच्चों व शिक्षकों को नगर पालिका के स्वच्छ भारत मिशन की सुपर वाईजर रमा महानंद ने कचरे से खाद बनाने के बारे में बताया। उन्होने बच्चों को बताया कि किस तरह से सूखा व गीला कचरा को अलग कर खाद बना सकते हैं। भ्रमण में शासकीय आशी बाई गोलछा कन्या उचतर माध्यमिक विद्यालय की छात्राएं व शिक्षका श्रीमती ज्योति चन्द्राकर, श्रीमती तपस्या शर्मा, श्रीमती खेमलता देवांगन शामिल थे। विदित हो कि नगर पालिका अध्यक्ष निखिलकांत साहू ने स्वच्छ भारत मिशन के सुपरवाइजरो को सेटंर में आने वाले स्कूल, कॉलेजों के छात्र-छात्राओं को सेटंर के कार्यो की विस्तृत जानकारी देने के निर्देश दिये थे। ताकि, छात्र-छात्राओं के माध्यम से उनके अभिभावकों व लोगों को यह संदेश पहुंचे कि सूखे व गीले कचरे को अलग-अलग संग्रहित करना है, ताकि उनका उचित निष्पादन सुचारू रूप से हो सके एंव हमारा शहर कचरा मुक्त शहर की स्टार रेटिंग व स्वच्छ सर्वेक्षण 2025 में पहला स्थान पा सके।

जिला मिशन समन्वयक ने किया विद्यालयों का किया निरीक्षण

भाटापारा/नवप्रदेश। शिक्षा विभाग के जिला मिशन समन्वयक नरेंद्र वर्मा ने भाटापारा विकासखंड अंतर्गत विभिन्न विद्यालयों का औचक निरीक्षण किया एवं विद्यालयों के संचालन हेतु दिशा निर्देश प्रदान किए गए। अपने भाटापारा प्रवास के दौरान वर्मा ने कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय पहुंचे जहां प्रार्थना में उपस्थित हो प्रार्थना कराई उसके बाद संपूर्ण भवन का निरीक्षण कर साफ सफाई संबंधी आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किया। कस्तूरबा गांधी विद्यालय में कक्षा में उपस्थित होकर छात्राओं से अध्ययन अध्यापन संबंधी जानकारी प्राप्त की एवं बच्चों को प्राप्त होने वाले मूलभूत सुविधाओं की जानकारी लेकर उन्हें होने वाली समस्याओं का निराकरण करने अधिक्षिका को आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किया। इसके बाद श्री नरेंद्र वर्मा एवं उनके द्वारा गठित दल सामूहिक रूप से पीएम श्री विद्यालय

सुरखी पहुंचकर बच्चों को अध्यापन करवाया एवं संगीत की कक्षा में कुछ समय व्यतीत किया इसके साथ ही साथ पीएम श्री विद्यालय के बच्चों के साथ बैठकर स्वयं भोजन प्राप्त किया एवं विद्यालय की साफ सफाई एवं अच्छी व्यवस्था के लिए प्रधान पाठिका श्रीमती इंद्राणी साहू की प्रशंसा की।

लोक संस्कृति सुआ नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन

नगरी/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ लोक संस्कृति अपनी सरलता और लोकगीत की मिठास के लिए जानी जाती है। इन्हीं लोक परंपराओं में से एक है सुआ नृत्य जो विशेष रुप से दीपावली के बाद आरंभ होकर कार्तिक पूर्णिमा तक गांव गांव में नाचा गाया जाता है। यह नृत्य छत्तीसगढ़ की गोड़, हल्बा एवं अन्य आदिवासी महिलाओं का प्रिय लोक नृत्य हैं जो सुवा तोते को प्रतीक बनाकर प्रकृति, प्रेम और स्त्री शक्ति की अभिव्यक्ति करता है। छत्तीसगढ स्थापना रजत जयंती वर्श के उपलक्ष्य में राश्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा षासकीय सुखराम नागे महाविद्यालय नगरी में सुवा नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम प्राचार्य डॉ. मनदीप खालसा के निर्देशानुसार प्रभारी प्राचार्य डॉ. अश्वनी कुमार ध्रुव के संरक्षण में संपन्न हुआ। रासेयो कार्यक्रम अधिकारी प्रो. आर.आर.मेहरा, सहायक कार्यक्रम अधिकारी डॉ. दीपा देवांगन के संयोजन में कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की वंदना, राजकीय गीत एवं प्रेरणादायक लक्ष्य गीत से हुआ।

खेती-किसानी ...

'रटखुर्द के 106 और भिलाईदादर के 112 किसानों का एग्रीस्टेक पंजीयन डेटा पेंडिंग

ग्रामीणों ने सौंपा ज्ञापन, समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो करेंगे आंदोलन

❒ एग्रीस्टेक पंजीयन में देरी और फसल क्षति का मुआवजा अप्राप्त

महासमुंद/नवप्रदेश। समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के लिए अनिवार्य एग्रीस्टेक पंजीयन में हो रही देरी और ओलावृष्टि से फसल नुकसान का मुआवजा न मिलने से बागबाहरा के ग्राम खैरटखुर्द और भिलाईदादर के किसानों में रोष है। उक्त समस्याओं को लेकर मंगलवार को किसान कलेक्टर जनदर्शन पहुंचे और कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। किसानों ने बताया कि यदि उनकी समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं हुआ, तो वे आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे।

किसानों ने बताया कि ग्राम खैरटखुर्द के 106 और भिलाईदादर के 112 किसानों का एग्रीस्टेक पंजीयन डेटा पेंडिंग बताया जा रहा है और किसी कारणवश स्वीकृत नहीं हो पाया है। इस समस्या के समाधान के लिए उन्होंने पटवारी, तहसील कार्यालय और एसडी.एम कार्यालय में बार-बार आवेदन दिए, लेकिन एक माह से अधिक समय बीत जाने के बाद भी यह समस्या जस की तस बनी हुई है। पंजीयन में हो रही इस देरी से किसान चिंतित हैं कि वे कहीं समर्थन मूल्य पर अपनी उपज बेचने से वंचित न हो जाएं। उन्होंने बताया कि किसानों लिए समर्थन मूल्य पर धान बेचने हेतु एग्रीस्टेक पोर्टल पर पंजीयन की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर तक बढ़ाई गई थी। चूंकि 218 किसानों का डेटा प्रशासनिक लापरवाही या तकनीकी कारणों से लंबित है, इसलिए किसानों का कहना है कि प्रशासन को तुरंत पंजीयन की समय-सीमा को आगे बढ़ाना चाहिए, ताकि कोई भी किसान लाभ से वंचित न हों।

'ओलावृष्टि से हुए नुकसान का जल्द मिले मुआवजा'

ग्राम खैरटखुर्द और भिलाईदादर के किसानों ने बताया कि गत दिनों ओलावृष्टि से फसलों को हुए नुकसान ने किसानों की कमर तोड़ दी है। वे पहले ही प्राकृतिक आपदा का दंश झेल रहे हैं, और अब सरकारी मदद में हो रही देरी से उनकी मुश्किलें दोगुनी हो गई हैं। किसानों ने प्रशासन से शीघ्र सर्वे करवाकर और नियमानुसार राहत राशि जारी करने की मांग की है, ताकि वे अगली फसल की तैयारी कर सकें। किसानों ने दोनों ही समस्याओं को लेकर सौंपे गए ज्ञापन में चेतावनी दी है कि जल्द ही उपरोक्त समस्याओं का समय पर निराकरण नहीं किया गया तो उन्हें आंदोलन करने बाध्य होना पड़ेगा।

डंप किया हुआ जब्त रेत की होगी नीलामी निविदा 7 नवं. तक आमंत्रित

महासमुंद/नवप्रदेश। कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला महासमुंद द्वारा सूचना जारी की गई है कि ग्राम बरबसपुर में शासकीय एवं निजी भूमि पर अवैध रूप से भंडारित रेत को प्रशासन द्वारा जप्त किया गया है। उक्त जप्त रेत की नीलामी बंद लिफाफा प्रणाली के माध्यम से की जाएगी। खनिज अधिकारी ने बताया कि नीलामी में भाग लेने हेतु पात्र इच्छुक बोलीदार निर्धारित समयावधि में अपनी निविदा प्रस्तुत कर सकते हैं। नीलामी प्रक्रिया के लिए बोली आमंत्रण की प्रारंभिक तिथि 06 नवम्बर 2025 तथा अंतिम तिथि 07 नवम्बर 2025 निर्धारित की गई है। बोली पत्र केवल कार्यालयीन दिवसों में प्रातः 11.00 बजे से सायं 5.00 बजे तक जिला कार्यालय महासमुंद में बंद लिफाफे में जमा किए जा सकेंगे। प्राप्त निविदाओं को खोलने की कार्यवाही 07 नवम्बर 2025 को सायं 5.30 बजे से कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में की जाएगी। नीलामी से संबंधित नियम एवं शर्तों की विस्तृत जानकारी जिला कार्यालय महासमुंद, संबंधित ग्राम पंचायत, जनपद पंचायत, जिला पंचायत महासमुंद के सूचना पटलों पर तथा जिले की वेबसाइट www.mahasamund.gov.in से प्राप्त किया जा सकता है।

न्यूज गैलरी

निष्क्रिय बैंक खातों को सक्रिय कर संचालन में लाने के निर्देश

सक्ती/नवप्रदेश। कलेक्टर अमृत विकास तोपनो ने जिले के विभिन्न विभाग अंतर्गत संचालित निष्क्रिय बैंक खातों की समीक्षा कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में की। समीक्षा के दौरान पाया गया कि जनपद पंचायत, शिक्षा विभाग, ग्राम पंचायत, ग्राम पंचायत समितियों तथा अन्य संबद्ध संस्थाओं के अनेक बैंक खाते भारतीय स्टेट बैंक की विभिन्न शाखाओं में वर्षों से निष्क्रिय अवस्था में पड़े हुए हैं। इन निष्क्रिय खातों में धनराशि संचित है। जिसका उपयोग शासन की योजनाओं एवं जनहितकारी कार्यों में प्रभावी रूप में किया जाना है। इस संदर्भ में संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे अपने-अपने विभागों के अंतर्गत संचालित सभी निष्क्रिय बैंक खातों की विस्तृत जानकारी संकलित कर आवश्यक कार्यवाही करते हुए शीघ्र उन्हें सक्रिय कर संचालन में लाएँ। बैठक में सभी विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

कस्तूरबा कन्या विद्यालय विनोबा नगर में निबंध स्पर्धा का आयोजन

मुंगेली/नवप्रदेश। कस्तूरबा कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय विनोबा नगर में निबंध प्रतियोगिता रवि गैस एजेंसी की ओर से आयोजित किया गया। सर्वप्रथम मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर पुरस्कार वितरण समारोह का उद्घाटन किया गया। निबंध प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार निवी देवांगन, द्वितीय पुरस्कार मुस्कान देवांगन एवं तृतीय पुरस्कार रीमा बर्मन को प्राप्त हुआ। सांत्वना पुरस्कार नैना देवांगन, वैशाली साहू और दीपेश देवांगन को प्राप्त हुआ।

भागवत कथा के पंचम दिवस पर सागरानंद महाराज का प्रवचन

मुंगेली/नवप्रदेश। श्रीवास्तव परिवार सोनकर सेल्स में चल रहे भागवत के पंचम दिवस आचार्य सागरानंद

महराज ने कहा जिस प्रकार समुद्र में डुबकी लगाए बिना रत्न नहीं प्राप्त किया जा सकता उसी प्रकार भाव में डुबकी लगाए बिना भागवत था भगवान को प्राप्त नहीं किया जा सकता भक्तों के लिए भगवान का जन्म प्राकट्य और अवतार तीनो ही होता है जब अब सनातन धर्म पर अत्याचार होता है धर्म गिरने लगता है पृथ्वी हमारी भार से दबने लगती है तो भगवान किसी न किसी रूप में आते हैं और धर्म की स्थापना करते हैं। भगवान श्रीकृष्ण ने पूतना, अधासुर, बकासुर, वत्सासुर, तृणावर्त का वध हुआ भगवान का अवतार मारने के लिए नहीं बल्कि तारने के लिए आते हैं।

एग्रीस्टेक पोर्टल से होगी धान खरीदी प्रक्रिया, किसानों को मिलेगी पारदर्शी व सरल सुविधा

धान खरीदी के लिए किसानों का पंजीयन आज तक, गांव-गांव में लग रहे शिविर

मुंगेली/नवप्रदेश। धान खरीदी हेतु किसानों के पंजीयन के लिए 31 अक्टूबर की तिथि निर्धारित की गई है जिन किसानों का पंजीयन छूट गया है उनका शत प्रतिशत पंजीयन सुनिश्चित करने के लिए जिले के विभिन्न गांवों के धान खरीदी केंद्रों में शिविर का आयोजन किया जा रहा है।

भू अभिलेख शाखा के प्रभारी अधिकारी जीएल यादव ने बताया कि जहां पर मैपिंग में समस्या आ रही है वहां शिविर लगाकर किसानों का पंजीयन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जिले के लौदा, जोता, पौसरी, मोहभट्ठा, बेलखुरी, बदरा ब, पेण्ड्रीकला, अमलीडीह, खाम्ही, डिंडोरी, नवागांव, राम्हेपुर, मनोहरपुर, भालूखोंधरा गांव में शिविर लगाकर किसानों का पंजीयन किया जा रहा है। कृषक पंजीयन डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर के अंतर्गत एक महत्वपूर्ण पहल है जिसका उद्देश्य किसानों एवं भू स्वामियों की एक व्यापक और एकीकृत पंजीयन सुनिश्चित करना है ताकि सरकारी योजनाओं का लाभ सही लाभार्थियों तक कुशलतापूर्वक पहुंच सके।

कृषक पंजीयन कृषि भूमि धारक के पहचान पत्र को भूमि स्वामित्व के साथ जोड़कर कृषक को सत्यापित करती है। इससे केंद्र सरकार की पीएम किसान योजना, फसल बीमा योजना, सहित राज्य की धान खरीदी जैसी महत्वपूर्ण योजना का लाभ सुनिश्चित होगा। किसान पंजीयन के लिए भू स्वामी होने से संबंधित

दस्तावेज जैसे बी-1, खसरा, ऋण पुस्तिका, आधार कार्ड और मोबाइल नंबर के माध्यम से आसानी से अपना पंजीयन कर सकते हैं। भारत सरकार के कृषि मंत्रालय द्वारा संचालित एग्रीस्टेक पोर्टल के माध्यम से अब किसानों से धान उपार्जन की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। यह व्यवस्था किसानों को पारदर्शी और सरल प्रणाली प्रदान करने के उद्देश्य से लागू की जा रही है। इस प्रणाली के तहत पंजीकृत किसानों से भारत सरकार द्वारा निर्धारित गुणवत्ता मानकों के अनुरूप धान की खरीदी की जाएगी। उपार्जन हेतु किसानों को अब ऋण पुस्तिका लाने की आवश्यकता नहीं होगी। किसान अपनी एग्रीस्टेक पंजीकरण आईडी के माध्यम से उपार्जन केन्द्रों में धान विक्रय कर सकेंगे। इससे किसानों को न केवल बड़ी सुविधा मिलेगी, बल्कि धान खरीदी प्रक्रिया में पारदर्शिता और दक्षता भी सुनिश्चित होगी। अपर कलेक्टर जीएल यादव ने बताया कि एग्रीस्टेक पोर्टल पर पंजीयन करवाने वाले कृषकों के लिए यह सुविधा उपलब्ध रहेगी। वहीं कुछ विशेष श्रेणियों के कृषकों जैसे संस्थागत पंजीयन वाले भूमिहीन किसान (अधिया/रेग), डुबान क्षेत्र के किसान, वन अधिकार पट्टा प्राप्त किसान और ग्राम कोटवार (शासकीय पट्टेदार) आदि को छूट प्रदान की गई है, हालांकि, यह छूट केवल उसी स्थिति में लागू रहेगी, जब संबंधित भूमि पर गिरदावरी एवं भौतिक सत्यापन के आधार पर फसल का वास्तविक आकलन किया गया हो। किसी भी परिस्थिति में बिना सत्यापन के फसल खरीदी नहीं की जाएगी। इस व्यवस्था से किसानों को धान उपार्जन केंद्रों में बार-बार दस्तावेजी प्रक्रिया से गुजरने की परेशानी नहीं होगी। साथ ही, राज्य एवं केंद्र सरकार की कृषि नीतियों के अंतर्गत खरीदी प्रक्रिया में तकनीकी पारदर्शिता और सटीकता सुनिश्चित होगी।

मांगें पूरी नहीं होने पर अनिश्चितकालीन आंदोलन की चेतावनी, बड़ी संख्या में कर्मचारी हुए शामिल

तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ ने 9 सूत्रीय मांगों को लेकर कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

मुंगेली/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ प्रदेश तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ के प्रांतीय आह्वान पर जिला शाखा द्वारा 9 सूत्रीय मांगों को लेकर मुख्यमंत्री एवं मुख्य सचिव के नाम से कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया। मांगो में प्रमुख रूप से सभी कर्मचारियों के लिए चार स्तरीय वेतनमान, केंद्रीय कर्मचारियों के समान सेवानिवृत्ति पर 240 के स्थान पर 300 दिनों का अवकाश नगदीकरण, केंद्रीय कर्मचारियों के समान देय तिथि से महंगाई भत्ता, पेंशनरों के लिए महंगाई राहत की मांग और कर्मचारियों के लिए कैशलेस चिकित्सा सुविधा की मांग मुख्य है।

कर्मचारियों ने बताया कि कर्मचारियों की मांगों के संबंध में छत्तीसगढ़ शासन के द्वारा विचार करने एवं निर्णय लेने के अभाव के कारण पूरे प्रदेश के शासकीय कर्मचारियों में आक्रोश व्याप्त है। इसके पूर्व में भी अपनी मांगों के संदर्भ में ज्ञापन सौंपा गया था। जिस पर निर्णय नहीं होने के कारण पुनः स्मरण

पत्र शासन को प्रेषित किया जा रहा है। यदि समय पर कर्मचारियों की मांगों को पूरा नहीं किया जाएगा, तो पूरे प्रदेश के कर्मचारी अनिश्चितकाल कालीन आंदोलन पर चले जाएंगे, किसकी संपूर्ण जिम्मेदारी शासन की होगी। इन्ही मुद्दों को लेकर मुख्यमंत्री एवं मुख्य सचिव के नाम से कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया। मांगो में प्रमुख रूप से सभी कर्मचारियों के लिए चार स्तरीय वेतनमान, केंद्रीय कर्मचारियों के समान सेवानिवृत्ति पर 240 के स्थान पर 300 दिनों का अवकाश नगदीकरण, केंद्रीय कर्मचारियों के समान देय तिथि से महंगाई भत्ता, पेंशनरों के लिए महंगाई राहत की मांग और कर्मचारियों के लिए कैशलेस चिकित्सा सुविधा की मांग मुख्य है। प्रमुख रूप से संरक्षक अवधेश शुक्ला, जयमंगल सिंह ध्रुव, जिला अध्यक्ष बिंदु भास्कर, जिला सचिव कृष्ण कुमार वर्मा, जिला प्रवक्ता फूलचंद यादव, तहसील मुंगेली अध्यक्ष पीलालाल दिवाकर, तहसील लालपुर अध्यक्ष देवीशंकर यादव, जरहागांव अध्यक्ष ज्वाला प्रसाद साहू, पथरिया अध्यक्ष भुवन बघेल, शिक्षा समिति अध्यक्ष भोलादेव ध्रुव, डीडी भास्कर, व्यास नारायण मनहर, पुरुषोत्तम पांडे, लक्ष्मी नारायण बंजारे, राजेंद्र कश्यप, राजकुमार आनंद, आकाश दत्त, मोहन प्रसाद चतुर्वेदानी, अनिल कुर्रे, पीतांबर सिदार, सहदेव प्रधान अनिल सिह राज, ओमप्रकाश कश्यप, स्वास्थ्य कर्मचारी संघ जिला अध्यक्ष स्वास्थ्य संयोजक कर्मचारी संघ, लक्ष्मी प्रसाद चतुर्वेदी, वेद प्रकाश परिहार, एलपी चतुर्वेदानी, जवाहरलाल डडसेना, अरविंद पांडे सहित बड़ी संख्या में कर्मचारी साथी उपस्थित रहे।

पॉक्सो एक्ट व आईटी एक्ट की धाराओं में मामला दर्ज

मुंगेली/नवप्रदेश। नाबालिग की अश्लील फोटो विडियो सोशल मीडिया में वायरल करने एवं दुष्कर्म करने वाले आरोपी को थाना सिटी कोतवाली पुलिस ने पुणे महाराष्ट्र से गिरफ्तार किया। आरोपी से एक एन्ड्राइड मोबाईल भी जप्त किया गया। आरोपी के विरूद्ध सिटी कोतवाली मुंगेली में धारा 67(बी) आईटी एक्ट व 79, 64(च)(झ)(ड) बीएनएस एवं 4, 6 पॉक्सो एक्ट के तहत कार्यवाही किया गया। थाना सिटी कोतवाली मुंगेली थाना में 25 सितम्बर को प्रार्थी ने रिपोर्ट दर्ज कराया कि उसकी नाबालिक लडकी की चरित्र को बदनामी करने हेतु आरोपी आशीष वर्मा पिता चैन कुमार वर्मा निवासी नवागांव चीनू के द्वारा आपत्तिजनक अश्लील फोटो अपने इंस्टाग्राम आईडी से सोशल मीडिया में वायरल किया है।

पीड़िता द्वारा आरोपी आशीष वर्मा के द्वारा बलात्कार कर अश्लील फोटो इंस्टाग्राम सोशल मीडिया में वायरल करना बतायी। डॉक्टरी परीक्षण रिपोर्ट प्राप्ति पश्चात् प्रकरण में धारा 64 (च)(झ)(ड) बीएनएस एवं 4,6 पाक्सो एक्ट जोड़ी जाकर तकनीकी साक्ष्य एवं मुखबीर तंत्रों के आधार पर आरोपी आशीष वर्मा को पुणे महाराष्ट्र से हिरासत में लेकर बारिकी से तथ्यात्मक पूछताछ करने पर आरोपी आशीष वर्मा द्वारा घटना कारित करना स्वीकार किया गया। आरोपी से एन्ड्राईड मोबाईल फोन गवाहों के समक्ष जप्त कर आरोपी आशीष वर्मा का कृत्य धारा सदर का अपराध घटित करना पाये जाने से आरोपी आशीष वर्मा पिता चैनदास वर्मा निवासी नवागांव (चीनू) थाना सिटी कोतवाली मुंगेली को विधिवत 28 अक्टूबर को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर जेल भेजा गया है। सम्पूर्ण कार्यवाही में निरीक्षक कार्तिकेश्वर जांगड़े, प्रधान आरक्षक मनोज सिंह ठाकुर, रवि जांगड़े, नोखेलाल कुर्रे, आरक्षक विकास ठाकुर, रवि श्रीवास एवं महिला आरक्षक वृन्द्रा पंद्राम की भूमिका रही।

एनटीपीसी तलाईपल्ली परियोजना के संविदाकर्मियों ने भत्तों को लेकर कलेक्टर से लगाई गुहार

घरघोड़ा (रायगढ़)/नवप्रदेश। एन.टी.पी.सी. तलाईपल्ली परियोजना में कार्यरत विभिन्न विभागों – जैसे कोल लैब, डिस्पैच कंप्यूटर ऑपरेटर, सर्वे (खनन विभाग), सिविल, एचआर, इलेक्ट्रिकल, हाउसकीपिंग, गार्डनिंग और सब-पावर सबस्टेशन – के संविदा कर्मियों ने आज मजदूर कल्याण संघ के बैनर तले कलेक्टर रायगढ़ को एक विस्तृत ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में बताया गया कि संविदा कर्मी बीते कई वर्षों से एम/एस प्रहलाद मोहराना, सूर्या तेजा और ए.के. यादव जैसी ठेका संस्थाओं के माध्यम से एन.टी.पी.सी. की माइनिंग बाउंड्री के भीतर कार्यरत हैं। नियमित रूप से अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने के बावजूद उन्हें आज तक HR (हाउस रेंट अलाउंस), (यातायात भत्ता) और Communication (संचार भत्ता) जैसे मूलभूत भत्ते प्राप्त नहीं हो रहे हैं।

कर्मचारियों ने बताया कि वर्तमान में उन्हें केवल केंद्र सरकार के नियमानुसार न्यूनतम वेतनमान ही दिया जाता है, जबकि इसी

परियोजना में CHAND COLLECTION (Prop. अली कमरान) संस्था के अंतर्गत कार्यरत सेफ्टी सुपरवाइजर्स को सभी भत्ते नियमित रूप से मिल रहे हैं। यह असमानता कर्मियों में असंतोष का कारण बनी हुई है।

संविदा कर्मियों ने यह भी बताया कि इस विषय पर उन्होंने कई बार एन.टी.पी.सी. प्रबंधन को मौखिक और लिखित रूप से अवगत कराया, किंतु अब तक कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया। प्रबंधन की चुप्पी से आहत कर्मियों ने असहयोग आंदोलन का निर्णय तो लिया, परंतु उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि आंदोलन के दौरान उत्पादन, डिस्पैच, शिफ्टिंग या अन्य आवश्यक कार्यों में किसी भी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो।

कर्मचारियों ने कहा कि उनकी आजीविका का एकमात्र स्रोत यही सेवा है। वर्तमान आर्थिक परिस्थितियों में सीमित वेतन में परिवार का भरण-पोषण, बच्चों की शिक्षा और रोज़मर्रा के खर्च पूरे कर पाना बेहद कठिन हो गया है। उन्होंने कलेक्टर रायगढ़ से मानवीय दृष्टिकोण से हस्तक्षेप करते हुए CHAND COLLECTION संस्था के कर्मचारियों के समान भत्ते दिलाने की मांग की है, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार हो सके। इसके साथ ही मजदूर कल्याण संघ ने दो अन्य महत्वपूर्ण मांगें भी रखीं –अनुबंध अवधि बढ़ाई जाए: मैनपावर अनुबंध की अवधि वर्तमान 1 वर्ष से बढ़ाकर 3 वर्ष की जाए, ताकि ठेकेदार एवं कर्मियों दोनों को स्थायित्व और सुरक्षा मिल सके। 'वन साइट - वन कॉन्ट्रैक्ट' नीति लागू की जाए: मैनपावर सप्लाई करने वाली सभी संस्थाओं – एम/एस प्रहलाद मोहराना, सूर्या तेजा और ए.के. यादव – के कॉन्ट्रैक्ट्स को एकीकृत कर One Site - One Contract" नीति के तहत लागू किया जाए। इससे कार्यप्रणाली में पारदर्शिता और समानता स्थापित होगी।

ऑटो का पहिया युवती के पैर पर चढ़ा, अस्पताल में भर्ती

लखनपुर/नवप्रदेश। लखनपुर थाना क्षेत्र के ग्राम बंधा मुख्य मार्ग पर स्थित तालाब (मुंडा) के पास 29अक्टूबर दिन बुधवार की दोपहर लगभग 3 बजे एक तेज रफ्तार ऑटो में सफर कर रही महिला आटो से गिर पड़ी इतना ही नहीं अपितु आटो का पहिया युवती के पैर में चढ़ गया जिससे वह घायल हो गई है। चालक ऑटो लेकर मौके से फरार हो गया। सरपंच ने घायल युवती को प्राथमिक उपचार हेतु लखनपुर अस्पताल लाकर दाखिल कराया। जहां उसका उपचार जारी है। दरअसल बबीता मझवार पिता सोन साय उम्र 23 वर्ष साकिन ग्राम पटकुरा ऑटो में बैठकर लखनपुर साप्ताहिक बाजार आ रही थी। युवती चालक के बगल में सामने बैठी हुई थी।

ग्राम केशली में पशु मेला व प्रदर्शनी का आयोजन

मुंगेली/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के रजत जयंती महोत्सव 2025 के अवसर पर विकासखण्ड मुंगेली के ग्राम केशली में पशु मेला एवं प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ गौपूजन के साथ किया गया। उप संचालक पशु चिकित्सा विभाग ने बताया कि प्रदर्शनी में 22 पशुओं का उपचार, 187 दवा वितरण, 205 का डिवर्मिंग एवं 196 का डिटिकिंग किया गया। कार्यक्रम मे जनपद पंचायत मुंगेली के अध्यक्ष रामकमल सिंह परिहार सहित स्थानीय जनप्रतिनिधिगण, ग्राम के सरपंच और पशुपालक मौजूद रहे। प्रदर्शनी में उन्नत नस्ल के पशु-पक्षियों के विभिन्न वर्ग जैसे-दुधारु गाय वर्ग, दुधारु

भैंस वर्ग, भैंसा वर्ग, बैल वर्ग, संकर बछिया वर्ग, बकरा-बकरी वर्ग, मुर्गा-मुर्गी वर्ग एवं अन्य वर्ग सहित कुल 07 वर्ग में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले 21 पशुपालकों को प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं सांत्वना पुरस्कार व प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। डॉ. नूतन पॉचखाड़े द्वारा जनप्रनिधियो एवं पशुपालकों को विभागीय योजनाओं व पशु मेला एवं प्रदर्शनी के संबंध में जानकारी दी गई। इस दौरान पशुधन विकास विभाग के डॉ. शत्रुहन सिंह, डॉ. शरद केशरवानी, डॉ. डीके सारस्वत सहित विभाग के कृत्रिम गर्भाधान कार्यकर्ता एवं अन्य अधिकारी-कर्मचारी और गौसेवक उपस्थित रहे।

प्रदेश तृतीय वर्ग का प्रदर्शन, एसडीएम के माध्यम सौंपा ज्ञापन

घरघोड़ा/नवप्रदेश। प्रदेश तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ के आह्वान पर आज पूरे प्रदेश में कर्मचारियों एवं पेंशनरों ने प्रदेश के कर्मचारियों की मांगों एवं ज्वलंत समस्याओं के निराकरण हेतु स्मरण ज्ञापन सौंपा गया।मुख्य मंत्री एवं मुख्य सचिव के नाम ज्ञापन दुर्गा प्रसाद अधिकारी एस डी एम (आई ए एस) घरघोड़ा के माध्यम से सौंपा गया, सन्तोष पाण्डेय जिला शाखा अध्यक्ष ने बताया कि प्रमुख मांगों में कर्मचारियों एवं पेंशनरों को केन्द्र के समान देय तिथि से महंगाई भत्ता एवं महंगाई राहत दिया जाय एवं एरियर्स राशि जीपीएफ खाते में समायोजित

किया जाए। केंद्रीय कर्मचारियों एवं मध्य प्रदेश के कर्मचारियों की तरह 240 दिनों के स्थान पर 300दिनों का अवकाश नगदीकरण किया जाए।संविदा ,दैनिक ,अनियमित कर्मचारियों को रिक्त पद पर नियमित किया जाए एवं सेवा सुरक्षा सुनिश्चित किया जाए।

प्रदेश के सभी अधिकारी कर्मचारियों को सेवा काल में चार स्तरीय वेतनमान का आदेश जारी किया जाए। इस अवसर पर बहुत संख्या में कर्मचारी पहुंच कर नारे बाजी करते हुए ज्ञापन सौंपा,सौंपने वालों में संतोष पाण्डेय, केशव पटेल,आशीष शर्मा,रोहित डनसेना, सुरेन्द्र भाटिया, विनोद मेहर, अश्वनी दर्शन, सर्वेश मरावी, ऋषिकेश साहू, वरुण गुप्ता, मनोज गुप्ता, सुरेन्द्र होता मोहन चौहान ,गणेश्वर श्याम,हरिश्चंद बेहरा, विजय पडा, अखिलेश मिश्रा,प्रशांत बेहरा, कृष्णा पैंकरा खेमसागर पैंकरा, प्रियंक दुबे, सुरज पैंकरा, मनोज गुप्ता, फागू लाल रात्रे गौकर्ण दास वैष्णव, सुशील पटेल, सीमा खान, सीमा महंत, टिकेश्वरी साहू, फूलकुमारी कवर,दिनेश सिंह, मनीष नंदे, संजय पंडा, सहनी राम सिदार, सुखदेव प्रसाद चौहान,संजीव राज हंस, पंकज डनसेना,मनोज महंत,संतोष पैंकरा, अजय कुमार, तिल सागर साव, कैलाश पटेल, संतोष चौहान,भोज केसरवानी,सुखसिंह पैंकरा,रेशम सिंग, पेंशनरों में धीरेन्द्र त्रिपाठी,दभिनव सिंग ,धर्मपाल सिंह,नीलू पंडा, नयाज आदि मौजूद रहे।

मौसम

मौसम की मार से आलू और सब्जी फसल भी प्रभावित, हार्वेस्टर मशीन भी फिसलती जमीन में अटक रही

चक्रवाती तूफान और बेमौसम बारिश से सरगुजा संभाग के किसानों की धान कटाई प्रभावित

लखनपुर/नवप्रदेश। वैज्ञानिक नाम निलोफर हुदहुद,मोन्था, और न जाने किन किन नामों से आने वाले चक्रवाती तूफानों के कारण होने वाली बेमौसम बारिश के असर से क्षेत्र के किसान प्रभावित होते रहे हैं।

कुछ जानकारों का मानना है इस साल सरगुजा संभाग में सबसे अधिक रिकार्ड बारिश हुई है अब जबकि मानसून के लौट जाने के बाद आसमान साफ होने चाहिए थे छाये बादलों के कारण नहीं हो सका है। साथ ही गुलाबी ठंड ने दस्तक दे दिया होता मगर अनवरत जारी बारिश ने क्षेत्र के किसानों की चिंता बढ़ा दिये है। दरअसल

खेतों में धान फसल पककर तैयार हो चुके हैं । रोज दिन होने वाले बारिश ने कटाई मिसाई कार्य पर विराम लगा दिया है चाह कर भी किसान अपने खेतों के धान नहीं काट पा रहे हैं। कुछ कटे हुए हैं वह खेत में पड़े पड़े ख़राब होने के कगार पर है। वहीं आलू बोनी में भी लेट लतीफी हो रही है अन्य सब्जी फसल प्रभावित हैं। हाथ से धान कटाई के लिए महिला मजदूरों का मिलना तकरीबन नामुमकिन है। लिहाजा धान काटने वाला हार्वेस्टर मशीन का सहारा किसानों को है। लेकिन जमीन गीली होने कारण मशीन खेतों में चल नहीं सकती। बारिश रूकने का इंतजार किया जा रहा है। जिससे खेत के धान अपने पकने की अवधि से आगे निकल चुके। कुछ लेट से पकने वाले धान फसल के लिए होने वाली बारिश लाभकारी है। खेत से खलिहान तक धान फ़सल को लाना किसानों के लिए दुश्वार हो गया है। आसमानी मेघों के तेवर देख किसान हैरान हैं कटाई में विलम्ब होती जा रही है। मिलों तलक दूर तक खेतों में धान फसल पककर कटने को तैयार हैं लेकिन मौसम को गवारा नहीं है। चक्रवाती बारिश के तबाही से किसान सदमे में हैं। तूफान के थमने के इंतजार में है।

64 तीर्थयात्री अयोध्या के लिए रवाना

मुंगेली/नवप्रदेश। श्रीरामलला दर्शन योजना के तहत जिले के 64 तीर्थयात्री अयोध्या में श्रीरामलला का दर्शन करेंगे। जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीकांत पांडेय ने तीर्थ यात्रियों को हरी झंडी दिखाकर अयोध्या धाम के लिए रवाना किया। इस अवसर पर जनपद सदस्य पवन पांडेय, रघुराज सिंह, स्थानीय जनप्रतिनिधि राजा घृतलहरे, सन्नी भार्गव, लोकनाथ सिंह एवं जिला व जनपद पंचायत के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

सभी ब्लॉक में बनेंगे 10-10 गौधाम, 7 ग्रामों में स्थापित करने भेजा प्रस्ताव

जिला स्तरीय गौधाम समिति की प्रथम बैठक आयोजित, निराश्रित पशुओं के बेहतर प्रबंधन पर विचार-विमर्श

***बिलासपुर/नवप्रदेश।** छत्तीसगढ़ प्रदेश के निराश्रित, घुमन्तू तथा कृषिक पशु परिरक्षण अधिनियम अंतर्गत जब्त किए गए गौवंश पशुओं के संरक्षण, संवर्धन एवं विस्थापन हेतु छत्तीसगढ़ शासन द्वारा गौधाम योजना स्वीकृत की गयी है। जिसके पर्यवेक्षण एवं निरीक्षण हेतु जिला स्तरीय एवं विकासखंड स्तरीय गौधाम समिति में छत्तीसगढ़ शासन द्वारा नियुक्त किये गये अध्यक्ष एवं सदस्यों के परिचयात्मक एवं जिले में गौधाम योजना के क्रियान्वयन की समीक्षा हेतु कलेक्टर संजय अग्रवाल की उपस्थिति में गौधाम समिति की बैठक मंथन सभाकक्ष कलेक्टोरेट में आयोजित की गयी।*

जिला स्तरीय गौधाम समिति बिलासपुर में धीरेन्द्र दुबे को अध्यक्ष बनाया गया है। समिति में सदस्य के रूप में ईतवारी धीवर, रामकृष्ण साहू, हरिशंकर यादव, नितिन पैकरा एवं रमाकांत पाण्डेय नियुक्त किये गये है। इसी प्रकार विकासखण्ड स्तरीय समिति के अंतर्गत मस्तूरी के अध्यक्ष पूणेन्द्र शर्मा बाबा, तखतपुर में सोमनाथ पटेल, कोटा में मनोज कुमार यादव एवं बिल्हा में रितिक प्रजापति तथा प्रत्येक विकासखंड समिति में पांच सदस्य नियुक्त किये गये है। इनके साथ ही जिला स्तरीय समिति में जिला पंचायत अध्यक्ष, कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत व आयुक्त नगर निगम पदेन सदस्य तथा उपसंचालक पशु चिकित्सा सेवाएं सदस्य सचिव बनाये गये हैं। बैठक में सर्वप्रथम संयुक्त संचालक पशु चिकित्सा सेवायें बिलासपुर द्वारा नव नियुक्त जिला समिति के अध्यक्ष धीरेन्द्र दुबे एवं राजेश सूर्यवंशी अध्यक्ष जिला पंचायत बिलासपुर का पुष्पगुच्छ से स्वागत किया गया। इसके पश्चात बैठक में जानकारी दी गयी कि जिले में प्रति विकासखंड राष्ट्रीय राज्यमार्ग के समीपस्थ 10 गोठानों का चयन गौधाम हेतु प्रस्तावित किया गया है, जिनमें से गोठानों के नाम परिवर्तन तथा आवश्यकतानुसार नये गोठानों का नाम संशोधन समिति की अनुशंसा के आधार पर किया जा सकता है। बिलासपुर जिले से अब तक कुल 07 ग्रामों में गौधाम स्थापना हेतु आवेदन छ.ग. राज्य गौसेवा आयोग रायपुर को स्वीकृति हेतु प्रेषित किये जा चुके है। इनमें शामिल ग्राम नेवरा, निरतू, सेवार, रहंगी, केसला, हरदीकला एवं सुकुलकारी से प्राप्त नवीन आवेदनों की स्वीकृति की कार्यवाही किये जाने हेतु बैठक में समिति द्वारा अनुमोदन किया गया।

टीम भावना से काम कर सकारात्मक सहयोग दें: कलेक्टर

कलेक्टर संजय अग्रवाल ने जिला एवं विकासखंड स्तरीय समिति के पदाधिकारियों को शुभकामनायें दी। उन्होंने टीम भावना से कार्य करते हुये जिले में गौधाम योजना के बेहतर क्रियान्यवन एवं निराश्रित पशुओं के समुचित व्यवस्थापन में अपना सकारात्मक सहयोग प्रदान करने का आव्हान किया। उन्होंने कहा कि जिन ग्राम पंचायतों में गौधाम हेतु प्रस्ताव पारित हो चुके है, उन ग्रामों में आवेदक संस्थाओं एवं समूहों से आवेदन शीघ्र ही तैयार कराते हुये विकासखंड स्तरीय समिति के अनुशंसा सहित प्रस्ताव प्रस्तुत करने के निर्देश दिये गये। जिला समिति के अध्यक्ष धीरेन्द्र दुबे द्वारा जिले में निराश्रित पशुओं के समुचित व्यवस्थापन के संबंध में समीक्षा करते हुये नगर निगम बिलासपुर अंतर्गत संचालित पशु आश्रय केन्द्रों की जानकारी चाही गयी, जिस पर शहरी गोठान मोपका एवं सिरगिट्टी में पशु व्यवस्थापन की जानकारी से अवगत कराया गया। अंत में विभाग के सहायक शल्य चिकित्सक डॉ. बी.पी.सोनी द्वारा समिति सदस्यों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

■ न्यूज गैलरी

दो दिवसीय डाक टिकट प्रदर्शनी आज से

केंद्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू होंगे शामिल

बिलासपुर/नवप्रदेश। बिलासपुर डाक संभाग द्वारा 31 अक्टूबर से 1 नवम्बर तक राघवेन्द्र राव सभा भवन में सवेरे 11 बजे से लगाये जा रहे दो दिवसीय जिला स्तरीय डाक टिकट प्रदर्शनी ''बिलासापेक्स-2025'' में विशेष आवरण विमोचन एवं विरूपण कार्यक्रम में शाम 4 बजे केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू शामिल होंगे। मुख्य अतिथि केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू भक्त माता कर्मा के डाक टिकट विशेष का आवरण एवं विमोचन करेंगे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के तौर पर गुरू घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक चक्रवाल भी शामिल होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्य पोस्टमास्टर जनरल छत्तीसगढ़ परिमंडल रायपुर के शुभेंदु स्वाई करेंगे। प्रदर्शनी का समापन 1 नवम्बर को दोपहर 3 बजे किया जाएगा, जिसमें सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा। प्रदर्शनी में डाक संभाग के सभी डाक टिकट संग्रहकर्ता भाग लेंगे। उक्त प्रदर्शनी के माध्यम से डाक टिकट के क्रमशः विकास एवं समग्र इतिहास की झलक, राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय ऐतिहासिक घटनाक्रम इत्यादि की जानकारी प्राप्त होगी।

हाईकोर्ट ने कोरबा में धूल-डस्ट वाली परिवहन से जुड़ी समस्याओं पर दिखाई सख्ती

जर्जर सड़कों की समस्या पर हाईकोर्ट ने पीडब्ल्यूडी अन्य कंपनियों को स्थायी समाधान के दिए आदेश

***बिलासपुर/नवप्रदेश।** हाईकोर्ट ने कोरबा में फ्लाई ऐश, धूल और डस्ट के साथ ही जर्जर सड़कों की वजह से आम लोगों को हो रही परेशानियों पर सख्ती दिखाई है। चीफ जस्टिस रमेश कुमार सिन्हा और जस्टिस रविंद्र कुमार अग्रवाल की डिवीजन बेंच ने कंपनियों और लोक निर्माण विभाग को दो सप्ताह के भीतर समस्या का स्थायी समाधान पर रोडमैप बनाकर पेश करने कहा है।*

जनहित याचिका की सुनवाई के दौरान स्थिति का जायजा लेकर हाईकोर्ट ने कोर्ट कमिश्नर रविंद्र शर्मा को रिपोर्ट तैयार कर पेश करने कहा था। उन्होंने अपनी रिपोर्ट में बताया कि माणिकपुर माइंस तक जाने वाली सड़क पर कीचड़, धूल और फ्लाई ऐश फैला हुआ है। जिससे दुर्घटनाओं और जाम का खतरा बना रहता है। वहीं, भारी वाहनों की वजह से ट्रैफिक की समस्या बनी रहती है। हाईकोर्ट ने माना कि सड़कों की दुर्दशा ही प्रदूषण, जाम और हादसों की मुख्य वजह है। चूंकि यह सड़क लोक निर्माण विभाग के अधीन है, इसलिए हाईकोर्ट ने विभाग के सचिव को तत्काल स्थायी सड़क निर्माण शुरू करने और अगली सुनवाई 14 नवंबर से पहले विस्तृत रिपोर्ट और प्रगति ब्योरा देने को कहा है। मुख्य सचिव और पर्यावरण संरक्षण मंडल ने बताया कि, पिछले दो सालों में परिवहन नियमों के उल्लंघन पर औद्योगिक इकाइयों से 1.43 करोड़ रुपए से अधिक का पर्यावरण मुआवजा वसूला गया है। फ्लाई ऐश की आवाजाही पर निगरानी के लिए जीपीएस आधारित ट्रैकिंग सिस्टम भी शुरू किया गया है। इस बैठक का उद्देश्य फ्लाई ऐश के स्थायी प्रबंधन, ट्रैफिक नियंत्रण और जर्जर सड़कों के सुधार के लिए एक स्थायी रोडमैप तैयार करना है। साथ ही, स्थानीय स्तर पर क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए कोरबा नगर निगम को भी मामले में पक्षकार बनाया गया है। कोर्ट ने एसईसीएल, एनटीपीसी व बालको, लैंको अमरकंटक पावर लिमिटेड, राज्य सरकार, पर्यावरण संरक्षण बोर्ड और नगर निगम कोरबा को दो सप्ताह के भीतर एक संयुक्त बैठक करने का आदेश दिया है।

एनटीपीसी और बालको से मांगा शपथ पत्र

हाईकोर्ट ने विशेष रूप से एनटीपीसी और बालको के चेयरमैन को व्यक्तिगत शपथ पत्र देने के निर्देश दिए हैं। जिसमें उन्हें फ्लाई ऐश प्रबंधन और सड़क रखरखाव की कार्रवाई का विस्तृत ब्योरा देना होगा। इसके अलावा एसईसीएल, एनटीपीसी, बालको और लैंको सहित सभी उद्योगों को पर्यावरण संरक्षण मंडल और राज्य सरकार के साथ दो सप्ताह के भीतर एक संयुक्त बैठक करने का आदेश दिया है।

राज्य स्थापना दिवस पर जिले के 17 हजार से अधिक हितग्राहियों को मिलेगा नए घर का तोहफा

बिलासपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ स्थापना के रजत जयंती वर्ष के अवसर पर पूरे प्रदेश में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत गृह प्रवेश कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर रायपुर के अटल नगर में आयोजित राज्य स्तरीय मुख्य समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वर्चुअली रूप से 3.5 लाख से अधिक हितग्राहियों का सांकेतिक गृह प्रवेश कराएंगे। इनमें बिलासपुर जिले के लगभग 17 हजार 839 हितग्राही शामिल हैं, जिनके मकानों का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर जिले की सभी ग्राम पंचायतों में एक साथ सामूहिक गृह प्रवेश कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान नवनिर्मित घरों को दीयों, रंगोली और पारंपरिक साज-सज्जा से सजाया जाएगा। लाभार्थियों को खुशियों की चॉबी, आभार पत्र और स्मृति चिन्ह भी प्रदान किए जाएंगे। कलेक्टर संजय अग्रवाल एवं जिला पंचायत सीईओ संदीप कुमार अग्रवाल के मार्गदर्शन में कार्यक्रम को हर्षोल्लास के साथ मनाने की रूपरेखा तैयार कर ली गई है। प्रत्येक ग्राम पंचायत में आयोजन की सफलता सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी रोजगार सहायकों और आवास मित्रों को सौंपी गई है।

जनजातीय समाज का गौरवशाली अतीत हमारी सांस्कृतिक अस्मिता का प्रतीक: कश्यप

■ **अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय में जनजातीय समाज के गौरवशाली अतीत पर कार्यशाला आयोजित**

बिलासपुर/नवप्रदेश। अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, में जनजातीय समाज का गौरवशाली अतीत ऐतिहासिक, सामाजिक एवं आध्यात्मिक योगदान विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति, (अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय आचार्य अरुण दिवाकर नाथ वाजपेयी ने की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में रामनाथ कश्यप, वनवासी विकास समिति छत्तीसगढ़ (प्रांत संगठन मंत्री) उपस्थित रहे। अति विशिष्ट अतिथि एवं मुख्य वक्ता के रूप में वैभव सुरंगें, युवा कार्य प्रमुख अखिल भारतीय कल्याण आश्रम तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में बृजेंद्र शुक्ला, प्रांत संयोजक, जनजातीय गौरव प्रकल्प उपस्थित हुए। कार्यक्रम का संयोजन विश्वविद्यालय के कुलसचिव, (अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, डॉ. तारणीश गौतम द्वारा किया गया। सह-संयोजक के रूप में डॉ. स्वाति रोस टोप्पो तथा संयोजक के रूप में नेहा राठौर (उप कुलसचिव प्रशासन/मंडल) ने अपनी भूमिका निभाई। मुख्य अतिथि रामनाथ कश्यप, वनवासी विकास समिति छत्तीसगढ़ (प्रांत संगठन मंत्री) ने अपने प्रेरक उद्बोधन में कहा कि जनजातीय समाज का गौरवशाली अतीत केवल एक विषय नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक अस्मिता का प्रतीक है। नारायणपुर क्षेत्र के सामाजिक परिदृश्य पर बोलते हुए श्री रामनाथ कश्यप ने कहा कि यहाँ के जनजातीय समाज में शेर बचाव जैसी पारंपरिक व्यवस्थाएँ केवल वन्यजीव संरक्षण का प्रतीक नहीं हैं, बल्कि यह प्रकृति के साथ सामंजस्यपूर्ण सह-अस्तित्व की गहरी भावना को दर्शाती हैं।

बिरसा मुंडा व दुर्गावती ने आत्मगौरव से ओतप्रोत किया

बिजेंद्र ने बताया कि भगवान बिरसा मुंडा और रानी दुर्गावती जैसे वीरों ने अपने साहस, त्याग और नेतृत्व के माध्यम से जनजातीय समाज को आत्मगौरव और स्वतंत्रता की भावना से ओत-प्रोत किया। साथ ही उन्होंने हमे इस बात से अवगत करवाया और कहा कि कि माड़िया जनजाति ही वास्तविक रूप से सनातनी संस्कृति की संवाहक है, क्योंकि इनके जीवन में सादगी, अनुशासन और प्रकृति के प्रति सम्मान की भावना विद्यमान है।

---

24 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ 5 से

बिलासपुर/नवप्रदेश। अखिल विश्व गायत्री परिवार, शांतिकुंज हरिद्वार के तत्वावधान में 24 कुंडीय गायत्री महायज्ञ की तैयारियां आरंभ हो गई हैं। यह आयोजन गायत्री प्रज्ञापीठ लिंगियाडीह, बिलासपुर के रजत जयंती समारोह के उपलक्ष्य में 5 से 8 नंवबर तक राजकिशोर नगर में होगा। आयोजन के लिए श्रमदान कार्यक्रम प्रारंभ हो गया है। भूमिपूजन 5 नवंबर को सुबह 10 से 12 बजे के बीच यज्ञस्थल पर गायत्री परिवार के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में होगा।

गिधवा- परसदा में जैव विविधता, प्रवासी पक्षियों के संरक्षण व इको-टूरिज्म को मिली सहमति

■ **मंत्री तोखन साहू की पहल पर केन्द्रीय वन व पर्यावरण मंत्री ने दी सहमति**

बिलासपुर/नवप्रदेश। गिधवा-परसदा आर्द्रभुमि को संरक्षित और विकसित करने के लिए कल आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू ने वन, पर्यावरण एवं जल परिवर्तन मंत्री से मुलाकात की थी, जिस पर आज केन्द्रीय वन मंत्री भूपेंद्र यादव ने केन्द्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू को इंदिरा पर्यावरण भवन, नई दिल्ली में आमंत्रित करके गिधवा-परसदा आर्द्रभूमि को अंतरराष्ट्रीय महत्व की रामसर साइट के रूप में चिन्हित करने के प्रस्ताव पर सकारात्मक संज्ञान लिया।

आज प्रातः 8 बजे मंत्री ने पुनः आमंत्रित कर इस विषय पर विस्तृत चर्चा की और अधिकारियों को इस दिशा में तत्काल आवश्यक कार्यवाही करने का भरोसा दिलाया। यह निर्णय छत्तीसगढ़ की जैव विविधता, प्रवासी पक्षियों के संरक्षण तथा इको-टूरिज्म के विकास के लिए एक ऐतिहासिक पहल है। मैं हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ भूपेन्द्र यादव का जिन्होंने त्वरित निर्णय लेकर प्रदेश की इस प्राकृतिक धरोहर को वैश्विक मानचित्र पर स्थान दिलाने का मार्ग प्रशस्त किया। इस अवसर पर तोखन साहू ने कहा कि मैं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय वन मंत्री भूपेन्द्र यादव का हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ कि उन्होंने छत्तीसगढ़ की इस अनमोल प्राकृतिक धरोहर के महत्व को समझते हुए इसे वैश्विक मानचित्र पर स्थान दिलाने का मार्ग प्रशस्त किया। यह निर्णय प्रदेश की जैव विविधता, पर्यावरण संरक्षण और पर्यटन संवर्धन के लिए एक मील का पत्थर साबित होगा। श्री साहू ने आगे कहा कि गिधवा-परसदा आर्द्रभूमि में प्रवासी पक्षियों के संरक्षण के साथ-साथ इको-टूरिज्म के नए अवसर खुलेंगे।

प्रभु के मधुर वचनों से गूंज उठा चर्च ऑफ खाइस्ट परिसर

मसीही प्रेम और भाईचारे का उत्सव शुरु

बिलासपुर/नवप्रदेश। सीएमडी चौक स्थित चर्च ऑफ खाइस्ट के प्रांगण में आज से तीन दिवसीय संयुक्त महाधिवेशन का शुभारंभ हुआ। यह ऐतिहासिक आयोजन विगत 73 वर्षो से लगातार आयोजित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य मसीह में प्रेम, भाईचारा और एकता की भावना को और प्रगाढ़ करना है। प्रभु के सुंदर मधुर वचनों के माध्यम से लोगों को जीवन में शांति, प्रेम और सद्भाव का संदेश दिया जा रहा है। इस आयोजन की तैयारी में कलीसिया के सदस्यों ने भरसक प्रयास किया। अनेक कठिनाइयों और चुनौतियों के बावजूद सबने एकजुट होकर इस पवित्र आयोजन को सफल बनाया। महाधिवेशन के पहले दिन बच्चों और यूथ स्क्वायर द्वारा भक्ति गीतों की मनमोहक प्रस्तुतियाँ दी गईं, जिससे पूरा प्रांगण प्रभु प्रेम में सराबोर हो गया।यह तीन दिवसीय महाधिवेशन 29, 30 और 31 अक्टूबर तक प्रतिदिन संचालित होगा। सुबह 10 बजे बाइबिल सीडी कार्यक्रम और शाम 6 बजे आराधना सभा का आयोजन किया जाएगा। दिल्ली से आए मास्टर संजय मसीह प्रभु के मधुर वचनों का प्रचार करेंगे, जिससे श्रद्धालु आत्मिक और आध्यात्मिक रूप से लाभान्वित होंगे। 31 अक्टूबर को इस तीन दिवसीय महाधिवेशन का भव्य समापन किया जाएगा। अंतिम दिन सामूहिक प्रार्थना, भक्ति गीतों और धन्यवाद सभा के साथ प्रभु के नाम का गुणगान होगा। कार्यक्रम के समापन पर सभी श्रद्धालुओं के लिए भोजन प्रसाद की विशेष व्यवस्था की गई है।पूरा आयोजन प्रेम, एकता और प्रभु की कृपा से ओतप्रोत नजर आ रहा है जो हर हृदय में शांति और सद्भाव का संदेश फैला रहा है।

कार्यशाला डॉ. सीवी रमन विश्वविद्यालय व शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास छत्तीसगढ़ प्रांत के संयुक्त तत्वावधान में तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन

राष्ट्रीय शिक्षा नीति का लक्ष्य व्यक्तित्व विकास और चरित्र निर्माणः अतुल कोठारी

***बिलासपुर/नवप्रदेश।** डॉ सीवी रमन विश्वविद्यालय एवं शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास छत्तीसगढ़ प्रांत के संयुक्त तत्वावधान में तीन दिवसी राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन डॉ सी वी रमन विश्वविद्यालय में किया जा रहा है । इस राष्ट्रीय कार्यशाला का विषय चरित्र निर्माण और व्यक्तित्व का समग्र विकास तथा विकसित भारत में आत्मनिर्भर भारत की भूमिका है । 29 से 31 अक्टूबर तक तीन दिनों तक चलने वाले इस राष्ट्रीय कार्यशाला देशभर से आए शिक्षाविद और विद्वान ने चरित्र निर्माण और व्यक्तित्व का समग्र विकास तथा विकसित भारत में आत्मनिर्भर अभियान की भूमिका पर अपने विचार रखेंगे।*

पहले दिन मुख्य अतिथि और मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित राष्ट्रीय सचिव शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास दिल्ली के अतुल कोठारी ने कहा कि स्वतंत्र भारत के बाद अब तक तीन बार राष्ट्रीय शिक्षा नीति का निर्माण हुआ है । 1968, 1986, में जो राष्ट्रीय शिक्षा में नीति बनी थी। उसके बाद 2020 में राष्ट्रीय शिक्षा नीति तैयार की गई है । इसकी जरूरत इसलिए पड़ी कि 70 साल से जो राष्ट्रीय शिक्षा नीति थी, वह भारत केंद्रित नहीं थी। इस शिक्षा नीति का निर्माण भारतीयता को केंद्र में रखकर राष्ट्र निर्माण के उद्देश्य से किया गया है । यह शिक्षा नीति मानस को बदलने वाली शिक्षा नीति है । इस शिक्षा नीति का आधारभूत लक्ष्य चरित्र निर्माण और व्यक्तित्व विकास है। उन्होंने कहा कि आज राष्ट्र के सामने चरित्र का संकट है, हमें राष्ट्रीय चरित्र का निर्माण करना है । उन्होंने कहा कि देश का निर्माण चरित्रवान नागरिक से ही किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि अच्छी आदतें अच्छा व्यवहार ही हमारा मूल्य है ,और जब यह मूल्य हमारे आदत में शामिल हो जाता है। तब व्यक्ति चरित्रवान बनता है। इस अवसर पर उन्होंने पंचकोष के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हमने विदेश से सब बातें सीखी जो बातें अच्छी नहीं थी, हमने उन देशों की अच्छी बातें नहीं सीखी.। हमें समस्या का निर्माण करने वाले युवा नहीं, समाज की समस्याओं का निवारण करने वाले युवाओं को तैयार करना है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति इसी के लिए ही तैयार की गई है। उन्होंने कहा कि भारत के नागरिकों में बौद्धिकता की कमी नहीं है। हमें एक नए भारत और आत्मनिर्भर भारत का निर्माण करना है। अति विशिष्ट के रूप में उपस्थित गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार चक्रवाल ने अपने उद्बोधन में कहा कि, संस्कार नहीं तो कुछ ही नहीं।

तकनीकी सत्र में विद्वानों ने रखे अपने विचार

कार्यक्रम में प्रथम सत्र में वक्त के रूप में उपस्थित मालवा प्रांत के संयोजक डॉ दिनेश दवे ने मनोमय कोष के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने मन के विकार अशांत और चंचल होने और उसे विकार से बचने के तरीके भी बताएं। उन्होंने सकारात्मक भाव नकारात्मक भाव को भी बहुत ही विस्तार से सभी के सामने रखा। उन्होंने यह भी बताया कि हम मन की विचलता को संगीत सेवा संयम सत्संग और स्वाध्याय से दूर कर सकते हैं। प्रथम सत्र में उपस्थित राष्ट्रीय संयोजक आत्मनिर्भर अभियान शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास दिल्ली से आए ओमप्रकाश शर्मा ने कहा ,कि विरासत को साथ में लेकर चलने वाले ही आत्मनिर्भर बनते हैं ।हमें भारत की विरासत को साथ में रखना होगा। तभी हम आत्मनिर्भर की दिशा में आगे बढ़ पाएंगे। उन्होंने यह भी बताया कि हम अपने महापुरुषों को भूल रहे हैं। उनकी प्रतिष्ठा को पुनर्स्थापित करना और अपने इतिहास पर गौरव करना भी आत्मनिर्भर भारत की ओर आगे बढ़ना होगा।

न्यूज गैलरी

आईटीआर भरने वालों के लिए बड़ी खबर, डेडलाइन बढ़ी

नई दिल्ली/चंडीगढ़। टैक्स ऑडिट रिटर्न भरने वालों को बड़ी राहत देते हुए पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट और हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट ने आज एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। दोनों उच्च न्यायालयों ने इनकम टैक्स रिटर्न (ढ्ढञ्जक्र) दाखिल करने की समय सीमा 31 अक्टूबर, 2025 से बढ़ाकर 30 नवंबर, 2025 कर दी है। यह फैसला केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (ष्टक्चष्ठञ्ज) द्वारा गुजरात हाईकोर्ट के पिछले आदेश के बावजूद देशव्यापी स्तर पर तारीख न बढ़ाने के बाद आया है। पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट ने यह फैसला पंजाब व हरियाणा की पांच अलग-अलग रिट याचिकाओं पर एक साथ सुनवाई करते हुए दिया। इन याचिकाओं में अमृतसर और जालंधर की टैक्स बार एसोसिएशन भी शामिल थीं। वहीं, हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट ने एडवोकेट विशाल मोहन द्वारा दायर एक रिट याचिका पर सुनवाई करते हुए यह निर्णय सुनाया। यह आदेश गुजरात हाईकोर्ट के उस फैसले के कुछ दिनों बाद आया है, जिसमें गुजरात हाईकोर्ट ने 13 अक्टूबर को ही ष्टक्चष्ठञ्ज को टैक्स ऑडिट मामलों की समय सीमा 30 नवंबर तक बढ़ाने का निर्देश दिया था। पठानकोट टैक्स बार एसोसिएशन के याचिकाकर्ता सीए संजय अग्रवाल ने बताया, कोर्ट ने वही बात दोहराई जो गुजरात हाईकोर्ट ने कही थी कि टैक्स ऑडिट रिपोर्ट (31 अक्टूबर) और ढ्ढञ्जक्र फाइलिंग की तारीख के बीच एक महीने का अंतर होना चाहिए। मंगलवार को सुनवाई के दौरान, पंजाब और हरियाणा ॥ष्ट ने गुजरात ॥ष्ट के आदेश का पालन न करने पर ष्टक्चष्ठञ्ज के वकील को कड़ी फटकार लगाई थी। अदालत ने स्पष्ट कहा था कि अगर नियत तारीख अभी तक नहीं बढ़ाई गई है, तो यह स्पष्ट रूप से हाईकोर्ट के आदेश की अवमानना है। बताया जा रहा है कि ष्टक्चष्ठञ्ज के वकील ने यह कहकर अधिक समय मांगा था कि मामला अभी ष्टक्चष्ठञ्ज चेयरमैन के विचाराधीन है।

लगातार छह सत्रों की कमजोरी के बाद सोने में लौटी तेजी

नई दिल्ली। लगातार छह कारोबारी सत्रों की मंदी के बाद सोने ने फिर वापसी की है और कीमतों में करीब 2,600 रुपए प्रति 10 ग्राम की तेजी देखी गई है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के मुताबिक, 24 कैरेट के 10 ग्राम सोने की कीमत 1,20,628 रुपए पर पहुंच गई है। इससे पहले मंगलवार को सोने की कीमत 1,18,043 रुपए प्रति 10 ग्राम थी। 24 कैरेट के सोने की कीमत में 24 घंटों में 2,585 रुपए प्रति 10 ग्राम की तेजी आई है। 22 कैरेट के 10 ग्राम सोने की कीमत बढ़कर 1,10,495 रुपए हो गई है, जो कि इससे पहले 1,08,127 रुपए प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई थी। वहीं, 18 कैरेट के 10 ग्राम सोने का दाम बढ़कर 90,471 रुपए हो गया है, जो कि पहले 88,532 रुपए प्रति 10 ग्राम था। सोने के साथ चांदी की कीमत में भी बड़ी तेजी देखी गई। चांदी का दाम 4,737 रुपए बढ़कर 1,46,633 रुपए प्रति किलो हो गया है, जो कि पहले 1,41,896 रुपए प्रति किलो था।

अमेरिकी फेड के ब्याज दरों में कटौती से आरबीआई के आगामी रेपो रेट कट के मिल रहे संकेत : मार्केट एक्सपर्ट्स

अमेरिकी फेड की ब्याज दरों में कटौती से आरबीआई को रेपो रेट घटाने का मिला संकेत

नई दिल्ली। मार्केट एक्सपर्ट्स ने बुधवार को कहा कि अमेरिकी फेड के ब्याज दरों में 25 बेसिस प्वाइंट की कटौती के फैसले ने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को भी आगामी रेपो रेट कट के लिए एक क्लियर सिग्नल दे दिया है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि फेड का यह कदम आरबीआई को विकास को बढ़ावा देने और पहले की गई ब्याज दरों में कटौती का प्रभावी लाभ सुनिश्चित करने के लिए इसी तरह की कार्रवाई की संभावना को मजबूत करता है।अमेरिकी फेड की ओर से ब्याज दरों में यह दूसरी बार की कटौती है, इससे पहले सितंबर में भी 25 बेसिस प्वाइंट की कटौती की गई थी।इस घटनाक्रम पर इंडियाबॉन्डस डॉट कॉम के को-फाउंडर विशाल गोयनका ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा यह कदम भारतीय रिजर्व बैंक को आगामी मौद्रिक नीति समिति की बैठक में

ब्याज दरों में कटौती को ग्रीन लाइट सिग्नल देता है।उन्होंने कहा, यूएस फेड द्वारा ब्याज दरों में 25 बेसिस प्वाइंट कटौती को लेकर पहले से ही अनुमान जताया जा रहा था। हालांकि गवर्नर पॉवेल ने स्पष्ट रूप से इस बात पर जोर दिया है कि दिसंबर की बैठक में आगे की कटौती को लेकर अभी किसी तरह का कोई विचार नहीं है। इससे केंद्रीय बैंक को आगामी रेपो रेट कट के लिए ग्रीन सिग्नल मिल जाता है।उन्होंने आगे कहा, आरबीआई ने इस महीने की शुरुआत में एमपीसी बैठक में रेपो रेट को 5.50 प्रतिशत पर स्थिर रख 'डोविश पॉज' का रुख अपनाया। वहीं, अब सही समय आ गया है जब बैंकिंग सेक्टर में उचित लाभ सुनिश्चित करने के लिए एक और रेट कटौती की जा सकती है। पिछले रेट कट का सही असर दिखने के लिए एक सपाट और लोअर लॉन्ग-एंड यील्ड कर्व की आवश्यकता है।गोयनका ने कहा कि अमेरिका द्वारा ब्याज दरों में कटौती के साथ हमें उम्मीद है कि आरबीआई भी इसी दिशा में आगे बढ़ेगा।इस बीच, फेड के इस पॉलिसी मूव से वैश्विक कमोडिटी बाजारों पर भी असर पड़ा। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के एनालिस्ट मानव मोदी ने कहा कि इस सप्ताह की शुरुआत में थोड़े सुधार के बाद सोने की कीमतों में तेज गिरावट दर्ज की गई क्योंकि दरों में कटौती के बाद डॉलर सूचकांक और अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में बढ़ोतरी हुई।

एआई मोड अब 40 भाषाओं में उपलब्ध, नए ग्राहकों की संख्या में 34 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि

गूगल ने हासिल की ऐतिहासिक उपलब्धि, पहली बार तिमाही राजस्व पहुंचा 100 अरब डॉलर के पार

नई दिल्ली। गूगल ने पहली बार किसी तिमाही में 100 अरब डॉलर से अधिक का राजस्व दर्ज किया है। पांच साल पहले हमारी तिमाही आय 50 अरब डॉलर थी। रिपोर्ट के अनुसार, गूगल के प्रमुख उत्पाद सर्च, यूट्यूब और क्लाउड सभी में मजबूत वृद्धि दर्ज की गई है।

यह कंपनी की एआई रणनीति पर बढ़ते फोकस का परिणाम है। गूगल और उसकी मूल कंपनी अल्फाबेट ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है। कंपनी ने पहली बार किसी तिमाही में 100 अरब डॉलर से अधिक का राजस्व दर्ज किया है। सभी प्रमुख व्यावसायिक खंडों में दो अंकों की वृद्धि ने इस रिकॉर्ड को संभव बनाया। पांच साल पहले कंपनी का तिमही आय 50 अरब डॉलर था। कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुंदर पिचाई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी साझा करते हुए इसे माइलस्टोन क्वार्टर करार दिया। उन्होंने

लिखा कि हमने अपने इतिहास का पहला 100 अरब डॉलर का तिमाही राजस्व दर्ज किया है। यह हर प्रमुख व्यवसाय में दो अंकों की वृद्धि से संभव हुआ है। पांच साल पहले हमारी तिमाही आय 50 अरब डॉलर थी। रिपोर्ट के अनुसार, गूगल के प्रमुख उत्पाद सर्च, यूट्यूब और क्लाउड सभी में मजबूत वृद्धि दर्ज की गई है। यह कंपनी की एआई रणनीति पर बढ़ते फोकस का परिणाम है। पिचाई ने कहा कि गूगल का फुल-स्टैक एआई अप्रोच अब वास्तविक गति पकड़ चुका है। कंपनी के उन्नत एआई मॉडल जेमिनी 2.5 प्रो, वीओ, जिनी 3, और नैनो इस क्षेत्र में नवाचार का नेतृत्व कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि अब तक 1.3 करोड़ से अधिक डेवलपर्स गूगल के जेनरेटिव एआई मॉडल्स के साथ काम कर चुके हैं। कंपनी इस वर्ष के अंत तक जेमिनी 3 लॉन्च करने की योजना बना रही है।सर्च के मामले में, पिचाई ने इसे %एक विस्तारवादी क्षण% बताया और समग्र और व्यावसायिक दोनों तरह की क्वेरीज में जारी वार्षिक वृद्धि का जिक्र किया। गूगल ने रिकॉर्ड समय में एआई ओवरव्यू और एआई मोड लॉन्च किया, जिसके साथ एआई मोड अब 40 भाषाओं में उपलब्ध है और 7.5 करोड़ दैनिक उपयोगकर्ताओं को आकर्षित कर रहा है।

उन्होंने कहा कि तीसरी तिमाही में अमेरिका में एआई मोड क्वेरीज की संख्या दोगुनी हो गई। गूगल क्लाउड ने भी मजबूत गति दिखाई, पिचाई ने एक और तिमाही में तेज वृद्धि दर्ज की जो मुख्य रूप से एआई-संबंधित राजस्व से प्रेरित थी। उन्होंने कहा कि नए ग्राहकों में साल-दर-साल लगभग 34 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, और 70 प्रतिशत से ज्यादा मौजूदा ग्राहक अब गूगल के एआई उत्पादों का उपयोग करते हैं। क्लाउड के अंतर्गत तेरह उत्पाद श्रृंखलाओं एक अरब डॉलर से अधिक की वार्षिक रन रेट हासिल की है।

लाल निशान में खुला भारतीय शेयर बाजार, सेंसेक्स-निफ्टी की सुस्त रही शुरुआत

मुंबई। भारतीय बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी गुरुवार के कारोबारी दिन सुस्त शुरुआत के साथ लाल निशान में खुले। शुरुआती कारोबार में निफ्टी फार्मा, ऑटो, आईटी, पीएसयू बैंक, फाइनेंशियल सर्विस सेक्टर्स में बिकवाली देखी जा रही थी।

अमेरिकी फेड द्वारा ब्याज दरों में 25 बेसिस प्वाइंट कटौती का असर भारतीय शेयर बाजार पर देखने को नहीं मिला। फेड चेयरमैन ने अमेरिकी इकोनॉमी को स्थिर बनाए रखने के लिए उम्मीद के मुताबिक पॉलिसी रेट पर फैसला लिया। ताजा कटौती के बाद अमेरिका में ब्याज दरें 3.75 प्रतिशत से 4 प्रतिशत के दायरे में आ गई हैं।सुबह करीब 9 बजकर 40 मिनट पर सेंसेक्स 355.57 अंक या 0.42 प्रतिशत की गिरावट के साथ 84,641.56 पर कारोबार कर रहा था। वहीं, निफ्टी 113.65 अंक या 0.44 प्रतिशत की गिरावट के साथ 25,940.25 स्तर पर बना हुआ था। कारोबारी सत्र की शुरुआत में निफ्टी बैंक 199.55 अंक या 0.34 प्रतिशत की गिरावट के साथ 58,185.70 पर था। वहीं, निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 151.50 अंक या 0.25 प्रतिशत की गिरावट के बाद 59,997.55 पर कारोबार कर रहा था। दूसरी ओर, निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 12.20 अंक या 0.0.07 प्रतिशत की गिरावट के साथ 18,475.35 स्तर पर था। बाजार जानकारों ने कहा कि टेक्निकल फ्रंट पर निफ्टी तब तक साइडवेज-टू-बुलिश बना रहेगा जब तक इंडेक्स 25,900ङ्क26,000 के सपोर्ट जोन से ऊपर बना रहता है। ऊपर की ओर तुरंत रेजिस्टेंस 26,100ङ्क26,200 के आसपास है और इस रेंज से ऊपर लगातार मूव होने पर शॉर्ट टर्म में 26,300ङ्क26,400 की तरफ बढ़त का रास्ता खुल सकता है।इस बीच सेंसेक्स पैक में भारती एयरटेल, सनफार्मा, आईटीसी, टाटा स्टील, इटरनल, इंफोसिस और पावरग्रिड टॉप लूजर्स थे। वहीं, एलएंडटी, बजाज फाइनेंस और बजाज फिनसर्व टॉप गेनर्स रहे। एशियाई बाजारों की बात करें तो जकार्ता, सोल, जापान, चीन, हांगकांग के बाजार हरे निशान में कारोबार कर रहे थे। केवल बैंकॉक लाल निशान में कारोबार कर रहा था। अमेरिकी बाजारों की बात करें तो आखिरी कारोबारी दिन डाउ जोंस 0.16 प्रतिशत या 74.37 अंक की गिरावट के बाद 47,632.00 पर बंद हुआ। वहीं, एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.30 अंक की मामूली गिरावट के बाद 6,890.59 स्तर और नैस्डेक 0.55 प्रतिशत या 130.98 अंक की तेजी के बाद 23,958.47 पर बंद हुआ।

खेल, मनोरंजन

भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया दूसरा टी-20 मुकाबला आज

नईदिल्ली। ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम और भारतीय क्रिकेट टीम के बीच 5 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की सीरीज का दूसरा मुकाबला शुक्रवार (31 अक्टूबर) को खेला जाएगा। 5 मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला बारिश के कारण रद्द हो गया था। ऐसे में दूसरे मुकाबले में दोनों टीमें नए जोश के साथ मैदान पर उतरना चाहेंगे। सूर्यकुमार यादव भारतीय टीम के कप्तान होंगे और कंगारू टीम की कमान मिचेल मार्श संभालेंगे। आइए मुकाबले का प्रीव्यू और अन्य महत्वपूर्ण बातों पर नजर डालते हैं। टी-20 में दोनों के बीच 33 मैच खेले गए, जिसमें से 20 में भारत और 11 में कंगारू टीम को जीत मिली है। 2 मैच में नतीजा नहीं निकला है। भारत में खेले गए 15 मुकाबलों में 10 में भारत और 5 में ऑस्ट्रेलिया को जीत मिली है। ऑस्ट्रेलिया में 13 मुकाबलों में 7 में

भारत और 4 में ऑस्ट्रेलिया को जीत मिली है। तटस्थ स्थान पर 5 मैचों में 3 में भारत और 2 में ऑस्ट्रेलिया को जीत मिली।

दूसरे टी-20 मुकाबले में भारतीय टीम प्लेइंग इलेवन में बड़ा बदलाव नहीं करना चाहेगी। कप्तान सूर्यकुमार ने पहले मैच में अपना खोया हुआ फॉर्म प्राप्त किया था। उनके बल्ले से 39 रन निकले थे। एक बार फिर वह अच्छी पारी खेलना चाहेंगे। अभिषेक शर्मा से भी बड़ी पारी की उम्मीद होगी। भारत की संभावित एकादश- अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल, सूर्यकुमार यादव (कप्तान), तिलक वर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), शिवम दुबे, अक्षर पटेल, हर्षित राणा, कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती और जसप्रीत बुमराह। ऑस्ट्रेलिया की टीम भारत को कड़ी टक्कर देते हुए नजर आ सकती है। टीम के कप्तान मार्श कमाल के फॉर्म में चल रहे हैं। वहीं, ट्रेविस हेड भी दूसरे मुकाबले में ताबड़तोड़ पारी खेलना चाहेंगे। तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड से भी काफी उम्मीदें होंगी। ऑस्ट्रेलिया की संभावित एकादश- मिचेल मार्श (कप्तान), ट्रेविस हेड, जोश इंगलिस (विकेटकीपर), टिम डेविड, मिचेल ओवेन, मार्कस स्टोइनिस, जोश फिलिप, जेवियर बार्टलेट, नाथन एलिस, मैथ्यू क्यूनेमैन और जोश हेजलवुड। भारत के लिए अभिषेक ने पिछले 10 मैचों में 49.7 की औसत से 497 रन बनाए हैं। तिलक ने 10 मैचों में 47.4 की औसत से 237 रन अपने नाम किए हैं।

बाहुबलीः द एपिक ने एडवांस बुकिंग में गाड़े झंडे

एसएस राजामौली और प्रभास की फिल्म बाहुबली अपनी रिलीज के 10 साल पूरे कर चुकी है। इस जश्न को मनाने के लिए मेकर्स बाहुबलीः द एपिक लेकर आए हैं,।

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार मुंगेली जिला मुंगेली छ.ग.

ईश्तहार

रा.प्र.क्र./अ-6-अ/2025-26
ग्राम गिधपुरी मन 01 प.ह.नं. 47

ग्राम गिधपुरी मन 01 के आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक रमेश पिता भुनेश्वर यादव जाति यादव निवासी ग्राम अम्बेडकर वार्ड मुंगेली तहसील व जिला मुंगेली के द्वारा ग्राम गिधपुरी मन 01 स्थित भूमि ख.नं. क्रमशः 227 शामिल 4 एवं 229/1, 229/2, 230 कुल रकबा 3.145 हे. भूमि पर आनलाईन राजस्व अभिलेख में आवेदक का नाम त्रुटिवश रमेशर दर्ज हो गया है। जिसे सुधार कर रमेश पिता भुनेश्वर के नाम पर दर्ज किए जाने हेतु इस न्यायालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी को भी किसी प्रकार की कोई दावा/आपत्ति हो तो वह स्वयं या अभिभाषक या प्रतिनिधि के माध्यम से दिनांक 31/10/2025 समय 11.00 बजे दिन को तहसील कार्यालय मुंगेली में दावा/आपत्ति पेश करता है। निर्धारित तिथि के पश्चात प्राप्त आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 15/10/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुद्रा से जारी किया गया।

सील — अतिरिक्त तहसीलदार मुंगेली (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार मुंगेली जिला-मुंगेली (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र./अ-6/ 2025-26
ग्राम-जोगीपुर प.ह.नं. 13

एतद् द्वारा ग्राम जोगीपुर के आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक चन्द्रभानसिंह राजपूत पिता भुवनसिंह राजपूत जाति ठाकुर निवासी जोगीपुर तह. व जिला मुंगेली द्वारा ग्राम जोगीपुर प.ह.नं. 13 स्थित भूमि ख.नं. 33/3 में से रकबा 0.243 हे. का पंजीकृत दानपत्र दिनांक 12.06.2025 के आधार पर नामांतरण किये जाने हेतु संहिता की धारा 109, 110 के तहत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया हैं।

उक्त संबंध में जिस किसी को भी किसी प्रकार का कोई भी दावा/आपत्ति हो तो वह स्वयं या अभिभाषक या प्रतिनिधि के माध्यम से दिनांक 17/11/2025 को समय 11.00 बजे दिन को तहसील कार्यालय मुंगेली में दावा/आपत्ति पेश कर सकता है। निर्धारित तिथि पश्चात प्राप्त आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 24/10/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुद्रा से जारी किया गया।

सील — तहसीलदार मुंगेली (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार मुंगेली जिला-मुंगेली (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. /अ-6/2025-26
ग्राम - जोगीपुर प.ह.नं. 13

एतद् द्वारा ग्राम जोगीपुर के आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक चेतनसिंह राजपूत पिता भुवनसिंह राजपूत जाति ठाकुर निवासी जोगीपुर तह. व जिला मुंगेली द्वारा ग्राम जोगीपुर प.ह.नं. 13 स्थित भूमि ख.नं. 33/3 में से रकबा 0.243 हे. का पंजीकृत दानपत्र दिनांक 12/06/2025 को हो जाने पर नामांतरण किए जाने हेतु संहिता की धारा 109, 110 के तहत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है।

उक्त संबंध में जिस किसी को भी किसी प्रकार का कोई भी दावा/आपत्ति हो तो वह स्वयं या अभिभाषक या प्रतिनिधि के माध्यम से दिनांक 17/11/2025 को समय 11.00 बजे दिन को तहसील कार्यालय मुंगेली में दावा/आपत्ति पेश कर सकता है। निर्धारित तिथि पश्चात प्राप्त आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 24/10/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुद्रा से जारी किया गया।

सील — तहसीलदार मुंगेली (छ.ग.)

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार मुंगेली, जिला मुंगेली छ.ग.

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. अ-6-अ/ 2025-26
ग्राम मजगांव प.ह.नं. 47

ग्राम मजगांव मन 01 के आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक रमेश पिता भुनेश्वर यादव जाति यादव निवासी ग्राम अम्बेडकर वार्ड मुंगेली तहसील व जिला मुंगेली के द्वारा ग्राम मजगांव स्थित भूमि ख.नं. क्रमशः 24/4 शामिल 122/4, 123/2, 124/2, 125/4 कुल रकबा 1.643 हे. भूमि पर आनलाईन राजस्व अभिलेख में आवेदक का नाम त्रुटिवश रमेशर दर्ज हो गया है। जिसे सुधार कर रमेश पिता भुनेश्वर के नाम पर दर्ज किए जाने हेतु इस न्यायालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी को भी किसी प्रकार की कोई दावा/आपत्ति हो तो वह स्वयं या अभिभाषक या प्रतिनिधि के माध्यम से दिनांक 31/10/2025 समय 11.00 बजे दिन को तहसील कार्यालय मुंगेली में दावा/आपत्ति पेश करता है। निर्धारित तिथि के पश्चात प्राप्त आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 15/10/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुद्रा से जारी किया गया।

सील — अतिरिक्त तहसीलदार मुंगेली (छ.ग.)

न्यायालय नजूल अधिकारी, मुंगेली (छत्तीसगढ़)

-: उद्घोषणा :-

प्र. क्र./अ-20(1)/25-26

पक्षकार- कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला मुंगेली छ.ग. -------आवेदक

विरूद्ध

छ.ग. शासन -------अनावेदक

एतद् द्वारा सर्व साधारण ग्राम / मोहल्ला पुराना बस स्टैण्ड मुंगेली, जिला मुंगेली को सूचित किया जाता है कि आवेदक कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला मुंगेली छ.ग. द्वारा दिनांक 08.10.2025 को पत्र प्रेषित कर कर लेख किया गया है कि मुंगेली स्थित नजूल भूमि शीट नं. 38 सी, प्लाट नं. 35 क्षेत्रफल 1795 व.मी. भूमि को विभागीय स्टोर एवं जिला वैक्सीन स्टोर जर्जर भवन को डिस्मेंटल करके बनाए जाने पुनः स्वास्थ्य विभाग को भूमि आबंटित करने तथा भवन निर्माण प्रारंभ किए जाने की स्वीकृति बाबत् इस न्यायालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः एवं मोहल्ला पुराना बस स्टैण्ड, गांधी पुतला के पीछे मुंगेली तहसील मुंगेली जिला मुंगेली स्थित उपरोक्त नजूल भूमि आबंटन के संबंध में प्रकरण विचाराधीन है। इस सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति, संस्था या उपरोक्त भूमि पर हक रखने वालो को किसी प्रकार की कोई आपत्ति या दावा हो तो वे अपना आपत्ति दिनांक 11.11.2025 को न्यायालीन समय में स्वतः उपस्थित होकर अथवा अपने विधि मान्य प्रतिनिधि के माध्यम से आपत्ति/दावा प्रस्तुत कर सकता है। उक्त तिथि के उपरांत प्राप्त दावा/आपत्ति विचारणीय नही होगा।

ईश्तहार आज दिनांक 28.10.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।

सील — नजूल अधिकारी मुंगेली (छ.ग.)

साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड
"मिनी रत्न कम्पनी"
(कोल इण्डिया लिमिटेड का उपक्रम)

एसईसीएल/भट./सीएम/एमएम/25-26/470 — दिनांक 18.10.2025

सूचना

इस प्रकाशन के माध्यम से यह सूचित किया जाता है कि एसईसीएल भटगांव क्षेत्रान्तर्गत महामाया ओ. सी. पी. परियोजना के खनन कार्य हेतु ग्राम सेन्धोपारा के निम्नलिखित भू-विस्थापितों एवं उनके द्वारा नामित आश्रित/उम्मीदवार को एसईसीएल मे रोजगार प्रदान करने हेतु एसईसीएल मुख्यालय, बिलासपुर से स्वीकृति प्राप्त किये जाने बावत औपचारिकताएँ यथाशीघ्र प्रारम्भ किया जायेगा। तत्सम्बंध में भूस्वामियों एवं प्रस्तावित व्यक्तियों द्वारा सही नाम का शपथ पत्र कार्यालय में प्रस्तुत किया गया है। अतः जन साधारण के लिए निम्न तालिका में जानकारी प्रकाशित की जा रही है :-

ग्राम-सेन्धोपारा

स क्र	1A & 1B भूमि संबधी एवं अन्य दस्तावेजों में भू-स्वामी का नाम	खसरा न.	रकबा (हे.)	उम्मीदवार का वास्तविक नाम प्रस्तुत शपथ पत्र के अनुसार	रोजगार हेतु नामांकित उम्मीदवार व्यक्तिगत के दस्तावेजों में नाम
1	2	3	4	5	6
1	1A & 1B के अनुसार भूमि स्वामी का नाम (प्रथम चरण) - मोहरमनिया पति सुखराम राजस्व दस्तावेजों (ऋण पुस्तिका) में नाम - मोहरमनिया पति सुखराम गोड़ राजस्व दस्तावेजों (बी-1) में नाम - मोहरमनिया पति सुखराम गोड़ आधार कार्ड में नाम - मोहरमनिया पति सुख राम सुख वोटर कार्ड मे नाम - मोहरमनिया गोड़ पति सुखराम गोड़ वंशवृक्ष मे नाम - मोहरमनिया पति सुखराम	171/2 172	0.170 0.760	देवशरण सिंह आ0 सुखराम सिंह	नामांकन मे नाम - देवशरण सिंह आ0 सुखराम सिंह वंश वृक्ष में नाम - देवशरण सिंह आधार कार्ड मे नाम -देवशरण सिंह आ0 सुख राम सिंह वोटर कार्ड मे नाम - देवशरण सिंह आ0 सुखराम जाति, प्रमाण पत्र में नाम - देवशरण सिंह आ0 सुखराम सिंह निवास प्रमाण पत्र में नाम - देवशरण सिंह आ0 सुखराम सिंह शैक्षणिक प्रमाण पत्र में नाम - DEVSHARAN SINGH S/O SUKHRAM SINGH
		Total	0.930		

अतः किसी भी संबंधित व्यक्ति को इस पर आपत्ति हो तो अपना पूरा नाम हस्ताक्षर, पता एवं मूल दस्तावेजों/प्रमाणों के साथ इसकी लिखित शिकायत कार्यालय- उपक्षेत्रीय प्रबंधक, भटगांव उपक्षेत्र, एसईसीएल भटगाँव क्षेत्र, पो.ऑ. भटगांव कॉलरी, तहसील-भटगांव, जिला-सूरजपुर छ.ग. मे इस सूचना के प्रकाशन के सात दिवस के भीतर व्यक्तिगत रुप से उपस्थित होकर प्रस्तुत करें। अन्यथा समयावधि के पश्चात प्रस्तुत दावा -आपत्ति मान्य नही होगा।

उपक्षेत्रीय प्रबंधक, एसईसीएल, भटगांव क्षेत्र

भारतीय स्टेट बैंक — क्षेत्रीय व्यवसायिक कार्यालय क्षेत्र-1, बलराम टाकीज के समीप, सिंधी कॉलोनी, बिलासपुर 495001 (छ.ग.)

भारतीय स्टेट बैंक की शाखा हेतु व्यवसायिक भवन की आवश्यकता है

भारतीय स्टेट बैंक की ओर से एसबीआई क्षेत्रीय व्यवसाय कार्यालय बिलासपुर के अंतर्गत नवीन शाखा हेतु स्थान गौरव पथ, रिंग रोड नंबर 2, बिलासपुर, तहसील - बिलासपुर, जिला- बिलासपुर (छ.ग.) 495001 में नीचे दिए विवरण के अनुसार अच्छी दृश्यता, पर्याप्त बिजली व पानी सहित सभी सुविधाओं से सुसज्जित भू-तल पर वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों में प्लाट, तैयार निर्मित परिसर के मालिकों से प्रस्ताव आमंत्रित करता है। परिसर में पर्याप्त पार्किंग क्षेत्र और अग्रभाग होना चाहिए। इच्छुक परिसर मालिक/ पावर ऑफ अटॉर्नी धारक जो बैंक की आवश्यकताओं के अनुसार परिसर में परिवर्धन और परिवर्तन के लिए सहमत है, वे तकनीकी बोली (Technical Bid) और मूल्य बोली (Financial Bid) के आधार पर बैंक के निर्धारित प्रारूप में दो अलग अलग मुहरबंद लिफाफों पर तकनीकी बोली (Technical Bid) और मूल्य बोली (Financial Bid) लिखकर क्षेत्रीय प्रबन्धक, भारतीय स्टेट बैंक के पक्ष में, क्षेत्रीय व्यवसाय कार्यालय, भारतीय स्टेट बैंक क्षेत्र-1, बिलासपुर, बलराम टाकीज के समीप, सिंधी कॉलोनी, बिलासपुर 495001 (छ ग) में दिनांक 20.11.2025 दोपहर 03:00 बजे तक अपने प्रस्ताव जमा करावें। तकनीकी मूल्य बोली और मूल्य बोली का प्रारूप हमारी आधिकारिक वेबसाइट https://www.sbi.co.in में प्रोक्यूरमेंट न्यूज से डाउनलोड किया जा सकता है या दिनांक 20.11.2025 तक किसी भी कार्यदिवस में बैंकिंग समय में व्यक्तिगत रूप से अधोहस्ताक्षरित/ क्षेत्रीय प्रबंधक के कार्यालय से एकत्र किया जा सकता है। Procurement News के तहत हमारी वैबसाइट https://www.sbi.co.in/web/sbi-in-the-news/procurement-news पर अपलोड किए गए प्रारूप के अलावा किसी भी बोली पर विचार नहीं किया जाएगा। देर से या अधूरे मिले प्रस्तावों को स्वीकार नहीं किया जाएगा। सार्वजनिक क्षेत्रों की एकाइयों/ सरकारी विभागों को प्राथमिकता दी जाएगी। अन्य सेवा शर्तें एवं नियम Procurement News के तहत हमारी वैबसाइट https://www.sbi.co.in पर अपलोड किए गए टेंडर नोटिस अनुसार रहेगी। एसबीआई किसी भी/ सभी प्रस्तावों को बिना कारण बताये स्वीकार करने या अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

क्र. सं.	वांछित/ पसंदीदा स्थान	बिजली कनैक्शन	वांछित क्षेत्रफल (वर्गफुट में लगभग)	अग्र भाग (लगभग)
1	गौरव पथ, रिंग रोड नंबर 2, बिलासपुर मुख्य मार्ग और भूतल पर, स्थान - बिलासपुर, तहसील- बिलासपुर, जिला- बिलासपुर (छ.ग.) 495001	30 KW / शाखा कि आवश्यकता अनुसार	3000 वर्गफीट लगभग (बिल्ड अप एरिया), वाहन पार्किंग शेड क्षेत्रफल 1000 वर्ग फीट लगभग एवं जेनरटर हेतु 80-100 वर्गफीट.	30-40 फिट

सहायक महाप्रबंधक (क्षेत्रीय प्रबंधक)
भारतीय स्टेट बैंक, क्षेत्रीय व्यवसाय कार्यालय, बिलासपुर

न्यूज गैलरी

तीन अलग-अलग सूने मकानों से नकदी सहित लाखों के जेवर पार

रायपुर/नवप्रदेश। राजधानी रायपुर के तीन अलग-अलग थाना क्षेत्रों में अज्ञात चोरों ने तीन सूने मकानों से नकदी सहित लाखों रुपए का जेवर पार कर दिए। तीनों ही मामलों में पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

मिली जानकारी के अनुसार महावीर नगर अभनपुर निवासी अंकित अग्रवाल 36 वर्ष ने अभनपुर थाना में शिकायत किया कि अज्ञात चोर ने उसके सूने मकान का ताला तोड़कर आलमारी में रखे नकदी 2 लाख सहित सोने-चांदी के जेवर पार कर दिए। चोरी गए जुमला कीमती करीब 2 लाख 95 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। वहीं दूसरे मामले में रावतपुरा कालोनी फेस 1 टिकरापारा निवासी जितेन्द्र सोनकर 47 वर्ष ने टिकरापारा थाना में शिकायत किया कि अज्ञात चोर ने उसके सूने मकान का ताला तोड़कर आलमारी में रखे नकदी 4 हजार रुपए व हाथ घड़ी पार कर दिया। चोरी गए जुमला कीमती करीब 7 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। इसी तरह न्यू साईंनाथ कालोनी कोटा निवासी प्रार्थी भुवनेश्वर मसकरे 29 वर्ष ने सरस्वती नगर थाना में शिकायत किया कि अज्ञात चोर ने उसके सूने मकान का ताला तोड़कर आलमारी में रखे नकदी 75 हजार सहित सोने-चांदी के जेवर पार कर दिया। चोरी गए जुमला कीमती करीब 85 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। तीनों ही मामलों में पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

चना खरीदी आपूर्ति निगम में हाईकोर्ट में लगाया केवियेट

रायपुर/नवप्रदेश। राज्य नागरिक आपूर्ति निगम द्वारा वर्ष 25-26 के लिए करोड़ों रुपये की चना खरीदी को लेकर विवाद थमते नजर नहीं आ रहे है। आपूर्ति निगम द्वारा हाईकोर्ट में एक केबिएट के लिए याचिका दायर की गई है। जिसके अनुसार यदि हाईकोर्ट में कोई भी आवेदक यदि इसके विरुद्ध याचिका लगाता है तो उस पर निगम का पक्ष सुना जाएगा। राज्य नागरिक आपूर्ति निगम के काउंसलर द्वारा हाईकोर्ट में दायर केवियेट के अनुसार आपूर्ति निगम द्वारा वर्ष 25-26 के लिए चना की आपूर्ति की जा रही है। जिसके लिए नीलामी का शेड्यूल निर्धारित किया गया है। 4 नवंबर को इस पर अंतिम निर्णय होना है। आपूर्ति निगम द्वारा उनके अधिवक्ता द्वारा दायर याचिका के अनुसार यदि इस नीलामी के विरुद्ध कोई कोर्ट की शरण लेता है तो निगम का पक्ष सूना जाएगा। अधिवक्ता द्वारा केवियट लगाया गया है जो कि राज्य नागरिक आपूर्ति निगम विरुद्ध अनावेदक है। ज्ञात रहे 2025-26 वर्ष के लिए आदिवासी क्षेत्रों माडा ने चना शालेय छात्रों को बांटा जाएगा। राज्य में करीब 12 से अधिक आदिवासी जिला है। यहां पर 55 हजार मीटरिक टन चना का वितरण किया जाना है जिसके लिए 4 सौ करोड़ रुपये की निविदा आमंत्रित की जा रही है।

सत्य सांई अस्पताल के बच्चों से मिलेंगे प्रधानमंत्री

रायपुर/नवप्रदेश। देश के प्रधानमंत्री एक नवंबर को छग की राजधानी अटल नगर आ रहे है। यहां पर वे अपने व्यस्त दौरे कार्यक्रम के तहत ब्रम्हकुमारी शक्ति शिखर के नवनिर्मित शांति शिखर सत्य सांई अस्पताल तथा नये विधानसभा का उद्घाटन करेंगे। इसके अलावा उनके व्यस्त दौरे कार्यक्रम में आदिवासी संग्रहालय और राज्योत्सव स्थल एक सभा को संबोधित करना है। अटल नगर रायपुर में सुरक्षा के चौक चौबंद व्यवस्था किये जा रहे हैं। मिली जानकारी के अनुसार प्रधानमंत्री सबसे पहले प्रातः नौ बजे ब्रम्हकुमारी शांति शिखर का उद्घाटन करेंगे। इस कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि रामेन डेका विष्णुदेव साय एवं रमन सिंह होंगे। इस अवसर पर राजयोगिनी जयंती दीदी, सविता दीदी प्रमुख रूप से शामिल होंगी। यहां पर आकर्षक ढंग से एक हाल बनाया गया है। शांति शिखर कया बांधा सेक्टर 20 में रायपुर में बलुआ पत्थर से बनाया गया है। यहां पर आगंतुकों को आठ बजे आना होगा। साथ में कार्ड एवं आईडी प्रमाण पत्र लाये। हाल में मोबाइल ब्रीफकेश लाने की अनुमति नहीं दी गई है। इस अवसर पर छग और प्रदेश के अन्य स्थानों से ब्रम्हकुमारियां आएंगी। प्रजापिता ब्रम्हकुमारी के भाई बहन इस समय आगंतुकों को कार्ड देने के लिए तैयारी कर रहे है।

फेस-1 में सीसी रोड क्षतिग्रस्त ठेकेदार को नोटिस

रायपुर/नवप्रदेश। रायपुर नगर पालिक निगम की जोन 8 जोन कमिश्नर श्रीमती राजेश्वरी पटेल ने जानकारी दी है कि नगर निगम रायपुर के जोन क्रमांक 8 अंतर्गत पण्डित जवाहर लाल नेहरू वार्ड क्रमांक 2 अंतर्गत कबीर नगर फेस -1 में सचदेवा स्कूल के सामने लगभग 15 से 20 मीटर तक सीसी रोड की सरफेस क्षतिग्रस्त होने की जानकारी मिलते ही रायपुर नगर पालिक निगम जोन क्रमांक 8 द्वारा कबीर नगर फेस -1 क्षेत्र में सीसी रोड और नाली निर्माण कार्य हेतु अनुबंधित ठेकेदार तिवारी ट्रेडर्स शैलेन्द्र कुमार तिवारी को विगत दिनांक 26 सितम्बर 2025 को प्रथम नोटिस और दिनांक 10 अक्टूबर 2025 को द्वितीय नोटिस जारी किया गया है, जिसमें ठेकेदार तिवारी ट्रेडर्स शैलेन्द्र कुमार तिवारी को सीसी रोड के सचदेवा स्कूल के सामने लगभग 15 से 20 मीटर सरफेस को तत्काल बनाये जाने के निर्देश नगर निगम जोन 8 जोन कमिश्नर द्वारा दिए गए हैं, अन्यथा की स्थिति में नियमानुसार कार्यवाही कर प्रकरण में अनुबंध की शर्तों के अधीन एसडी और एफ्डीआर राजसात करने की स्पष्ट चेतावनी कार्य हेतु अनुबंधित ठेकेदार को दी गयी है. सम्बंधित अनुबंधित ठेकेदार तिवारी ट्रेडर्स शैलेन्द्र कुमार तिवारी ने दिनांक 17 अक्टूबर 2025 को नगर निगम जोन 8 जोन कमिश्नर को वर्तमान में बारिश और श्रमिकों की अनुपलब्धता के कारण दीपावली और छठ पूजा के अवकाश के पश्चात कबीर नगर फेस - 1 में सचदेवा स्कूल के सामने सीसी रोड के क्षतिग्रस्त सरफेस को बनाये जाने हेतु अपनी लिखित सहमति दी है।

राज्य निर्माण के 25 वें साल में पिछड़े राज्य का टैग हटाकर औद्योगिक क्रांति की ओर बढ़ चला छत्तीसगढ़

इंडस्ट्रियल डवलपमेंट में छत्तीसगढ़ की ऊंची छलांग अद्भुत विजन के साथ गेमचेंजर सीएम बने विष्णु

▶1143 करोड़ के सेमीकंडक्टर प्लांट की बुनियाद रखी, आईटी, एआई, डाटा सेंटर, एथेनॉल, इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योगों में साढ़े चार लाख करोड़ से ज्यादा इंडस्ट्रियल इन्वेस्टमेंट

हनीफ निजामी

रायपुर/नवप्रदेश। राज्य निर्माण के बाद शुरुआती दो दशक तक छत्तीसगढ़ को पिछड़ा और विकासशील राज्य की संज्ञा देने वाले आर्थिक विशेषज्ञों की राय पिछले दो साल में तेजी से बदली है। विष्णु देव साय के नेतृत्व में नई सरकार ने छत्तीसगढ़ के विकास और तरक्की की नई इबारत लिख दी है। इंडस्ट्रियल डवलपमेंट के अद्भुत विजन के साथ विष्णु देव साय अब गेमचेंजर सीएम कहलाने लगे हैं।

साय के विजन का ही ये कमाल है कि कृषि और कोयले या अन्य खनिज के खनन के लिये पहचाने जाने वाले छत्तीसगढ़ में अब सेमीकंडक्टर प्लांट स्थापित हो रहा है। ट्रांजिस्टर, पॉवर इलेक्ट्रॉनिक्स और इलेक्ट्रिक व्हीकल्स के क्षेत्र में प्रोडक्शन की तैयारी शुरू हो चुकी है। छत्तीसगढ़ को देश का अगला आईटी हब बनाने की दिशा में गंभीरता से काम हो रहा है। महत्वपूर्ण फैसले लिये जा रहे हैं। राज्य में आईटी, एआई, डाटा सेंटर, एथेनॉल, इलेक्ट्रॉनिक्स, इलेक्ट्रिकल, कम्प्रेस्ड बॉयो गैस जैसे क्षेत्रों में इन्वेस्टमेंट और डवलपमेंट की तहरीर लिखी जा रही है।

6 महीने पहले नवा रायपुर में कुल 1143 करोड़ की लागत से पॉलीमैटेक इलेक्ट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड के सेमीकंडक्टर प्लांट की आधारशिला रखने के साथ ही छत्तीसगढ़ ने तरक्की की ऊंची छलांग लगा दी। माना जा रहा है कि नवा रायपुर अब सिलिकॉन वैली के रूप में उभरेगा। कुल डेढ़ लाख वर्ग फीट में बनने वाले इस प्लांट से 10 अरब चिप्स का उत्पादन होगा। चिप्स का इस्तेमाल टेलीकॉम, 6जी/7जी, लैपटॉप और पॉवर इलेक्ट्रॉनिक्स में किया जाएगा।

सेमीकंडक्टर बनाने वाली पॉलीमैक कम्पनी ने छत्तीसगढ़ में पॉवर मॉड्यूल फेब्रिकेशन प्लांट स्थापित करने 10,000 करोड़ रुपये इन्वेस्ट करने का एक और प्रस्ताव भी दिया है। संयंत्र के माध्यम से ट्रांजिस्टर, पावर इलेक्ट्रॉनिक्स और इलेक्ट्रिक व्हीकल्स के क्षेत्र में प्रोडक्शन किया जाएगा।

साय सरकार ने नवा रायपुर को आईटी हब बनाने की दिशा में भी बड़ी कामयाबी हासिल की है। नवा रायपुर के सीबीडी स्थित कमर्शियल टॉवर (ब्लॉक-सी) के सातवें तल पर 11 करोड़ रुपये की लागत से तैयार 33,000 वर्गफीट का पूरी तरह सुसज्जित ऑफिस स्पेस स्क्वायर बिजनेस सर्विसेज को आबंटित किया गया है। नवा रायपुर को भारत का अगला प्रमुख आईटी हब बनाने की दिशा में साय सरकार के इस कदम को काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। दरअसल, केंद्र में कई साल तक स्टील मिनिस्टर रहे विष्णुदेव साय ने मुख्यमंत्री बनने के बाद राज्य की नई पहचान बनाने के निर्देश दिये। साय के नेतृत्व में सरकार बनने के बाद से ही इंडस्ट्रियल डवलपमेंट की दिशा में कई स्तरों पर प्लानिंग का काम शुरू किया गया। राज्य की पहचान खनिज खनन और कृषि राज्य के रूप में ही सीमित न रखने की सोच के साथ नई नीतियां बनाई गई। नतीजा ये हुआ कि सरकार बनने के बाद एक साल के भीतर ही नवा रायपुर में स्टेक होल्डर कनेक्ट वर्कशॉप के दौरान राज्य के 27 बड़े औद्योगिक समूहों को 32 हजार 225 करोड़ रुपए के निवेश के लिए इंटेंट टू इन्वेस्ट लेटर प्रदान किए।

इस वर्कशॉप में राज्य में आईटी, एआई, डाटा सेंटर, एथेनॉल, इलेक्ट्रॉनिक्स, इलेक्ट्रिकल, कम्प्रेस्ड बायो गैस जैसे क्षेत्रों में निवेश करने की तस्वीर रची जाने लगी। जगदलपुर के पास लगभग 118 एकड़ भूमि पर औद्योगिक क्षेत्र का निर्माण भी साय के इसी इंडस्ट्रियल डवलपमेंट के विजन का हिस्सा है। राज्य के अन्य हिस्सों में भी औद्योगिक क्रांति लाने का काम बड़े पैमाने पर किया जा रहा है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की दूरदर्शिता के कारण छत्तीसगढ़ ने वित्तीय वर्ष 2025 में औद्योगिक निवेश के क्षेत्र में एक नया कीर्तिमान रच दिया। राज्य में 218 नई परियोजनाओं में 1,63,749 करोड़ रुपए का निवेश किया गया। इस उपलब्धि से छत्तीसगढ़ देश के टॉप टेन निवेश वाले राज्यों में शामिल हो गया। राज्य में अब तक 4.4 लाख करोड़ रुपए का औद्योगिक निवेश हो चुका है।

राज्यपाल डेका ने महाकालीबाड़ी विश्वनाथ मंदिर में सपत्निक की पूजा-अर्चना

रायपुर/ नवप्रदेश। राज्यपाल रमेन डेका और राज्य की प्रथम महिला श्रीमती रानी डेका काकोटी ने आज महाकालीबाड़ी विश्वनाथ मंदिर पंडरी रायपुर में माता जगतधात्री की पूजा-अर्चना कर आर्शीवाद लिया और प्रदेश के सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर मंदिर समिति के अध्यक्ष दिसेश चटर्जी एवं अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

बेमौसम बारिश से धान कटाई मिसाई में आ रही अड़चने, किसान चिंतित

सरगुजा/नवप्रदेश। वैज्ञानिक नाम निलोफर हुदहुद,मोन्था, और न जाने किन किन नामों से आने वाले चक्रवाती तूफानों के कारण होने वाली बेमौसम बारिश के असर से क्षेत्र के किसान प्रभावित होते रहे हैं। कुछ जानकारो का मानना है इस साल सरगुजा संभाग में सबसे अधिक रिकार्ड बारिश हुई है अब जबकि मानसून के लौट जाने के बाद आसमान साफ होने चाहिए थे छाये बादलों के कारण नहीं हो सका है। साथ ही गुलाबी ठंड ने दस्तक दे दिया होता मगर अनवरत जारी बारिश ने क्षेत्र के किसानों की चिंता बढ़ा दिये है। दरअसल खेतों में धान फसल पककर तैयार हो चुके हैं । रोज दिन होने वाले बारिश ने कटाई मिसाई कार्य पर विराम लगा दिया है चाह कर भी किसान अपने खेतों के धान नहीं काट पा रहे हैं। कुछ कटे हुए हैं वह खेत में पड़े पड़े ख़राब होने के कगार पर है। वहीं आलू बोनी में भी लेट लतीफी हो रही है अन्य सब्जी फसल प्रभावित हैं। हाथ से

धान कटाई के लिए महिला मजदूरों का मिलना तकरीबन नामुमकिन है। लिहाजा धान काटने वाला हार्वेस्टर मशीन का सहारा किसानों को है। लेकिन जमीन गीली होने कारण मशीन खेतों में चल नहीं सकती। बारिश रूकने का इंतजार किया जा रहा है। अबतक के स्थिति में खेत के धान अपने पकने की अवधि से आगे निकल चुके।

मुर्गा बाजार की आड़ में लाखों का दांव, पुलिस को भनक तक नहीं!

- **आदिवासी अंचल में मुर्गा बाजार जुआ बाजार में तब्दील हो रहा**
- **अधिकारी से लेकर कर्मचारी भी लाखों रुपए का लगा रहे दांव फिर भी कार्यवाही नहीं?**

कांकेर/नवप्रदेश। बस्तर आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र माना जाता है। और बस्तर रियासत कालीन क्षेत्र भी माना जाता है। जहां राजा महाराजा अपने शौक के लिए विभिन्न खेल देख करते थे।जिसमें प्रमुख खेल जो आदिवासी परंपरा के अनुसार मुर्गा लड़ाई जो प्रमुख खेल में शामिल था। मुर्गा लड़ाई बस्तर अंचल में पारम्परिक खेल में शामिल होने के कारण अब इस मुर्गा लड़ाई में लाखों हजारों का जुआं का दांव लगाकर इस पारम्परिक खेल को जुआ में तब्दील किया जा चुका है। मुर्गा लड़ाई के मनोरंजन खेल को जिले के जुआं खेलने वाले बड़े बड़े लड़ाकू मुर्गा लाकर बकायदा खुले आम लाखो का दांव लगाते आसानी से नजर आ जाएंगे। चूंकि बस्तर और रियासत कालीन मुर्गा लड़ाई का खेल जुआं में तब्दील होने के बावजूद हमारी जिले की पुलिस मूकदर्शक बनी हुई है। मुर्गा बाजार में बेझिझक लाखो रुपए का दांव लगाने वालो पर कार्यवाही नहीं होने से मुर्गा बाजार में जुआ का अवैध कारोबार दिन ब दिन बढ़ता जा रहा है।

बाहर से आते है दांव लगाने वाले

बता दे कि मुर्गा बाजार को जुआ के बाजार में तब्दील हो रहा है।इस खेल को खेलने कांकेर नारायणपुर धमतरी कोंडागांव अभनपुर दल्लीराजहरा बालोद सहित आसपास के पड़ोसी जिले से बाकायदा बड़ी बड़ी वाहनों में आकर खुलेआम लाखों रुपए का मुर्गा में दांव लगाकर पुलिस को मुंह चिढाते साफ नजर आ जाएंगे। इसके बावजूद पुलिस विभाग इतने बड़े बड़े जुआ सट्टा खुडखुड़ी पर अंकुश लगाते दिखती है लेकिन मुर्गा बाजार की आड में चल रहे अवैध जुआं के बाजार पर मूक दर्शक बनी हुई है!!

सरकारी कर्मचारी लगाते मिलेंगे मुर्गा बाजार में दांव!..

बस्तर में राजा महाराजा के मुर्गा लड़ाई के शौक ने आज मुर्गा बाजार को जुआ के बाज़ार में तब्दील हो चुका है। बस्तर सहित कांकेर जिले में पूरे महीने किसी न किसी गांव में मुर्गा बाजार लगाया जाता है। सबसे चौंकाने वाली बात तो यह है कि मुर्गा बाजार में अधिकांश बाजारों में जिले के अधिकारी से लेकर कर्मचारी पहुंचते है और बकायदा मुर्गा लड़ाई के दौरान लाखो का हार जीत का दांव लगाते आसानी से देखा जा सकता है। लेकिन शौक के मुर्गा बाजार जुआ में तब्दील होने के बावजूद और आए दिन सरकारी कर्मचारी खुलेआम जुआं लगाते दिखे जाने के बाद अब जिला प्रशासन किस तरह मुर्गा बाजार पर नकेल कसेगी यह तो आने वाला समय बताएगा।

एस आई आर के काम में पारदर्शिता और ईमानदारी हो : दीपक बैज

रायपुर/नवप्रदेश। चुनाव आयोग ने देश के 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण एस आई आर की घोषणा की है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि कांग्रेस मांग करती है कि आयोग यह सुनिश्चित करे कि एस आई आर के काम में पारदर्शिता और ईमानदारी हो। पहले निर्वाचन आयोग को मतदाता सूची का इलेक्ट्रॉनिक डेटा सभी राजनीतिक दलों को उपलब्ध कराना चाहिए और किसी भी संशोधन से पहले सभी दलों के बीएलए से चर्चा करनी चाहिए, इसके बिना किसी भी नागरिक से मतदान का अधिकार छिनना लोकतंत्र के खिलाफ़ अपराध है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि एस आई आर का का काम मूल रूप से बीएलओ के माध्यम से ही पूरा होगा। बीएलओ घर-घर जा कर दस्तावेज का मिलान करेगा, कांग्रेस पार्टी मांग करती है बीएलओ हर घर में भौतिक रूप से जरूर पहुंचे यह सुनिश्चित किया जाए और बीएलओ जब मतदाता के घर आए तो उसके आने का पुष्टि प्रमाण पत्र मतदाता से लिखवा कर ले। इससे यह सुनिश्चित हो जाएगा कि बीएलओ ने एक जगह बैठ कर कागजी सर्वे नहीं किया।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि किसी मतदाता का नाम सूची से काटा जाए तो वह अपात्र है यह प्रमाणित करने का दायित्व आयोग का होना चाहिए न कि मतदाता का। मतदाता को उसके दस्तावेज प्रस्तुत करने का पूरा समय दिया जाए। एस आई आर के काम में आयोग की नीयत सही होनी चाहिए, उसका लक्ष्य ज्यादा से ज्यादा मतदाताओं का नाम जोड़ने का होना चाहिए न कि काटने का।

मोन्था चक्रवात का जिले में असर

- **खेतों में खड़ी और कटी फसलों को नुकसान की आशंका**
- **सोयाबीन चौपट होने के बाद धान में खराबी से किसान चिंतित**

खैरागढ़/नवप्रदेश । जिले मे चक्रवात मोंथा का गुरूवार को व्यापक असर रहा । सुबह से रूक रूक कर दिनभर हूई बारिश से खेतों मे धान की खड़ी फसलें प्रभावित हूई तो दूसरी ओर कटाई के बाद खलिहान नही जा पाई फसल पर भी नुकसान की आशंका से किसान चिंतित हो गए । चक्रवाती हवाओ से अधिकांश इलाको मे धान की खड़ी फसलें प्रभावित हूई है । बारिश ने गुरूवार को किसानो की चिंता और बढ़ा दी । दिन भर जिले मे बारिश से खेतों मे पककर कटने के लिए तैयार फसलो को भी नुकसान की आशंका बढ़ गई है । खेतों मे जारी कटाई वाले इलाको मे भी किसान फसलो की बचाने दिनभर कवायद करते रहे । दीवाली के बाद धान की कटाई की तैयारी भी बेमौसम बारिश से प्रभावित हूई है । खराब मौसम के चलते कटाई टल गई है तो दूसरी ओर हार्वेस्टर भी खेतो की जमीन बारिश के चलते गीली होने से कटाई नही कर पा रही है ।

दिनभर रहा असर, गिरा तापमान

मौसम विभाग द्वारा दी गई जानकारी के बाद बुधवार को चक्रवात का असर जिले मे कम रहा । दिनभर बदली छाई रही लेकिन बारिश नही होने से किसानो को राहत रही । लेकिन गुरूवार को सुबह से उमड़े बादलो ने रिमझिम बारिश जारी रखी । जो रूक रूक कर दिनभर होती रही । दोपहर बाद हालंकि मौसम खुलने की उम्मीद बंधी लेकिन मौसम घने बादलो के साथ बना रहा । इस दौरान गर्मी मे कमी आई और ठंडी हवाओ से सिहरन भी बढ़ी लेकिन बारिश के चलते दिनभर कामकाज प्रभावित होता रहा ।

सोयाबीन मे नुकसान अब धान मे आशंका बढ़ी

जिले मे सोयाबीन फसलो मे बारिश के चलते व्यापक पैमाने पर नुकसान हूआ है । जिला प्रशासन ने जिले मे सोयाबीन फसलो के नुकसान की लगातार जानकारी सामने आने के बाद खराब सोयाबीन फसल की सर्वे के आदेश भी जारी किए है ।

गोटुमपल्ली के जंगल में माओवादियों का 15 फीट ऊंचा स्मारक ध्वस्त

बीजापुर/नवप्रदेश। जिले के थाना तर्रेम क्षेत्रान्तर्गत ग्राम गोटुमपल्ली के सघन जंगलों में माओवादियों द्वारा निर्मित एक लगभग 15 फीट ऊँचा स्मारक सुरक्षा बलों ने ध्वस्त कर दिया। यह संयुक्त कार्रवाई डीआरजी, थाना तर्रेम, केरिपु-153 एवं केरिपु-168 बटालियन की टीम द्वारा बुधवार 29 अक्टूबर को की गई। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार यह स्मारक माओवादियों ने अपने मारे गए सदस्यों की याद में ग्रामीणों पर दबाव डालकर तैयार कराया था। इस स्मारक का उपयोग वे ग्रामीणों में भय का

वातावरण बनाए रखने और अपने संगठन के प्रचार-प्रसार के लिए कर रहे थे।

संयुक्त बलों ने कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के बीच सतर्कता और साहस के साथ अभियान को अंजाम दिया। सुरक्षा बलों ने मौके पर पहुंचकर स्मारक को ध्वस्त किया और क्षेत्र में सघन तलाशी अभियान चलाया।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि इस कार्रवाई से माओवादियों के मनोबल पर असर पड़ा है, वहीं ग्रामीणों में सुरक्षा बलों के प्रति विश्वास और सुरक्षा की भावना और अधिक मजबूत हुई है।

अधिकारियों ने कहा कि माओवादियों के विरुद्ध ऐसे अभियान लगातार जारी रहेंगे और भविष्य में भी इस प्रकार की कार्रवाई निर्बाध रूप से की जाती रहेगी।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक प्रधान संपादक यशवंत धोटे द्वारा, मिनल पब्लिकेशन एंड प्रोडक्शन प्रा.लि. शेड नंबर 74, सेक्टर-सी, उरला इंडस्ट्रीयल एरिया रायपुर, से मुद्रित कर तृतीय तल, सुपर मार्केट कॉम्पलेक्स, राजा रघुराज सिंह स्टेडियम के सामने अग्रसेन चौक, बिलासपुर से प्रकाशित, RNI NO.CHHHIN/2015/62431, संपादक-चन्द्रशेखर* (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए उत्तरदायी), स्थानीय संपादक-विक्रम सिंह ठाकुर, फोन नंबर : 07752-468654, navpradeshbilaspur01@gmail.com